₹ 20

www.kewalsach.com

निर्भीकता हमारी पहचान

फरवरी 2025

केवल सच

हिन्दी मासिक पत्रिका

RNI NO.-BIHHIN/2006/18181, DAVP NO.-129888, POSTAL REG. NO. 8- PS.-35

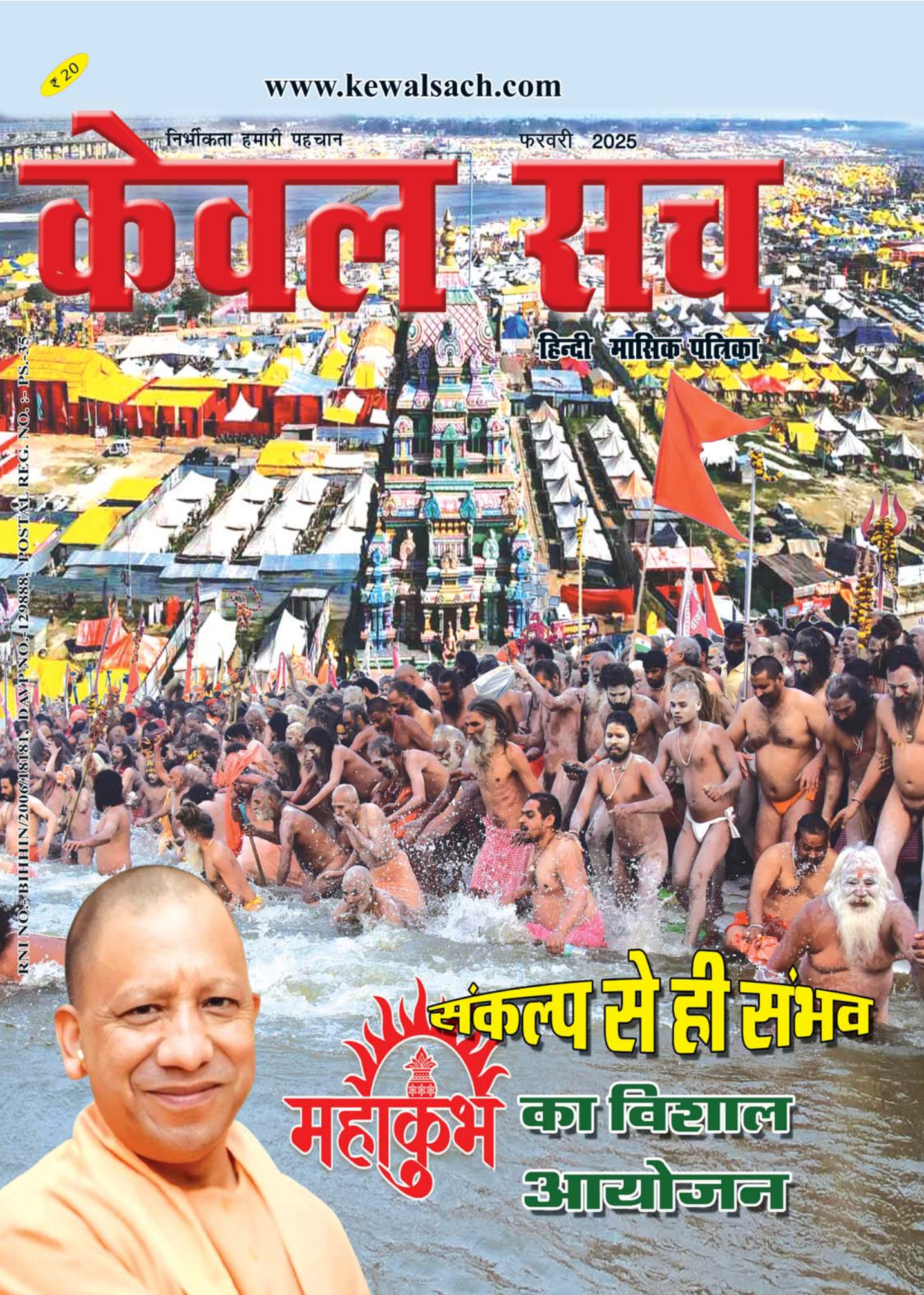

संकल्प से ही संभव महाकुंभ का विशाल आयोजन

मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग

नशे पर करना होगा वार, तभी सुरक्षित रहेगा जीवन-संसार

मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग , बिहार सरकार द्वारा जनहित में जारी

टॉल फ्री नम्बर : 15545 या 1800 345 6268

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

जैकी श्रॉप
01 फरवरी 1960

मनोज तिवारी
01 फरवरी 1971

ब्रह्मनंदम
01 फरवरी 1956

खुशवंत सिंह
02 फरवरी 1915

शमीता शेट्टी
02 फरवरी 1979

रघुराम राजन
03 फरवरी 1963

उर्मिला मांदोडकर
04 फरवरी 1974

अभिषेक बच्चन
05 फरवरी 1976

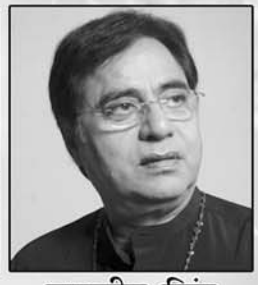

जगजीत सिंह
08 फरवरी 1941

मो० अजहरूद्दीन
08 फरवरी 1963

राहुल रॉय
09 फरवरी 1968

उदिता गोस्वामी
09 फरवरी 1984

कुमार विश्वास
10 फरवरी 1970

चौधरी अजीत सिंह
12 फरवरी 1939

स्व० सुषमा स्वराज
14 फरवरी 1952

टेकलाल महतो
15 फरवरी 1945

रणधीर कपूर
15 फरवरी 1947

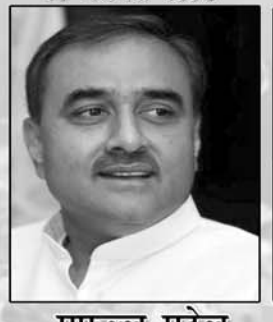

प्रफुल्ल पटेल
17 फरवरी 1957

स्व० जयललिता जयराम
24 फरवरी 1948

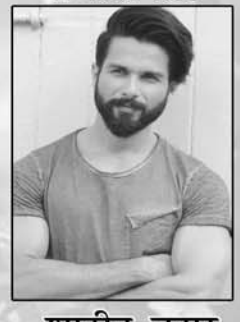

शाहीद कपूर
25 फरवरी 1981

निर्भीकता हमारी पहचान

www.kewalsach.com

केवल सच

हिन्दी मासिक पत्रिका

Regd. Office :-
East Ashok, Nagar, House
No.-28/14, Road No.-14,
kankarbagh, Patna- 8000 20
(Bihar) Mob.-09431073769
E-mail :- kewalsach@gmail.com

Corporate Office:-
Vaishnavi Enclave,
Second Floor, Flat No. 2B,
Near-firing range,
Bariatu Road, Ranchi- 834001
E-mail :- editor.kstimes@rediffmail.com

Delhi Office :-
Sanjay Kumar Sinha,
A-68, 1st Floor, Nageshwar Talla
Shastri Nagar, New Delhi - 110052
Mob.- 09868700991,
09955077308
E-mail:- kewalsach_times@rediffmail.com

Kolkata Office :-
Ajeet Kumar Dube,
131 Chitranjan Avenue,
Near- md. Ali Park,
Kolkata- 700073
(West Bengal)
Mob.- 09433567880
09339740757

Advertisement Rates Per Issue

COLOUR

AREA	FULL PAGE	HALF PAGE	Qr. PAGE
Cover Page	5,00,000/-	N/A	N/A
Back Page	1,60,000/-	N/A	N/A
Back Inside	1, 00000/-	60,000/-	35000
Back Inner	90,000/-	50,000/-	30000
Middle	1,50,000/-	N/A	N/A
Front Inside	1, 00000/-	60,000/-	40000
Front Inner	90,000/-	50,000/-	30000

B & W

AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
Inner Page	60,000/-	35,000/-

1. एक साल के नियमित विज्ञापन पर पत्रिका के वेवसाइट **www.kewalsach.com** के फ्रंट पर भी विज्ञापन निःशुल्क तथा आपका वेवसाइट से सीधा लिंक हो सकता है।
2. एक साल के नियमित विज्ञापन पर 10 प्रतिशत की रियायत।
3. आपके प्रोडक्ट या संगठन के प्रचार-प्रसार हेतु आलेख को उचित स्थान।
4. पत्रिका द्वारा सामाजिक कार्य में आपके संगठन/प्रोडक्ट का बैनर/फ्लैक्स को उचित स्थान देकर आपके संगठन का व्यापक प्रचार-प्रसार।
5. विज्ञापन का भुगतान चेक या आर.टी.जी.एस. से ही मान्य होगा।

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

प्रयागराज में सनातन का महाकुंभ

त्रिवेणी संगम प्रयागराज उत्तरप्रदेश में अमृत स्नान करने की सनातन परंपरा का निर्वहन करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ जब प्रयागराज में उमड़ी तो सनातन धर्म को वायरस कहने वाले को संत-महात्मा एवं साधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर यह साबित कर दिया है की आवश्यकता आने पर वह कभी भी एंटी वायरस चलाकर उनकी औकात दिखा सकते हैं। महाकुंभ 144 वर्ष के बाद लगा है और इस महाकुंभ ने विश्व के कई रेकॉर्ड को तोड़ दिया है। योगी आदित्यनाथ ने बतौर मुख्यमंत्री यह साबित कर दिया है की भारत के गौरवशाली इतिहास में सनातन धर्म का कारगर वजूद था और आज भी 1000 वर्ष के गुलामी के बाद भी सनातन धर्म का झंडा बुलंद है और भाजपा की सरकार ने श्रीराम मंदिर, काशी कॉरीडोर और प्रयागराज में महाकुंभ स्नान में उमड़ा जनसैलाब ने विपक्ष की राजनीति को औंधे मुंह गिरा दिया है। लगभग 60 करोड़ लोगों का अमृत स्नान करना सनातन के पराक्रम को साफतौर पर जाहिर करता है कि भले हीं सत्ता के लिए सनातन धर्म पर प्रहार करें पर देश एवं विश्व की जनता ने भी सनातन में अपनी आस्था का परिचय देकर महाकुंभ के जरिए भारत की विजय धर्मगाथा को प्रभावशाली बना दिया है। जाति एवं धर्म से उपर उठकर एक स्थल पर स्नान करके महाकुंभ ने सनातन की एकजुटता का बड़ा संदेश दिया है।

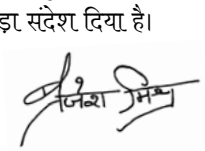

अपनी प्रतिक्रिया हमारे ई-मेल पर दें:- editor.kstimes@rediffmail.com

भले हीं दुनिया इंटरनेट की चल रही हो लेकिन भारत में सनातन की यात्रा की बात ही निराली है। लोकसभा चुनाव 2024 में वोटरों को मन-मिजाज अपनी पक्ष में करने के लिए भाजपा ने जहां बंटेंगे तो कटेंगे का नारा दिया तो वहीं विपक्ष ने सनातन धर्म को वायरस कहकर सरकार बनाना चाहते थे लेकिन आखिरकार चुनाव के परिणाम धर्म के पक्ष में आये और उत्तरप्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने अपनी प्रखरता से सनातन धर्म के लोगों का विश्वास इस कदर जीता है जिसका प्रमाण 144 वर्ष बाद लगे महाकुंभ में अमृत स्नान के लिए पहुंची भीड़ ने दे दिया है। भले ही विरोधी कुव्यवस्था को लेकर सरकार पर सवाल उठायें लेकिन लोगों का महाकुंभ में अमृत स्नान को लेकर उनकी भावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। सैकड़ों किलोमीटर के लम्बे जाम एवं ट्रेन में बढ़ती भीड़ ने कई प्रदेश के नेताओं की नींद उड़ा दी है और उन बयानबाजों पर करारा प्रहार किया है जिन्हें राम मंदिर की जगह पर विद्यालय एवं हॉस्पीटल चाहिए था। उत्तर प्रदेश में अमृत की एक बूंद प्रयागराज के त्रिवेणी संगम (गंगा + यमुना + सरस्वती) में गिरा था जिसकी वजह से इस स्थल की महत्ता काफी बढ़ जाती है और प्रति 03 वर्ष पर कुंभ और 12 वर्ष पर महाकुंभ का धार्मिक महत्व को प्रचार इस कदर किया गया कि पूरा विश्व प्रयागराज में दिखाई देने लगा और सनातन पर कटाक्ष करने वाले पहले हरियाणा तो बाद में दिल्ली का चुनाव भी हार गये। धर्म-अध्यात्तम और गुरूकुल की परंपरा को फिर से जागृत करने का प्रयास लोगों के बीच खूब रास आने लगा है और लोगों में अपनी परंपरा के प्रति बढ़ता आकर्षण युवाओं को भी प्रभावित कर रही है और संचारक्रांति के युग में भी वह अब अपने धर्म के प्रति सजग एवं वफादार दिखने लगे हैं। देश की राष्ट्रपति महोदया, देश के प्रधानमंत्री सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री एवं मंत्री सहित पदाधिकारी और उद्योगपतियों ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाकर योगी आदित्यनाथ के इस महाआयोजन को सफल बना दिया है। साधु-संतो के साथ-साथ शंकराचार्य एवं अन्य धर्मों के लोगों ने भी अमृत महोत्सव के काल में अमृत स्नान करके भारत ऋषि-मुनियों की धरती थी, है और रहेगी की युक्ति को चरितार्थ करती है। देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी ने स्नान करके विपक्षियों को यह एहसास करा दिया है कि सत्ता की राजनीति अलग है और जब बात धर्म की होगी तो सनातन का कोई दूसरा स्थान नहीं ले सकता है। घर में अपने माता-पिता की इज्जत नहीं करने वाले भी अमृत स्नान करके अपना पाप धोने प्रयागराज चले गये। भगदड़ में मौत के बाद भी प्रयागराज में भीड़ की कहीं से कोई कमी नहीं आई और कई लोगों की लोकप्रियता भी इतनी बढ़ती गयी जिसमें आईआईटी बाबा और मोनालिसा की आंखों का भी जमकर प्रचार हुआ वहीं ममता कुलकर्णी भी किन्नर समुदाय की महामंडलेश्वर की उपाधि हासिल करने की असफल कोशिश की। साधुओं का सच भी सबके सामने आया और किस प्रकार धर्म का डंका बजता है यह भी लोगों ने महसूस किया क्योंकि एक से बढ़कर एक कथावाचको ने भी अपनी कथा से प्रयागराज के अमृत स्नान क महत्व को भी साक्षा किया है। आज पानी कम है, गंदगी का अंबार लगा हुआ है और कुव्यवस्था पर चर्चा भी जोरों पर चल रहा है। विपक्ष ने भी यह साबित किया है कि वह राजनीतिक महत्वकांक्षा के लिए किसी भी हद तक सनातन धर्म का विरोध करने से बाज नहीं आयेंगे। महाकुंभ ने योगी आदित्यनाथ की ख्याति को काफी धारदार बना दिया है और पूरे देश में ऐसे आयोजन अन्य राज्यों में भी आयोजित हो इसकी चर्चा शुरू हो चुकी है। महाकुंभ को जिसने भी जिस चश्में से देखा उसको वही दिखा है और महाकुंभ 21वीं सदी में सनातन का युग है साबित हो चुका है।

जनवरी 2025

आपको केवल सच पत्रिका कैसी लगी तथा इसमें कौन-कौन सी खामियाँ हैं, अपने सुझाव के साथ हमारा मार्गदर्शन करें। आपका पत्र ही हमारा बल है। हम आपके सलाह को संजीवनी बूटी समझेंगे।

केवल सच

हमारा पता है :-

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
द्वारा:- ब्रजेश मिश्र
पूर्वी अशोक नगर, रोड़ नं.- 14, मकान संख्या- 14/28
कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)
फोन:- 9431073769/ 8340360961/ 9955077308

हमारा ई-मेल
kewalsach@gmail.com, editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

जज की चर्चा

ब्रजेश जी,

जनवरी 2025 अंक में श्रीकांत श्रीवास्तव की कई खबर में न्यायमूर्ति चंद्रमौली कुमार प्रसाद, न्यायमूर्ति किशोर कुमार मंडल और न्यायमूर्ति राजीव राय का सफर का भी चर्चा काफी उपयोगी एवं जानकारीप्रद है। जस्टिस प्रेमशंकर सहाय के जन्म शताब्दी समारोह पर उन्हें दी गई श्रद्धांजलि आलेख भी पठनीय लगा। इस अंक में राजनीति, प्रशासन एवं न्यायपालिका पर काफी रोचक एवं पढ़ने योग्य जानकारी है। सिर्फ रंगीन पृष्ठों का आभाव के कारण इस पत्रिका का कलेवर थोड़ा कमजोर लगता है।

✦ दिनेश कुमार, रोड नं.-8, राजेन्द्र नगर, पटना

आयोग का हठ

ब्रजेश जी,

आपकी पत्रिका भले ही ब्लैक एण्ड व्हाईट प्रकाशित हो लेकिन इसकी खबरों की धार बहुत खतरनाक होती है। जनवरी 2025 अंक में अमित कुमार की आवरण खबर ''**आयोग का हठ छात्रों की जिद्**'' में बिहार लोक सेवा आयोग की पूरी सच्चाई को पूर्ण बेबाकी के साथ पाठकों के समक्ष रखा है। केवल सच पत्रिका अपने नाम के अनुरूप खबरों को कई दशकों से प्रकाशित कर रहा है। बिहार लोक सेवा आयोग की करतूत को निडरता से प्रकाशित करना पत्रकारिता धर्म का सही निर्वहन है। सटीक खबर है।

✦ महेश वर्मा, बूटी मोड़, राँची, झारखंड

एक पर एक

मिश्रा जी,

जनवरी 2025 अंक में प्रकाशित संजय सक्सेना की खबर ''लखनउ में बांग्लादेशियों की सरकार को चुनौती देश के लिए बड़ा खतरा'', दूसरी संजय सिन्हा की खबर ''दिल्ली फ्री की या विकास की'' तिसरी खबर मिथिलेश कुमार की ''साइबर अपराध बना युवाओं का पेशा'' और चौथी खबर बिंध्याचल सिंह ''पाल के जाल से अंचलाधिकारी व पाठक मालेमाल और दलित बेहाल'' भी काफी रोचक एवं तथ्यपूर्ण विषय पर सटीक आलेख है। ओम प्रकाश की खबर 'पीएलएफआई का कुख्यात एरिया कमांडर सुल्तान चढ़ा पुलिस के हत्थे'' भी पठनीय है।

✦ उमेश उरांव, पिठोरिया बाजार, राँची, झा०

महाकुंभ

मिश्रा जी,

जनवरी 2025 अंक में केवल सच, पत्रिका में योगी आदित्यनाथ की मुख्यमंत्री काल का सबसे बड़ा इवेंट का खबर को पूरी प्राथमिकता के साथ ''**योगी की तपस्या का महाकुंभ**'' में पत्रकार संजय सक्सेना ने सनातन धर्म का वर्चस्व पर आयोजित कार्यक्रम में राजनीति एवं प्रशासनिक महकमा पर भी उपयोगी खबर को लिखा गया है। सनातन धर्म में साधु-संतो का शाही स्नान एवं सरकार के बढ़ते कदम पर सही आलेख लिखा है। महाकुंभ की चर्चा आज भारत की सबसे मजबूत चर्चा बनकर उभरा है और ऐसे आलेख को मजबूती से प्रकाशित करना भी सटीक लगा। इस अंक का झारखंड का भी खबर उचित है।

✦ अनिकेत सहाय, अस्सी घाट, बनारस, यूपी

मनीष मंडल

संपादक जी,

बेबाक एवं निर्भिक खबरों के लिए केवल सच, पत्रिका की अपनी खास पहचान है। आईजीआईएमएस के अधीक्षक मनीष मंडल के कार्य पर सटीक समीक्षात्मक खबर को पत्रकार शशि रंजन सिंह एवं राजीव शुक्ला ने संयुक्त रूप में रखा है। राजनीति एवं प्रशासनिक लापरवाही का अड्डा बन चुका है आईजीआईएमएस और मनीष मंडल की रसूक के विषय में राज्य स्तर पर चर्चा है। स्वास्थ्य मंत्री का बर्दहस्त जिसे प्राप्त हो उसको किसी से भय क्यों लगेगा। आपने केवल सच के मुहिम को बहुत बेबाकी से कायम कर रखा है। सही व्याख्या है इस खबर में।

✦ मोहन चटर्जी, बाबू बाजार, कोलकात्ता, पं.बं

भ्रष्टाचार को पुरस्कार

संपादक जी,

केवल सच पत्रिका के जनवरी 2025 अंक में पत्रकार शशि रंजन सिंह एवं राजीव शुक्ला की संयुक्त खबर ''**भ्रष्टाचारियों को पुरस्कृत करती है भाजपा**'' में राज्य स्वास्थ्य समिति के सभी बिन्दुओं पर पड़ताल करती खबर है। पिछले अंक में भी ईडी के काली करतूत को उजागर करके पत्रकारिता के मापदंड को कायम रखा गया है। जहां विज्ञापन के लिए मीडिया किसी भी हद तक गिर सकती है लेकिन केवल सच, पत्रिका खबरों से कोई समझौता नहीं करता। दोनों माह का अंक पठनीय एवं संग्रहनीय है जिसकी वजह से केवल सच की साख मजबूत हुई।

✦ कमलेश सिंह, गणेश नगर, नई दिल्ली

अन्दर के पन्नों में

RNI No.- BIHHIN/2006/18181, DAVP No.- 129888

समृद्ध भारत खुशहाल भारत

निर्भीकता हमारी पहचान

केवल सच

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष:- 19, | अंक:- 225, | माह:- फरवरी 2025, | मूल्य:- 20/- रू

फाउंडर

श्रद्धेय गोपाल मिश्र

श्रद्धेय सुषमा मिश्र

संपादक

ब्रजेश मिश्र

9431073769 8340360961

editor.kstimes@rediffmail.com

kewalsach@gmail.com

प्रधान संपादक

अरूण कुमार बंका (एडमिन) 7782053204

सुरजीत तिवारी 9431222619

निलेन्दु कुमार झा 9431810505, 8210878854

सच्चिदानन्द मिश्र 9934899917

रामानंद राय 9905250798

डॉ० शशि कुमार 9507773579

संपादकीय सलाहकार

अमिताभ रंजन मिश्र 9430888060, 8873004350

अमोद कुमार 9431075402

महाप्रबंधक

त्रिलोकी नाथ प्रसाद 9308815605, 9122003000

triloki.kewalsach@gmail.com

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

पूनम जयसवाल 9430000482, 9798874154

मनीष कुमार कमलिया 9934964551, 8809888819

उप-संपादक

प्रसुन्न पुष्कर 9430826922, 7004808186

ब्रजेश सहाय 7488696914

ललन कुमार 7979909054, 9334813587

पंकज कुमार सिंह 9693850669, 9430605967

राजनीतिक संपादक

सुमित रंजन पाण्डेय 7992210078

संतोष कुमार यादव 8210487516,

संयुक्त संपादक

अमित कुमार 'गुड्डू' 9905244479, 7979075212

राजीव कुमार शुक्ला 9430049782, 7488290565

काशीनाथ गिरी 9905048751, 9431644829

अविनाश कुमार 7992258137, 9430985773

कुमार अनिकेत 9431914317

सहायक संपादक

शशि रंजन सिंह 8210772610, 9431253179

मिथिलेश कुमार 9934021022, 9431410833

नवेन्दु कुमार मिश्र 9570029800, 9199732994

ऋषिकेश पाण्डेय 7488141563, 7323850870

समाचार प्रबंधक

सुधीर कुमार मिश्र 9608010907

ब्यूरो-इन-चीफ

संकेत कुमार झा 9386901616, 7762089203

बिनय भूषण झा 9473035808, 8229070426

विधि सलाहकार

शिवानन्द गिरि 9308454485

रवि कुमार पाण्डेय 9507712014

चीफ क्राइम ब्यूरो

सैयद मो० अकील 9905101976, 8521711976

आनन्द प्रकाश 9508451204, 8409462970

साज-सज्जा प्रबंधक

अमित कुमार 9905244479

amit.kewalsach@gmail.com

कार्यालय संवाददाता

सोनू यादव 8002647553, 9060359115

प्रसार प्रतिनिधि

कुणाल कुमार 9905203164

बिहार प्रदेश जिला ब्यूरो

पटना (श०):- श्रीधर पाण्डेय 9470709185

(म०):- गौरव कुमार 9472400626

(ग्रा०) :- मुकेश कुमार 7004761573

बाढ़ :-

भोजपुर :- गुड्डू कुमार सिंह 8789291547

बक्सर :- बिन्ध्याचल सिंह 8935909034

कैमूर :-

रोहतास :- अशोक कुमार सिंह 7739706506

:-

गया (श०) :- सुमित कुमार मिश्र 7667482916

(ग्रा०) :-

औरंगाबाद :-

जहानाबाद :- नवीन कुमार रौशन 9934039939

अरवल :- संतोष कुमार मिश्रा 9934248543

नालन्दा :-

:-

नवादा :- अमित कुमार 9162664468

:-

मुंगेर :-

लखीसराय :-

शेखपुरा :-

बेगूसराय :-

:-

खगड़िया :-

समस्तीपुर :-

जमुई :- अजय कुमार 09430030594

वैशाली :-

:-

छपरा :-

सिवान :-

:-

गोपालगंज :-

:-

मुजफ्फरपुर :- .

:-

सीतामढ़ी :-

शिवहर :-

बेतिया :- रवि रंजन मिश्रा 9801447649

बगहा :-

मोतिहारी :- संजीव रंजन तिवारी 9430915909

दरभंगा :-

:-

मधुबनी :-

:- प्रशांत कुमार गुप्ता 6299028442

सहरसा :-

मधेपुरा :-

सुपौल :-

किशनगंज :-

:-

अररिया :- अब्दुल कय्यूम 9934276870

पूर्णिया :-

कटिहार :-

भागलपुर, :-

(ग्रा०):- रवि पाण्डेय 7033040570

नवगछिया :-

दिल्ली कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
द्वारा- संजय कुमार सिन्हा
A-68, 1st Floor,
नागेश्वर तल्ला, शास्त्रीनगर,
नई दिल्ली-110052
संजय कुमार सिन्हा, स्टेट हेड
मो०- 9868700991, 9431073769

उत्तरप्रदेश कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
....., स्टेट हेड

सम्पर्क करें

9308815605

पश्चिम बंगाल कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
द्वारा- अजीत कुमार दुबे
131 चितरंजन एवेन्यू,
कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल- 700073
अजीत कुमार दुबे, स्टेट हेड
मो०- 9433567880, 9308815605

मध्य प्रदेश कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
हाउस नं.-28, हरसिद्धि कैम्पस
खुशीपुर, चांबड़
भोपाल, मध्य प्रदेश- 462010
अभिषेक कुमार पाठक, स्टेट हेड
मो०- 8109932505,

झारखंड कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
वैष्णवी इंक्लेव,
द्वितीय तल, फ्लैट नं- 2बी
नियर- फायरिंग रेंज
बरियातु रोड, राँची- 834001
मो०- 7903856569, 6203723995

छत्तीसगढ़ कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,

....., स्टेट हेड

सम्पर्क करें

8340360961

संपादकीय व प्रधान कार्यालय:-

☞ पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या.- 14/28, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार) मो०- 9431073769, 9955077308

☞ e-mail:- kewalsach@gmail.com, editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

☞ स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक ब्रजेश मिश्र द्वारा सांध्य प्रवक्ता खबर वर्क्स, ए- 17, वाटिका विहार (आनन्द विहार), अम्बेडकर पथ, पटना 8000 14(बिहार) एवं पूर्वी अशोक नगर, रोड नं. 14, कंकड़बाग पटना-800020 से प्रकाशित, संपादक- ब्रजेश मिश्र। RNI NO.-BIHHIN/2006/18181

☞ पत्रिका में प्रकाशित समाचारों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

☞ सभी प्रकार के वाद-विवादों का निपटारा पटना न्यायालय के अधीन होगा।

☞ आलेख पर कोई आपत्ति हो तो एक महीने के भीतर खंडन करें।

☞ किसी भी लेख के लिए रचनाकार/लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे।

☞ **सभी पद अवैतनिक हैं।**

☞ फोटो-समाचार साभार भी (माध्यम- इंटरनेट एवं अन्य स्त्रोत)

☞ कोई भी शिकायत हमारे पते पर लिखकर भेजें।

☞ **विज्ञापन का भुगतान चेक या ड्राफ्ट एवं RTGS से ही मान्य होगा।**

☞ भुगतान Kewal Sach को ही करें। प्रतिनिधियों को नगद न दें।

☞ A/C No. :- 0600050004768
BANK :- Punjab National Bank
IFSC Code :- PUNB0060020
PAN No. :- AAJFK0065A

☞ A/C No. :- 0600050004768
BANK :- State Bank of India
IFSC Code :- SBIN0003564
PAN No. :- AAJFK0065A

प्रधान संपादक

.....

.....

.....

झारखण्ड स्टेट ब्यूरो

.....

.....

झारखण्ड सहायक संपादक

अभिजीत दीप 7004274675, 9430192929
ब्रजेश मिश्र 7654122344, 7979769647
अनंत मोहन यादव 9546624444, 7909076894

उप संपादक

अजय कुमार 6203723995, 8409103023

.....

संयुक्त संपादक

.....

विशेष प्रतिनिधि

भारती मिश्रा 8210023343, 8863893672

.....

.....

झारखण्ड प्रदेश जिला ब्यूरो

राँची :- अभिषेक मिश्र 7903856569
:- ओम प्रकाश 9708005900
साहेबगंज :-
खूँटी :-
जमशेदपुर :- तारकेश्वर प्रसाद गुप्ता 9304824724
हजारीबाग :-
जामताड़ा :-
दुमका :-
देवघर :-
धनबाद :-
बोकारो :-
रामगढ़ :-
चाईबासा :-
कोडरमा :-
गिरीडीह :-
चतरा :- धीरज कुमार 9939149331
लातेहार :-
गोड्डा :-
गुमला :-
पलामू :-
गढ़वा :-
पाकुड़ :-
सिमडेगा :-
लोहरदगा :-

श्री चन्द्र प्रकाश सिंह

प्रधान संरक्षक सह प्रबंध संपादक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)

पूर्व निदेशक सदस्य, ओरियेंटल बैंक ऑफ कॉमर्स

09431016951, 09334110654

डॉ. सुनील कुमार

शिशु रोग विशेषज्ञ सह मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका

एवं 'केवल सच टाइम्स'

एन.सी.- 115, एसबीआई ऑफिसर्स कॉलोनी,
लोहिया नगर, कंकड़बाग, पटना- 800020

फोन- 0612/3504251

सुधीर कुमार

मुख्य संरक्षक सह निदेशक ''**मगध इंटरनेशनल स्कूल**'' टेकारी

'' **केवल सच** '' पत्रिका **एवं** '' **केवल सच टाइम्स** ''

9060148110

sudhir4s14@gmail.com

कैलाश कुमार मौर्य

मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

व्यवसायी

पटना, बिहार

7360955555

बिहार राज्य प्रमंडल ब्यूरो		
पटना		
मगध		
सारण		
तिरहुत		
पूर्णिया	**धर्मेन्द्र सिंह**	9430230000 7004119966
भागलपुर		
मुंगेर		
दरभंगा		
कोशी		

विशेष प्रतिनिधि

महेश चौधरी	9572600789, 9939419319
आशुतोष कुमार	9430202335, 9304441800
शालनी झा	9031374771, 7992437667
बेंकटेश कुमार	8521308428, 9572796847
राजीव नयन	9973120511, 9430255401
दीपनारायण सिंह	9934292882
आनन्द प्रकाश पाण्डेय	9931202352, 7808496247
रामजीवन साहू	9430279411, 7250065417
कुमार राजू	9310173983,
रजनीश कांत झा	9430962922, 7488204140

छायाकार

त्रिलोकी नाथ प्रसाद	9122003000, 9431096964
मुकेश कुमार	9835054762, 9304377779
जय प्रसाद	9386899670,
कृष्णा कुमार	9608084774, 9835829947

झारखंड राज्य प्रमंडल ब्यूरो		
राँची	गुड्डी साव	629970142
हजारीबाग		
पलामू		
दुमका		
चाइईबासा		

हादसे भी नहीं तोड़ पाये सनातनियों के हौसले

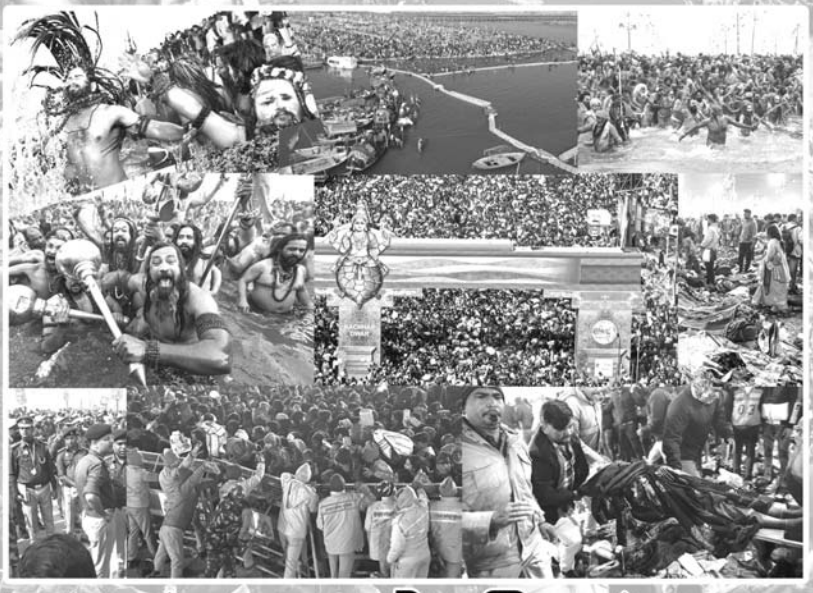

संकल्प से ही संभव महाकुंभ का विशाल आयोजन

● **अमित कुमार**

मैं चरणपादुका हूं। कठिन लग रहा है न मेरा ये नाम। जी। मुझे जूता, चप्पल, सैंडिल आदि नामों से भी पुकारा जाता है। मैं लोगों के पैरों की शान हूं। हैसियत के अनुसार लोग मुझे खरीदते हैं। शो रूम या फुटपाथ कहीं से भी। बहुत सहेजकर रखते हैं, मुझे मेरे चाहने वाले। मैं उनके पैरों की हिफाजत जो करता हूं। उनका चलना, दौड़ना आसान जो बनाता हूं। उनको कांटे से, ठोकर से बचाता हूं। खुद कीचड में डूब जाता हूं, पर उनके पैरों को गंदा नहीं होने देता। मुझे अपनो से बिछड़ने का अफसोस है। यकीनन उनको भी होगा जिनसे मैं बिछड़ गया हूं। उन्होंने भी मेरी शिद्दत से तलाश की होगी। नहीं मिलने पर अफसोस भी किया होगा। मेरी तरह शायद वो भी मुझे याद करते होंगे। मैं अपनों के साथ प्रयागराज कुंभ में आया था। पर भीड़ में कहीं खो गया। अब समझ में नहीं आता। मेरा भविष्य क्या होगा? हम इतने हैं कि इनमें से मेरे जोड़ीदार को भी तो खोजना मुश्किल है। उसके बिना मेरा कोई उपयोग भी नहीं। कुछ लोगों को जोड़ा दिख भी रहा, पर संकोच में उसे उठा नहीं रहे। अफसोस कि मैं खुद नहीं चल सकता। मुझे चलने के लिए किसी के पांव का सहारा चाहिए।

चल सकता तो उन पावों की तलाश कर लेता जिनसे मुझे प्यार था। बोल भी नहीं सकता। बस अफसोस कर सकता। अब मेरा भविष्य अनिश्चित है। मैं दुखी हूं। ये दर्द भरी संवेदना प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में हुए भगदड़ को बयां कर रही है।

गंगा की पावन धारा, लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और पुण्य स्नान की चाह... लेकिन 28-29 जनवरी की दरमियानी रात महाकुंभ में कुछ ऐसा हुआ, जिसने इस पवित्र आयोजन को एक भयावह हादसे में बदल दिया। संगम पर उमड़ी भीड़ के बीच अफरा-तफरी मची, लोग एक-दूसरे पर गिरते चले गए, चीख-पुकार गूंजने लगी, और देखते ही देखते श्रद्धा का यह सैलाब भगदड़ में बदल गया। झूंसी में हालात और भी दर्दनाक थे। तीन दिशाओं से उमड़ती भीड़ एक जगह आकर फंस गई। जो थककर सड़क किनारे बैठ गए थे, वे फिर कभी उठ नहीं सके। प्रशासन मूकदर्शक बना रहा और जब सब खत्म हो गया, तो सच्चाई को छिपाने की कोशिशें शुरू हो गई। महाकुंभ के दौरान संगम जाने की होड़ ने हालात को इतना बेकाबू कर दिया कि भगदड़ मच गई। 28 जनवरी की शाम से ही श्रद्धालुओं का रेला संगम की ओर बढ़ने लगा था। हजारों की संख्या

में लोग वहां इकट्ठा होते चले गए। थोड़ी ही देर में लगभग 500 वर्ग मीटर का एरिया ठसाठस भर गया। प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत छोटे लाउडस्पीकर से बार-बार बताते रहे कि 'सभी श्रद्धालु सुन लें...यहां (संगम तट) लेटे रहने से कोई फायदा नहीं है। जो सोवत है, वो खोवत है। उठिए और स्नान करिए। आपके सुरक्षित रहने के लिए यह जरूरी है। बहुत लोग आएंगे और भगदड़ मचने की आशंका है। आप पहले आ गए हैं तो आपको सबसे पहले अमृत स्नान कर लेना चाहिए। सभी श्रद्धालुओं से करबद्ध निवेदन है कि उठें...उठें...'। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि एक कदम आगे बढ़ना भी मुश्किल था। सनद् रहे कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले में भगदड़ की एक बड़ी वजह 144 वर्ष का संयोग है जिसका सरकार के साथ ही साधु महात्माओं ने भी बखान किया था। लोग इसी शुभ मुहूर्त में संगम स्नान के लिए घाट पर बैठे एवं लेटे रहे तभी अवरोधक तोड़कर आई बेकाबू भीड़ ने उन्हें कुचल दिया। संगम क्षेत्र में इस घटना की प्रत्यक्षदर्शी असम से आई मधुमिता ने बताया कि संगम घाट पर लोग सुबह होने के इंतजार में बैठे और लेटे थे। तभी लोगों की भीड़ अखाड़ों के अमृत स्नान के लिए बने अवरोधकों को तोड़ते हुए घाट की तरफ बढ़ी और घाट पर लेटे हुए लोग इस भीड़ की चपेट में आ गए। बेगूसराय से आई बुजुर्ग महिला बदामा देवी ने कहा कि बेटवा ई जनम में तो ऐसा मौका नाहीं मिली। यही खातिर हम इतनी दूर से गंगा माई में स्नान करय खातिर आई रहे। हमका का पता कि इहां इतना बड़ी अनहोनी होई जाई। लगत है गंगा माई की इहै मंजूर रहन। कुछ लोग कहते हैं कि ऐसे में दौड़ने या भगदड़ की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। लेकिन सवाल उठता है कि जब हालात इतने काबू में थे, तो झूंसी में इतने जूते-चप्पल क्यों बिखरे पड़े थे? तीन दिशाओं से भिड़ती भीड़; झूंसी में स्थिति और भी गंभीर थी। यहां एक

प्रमुख चौराहे पर तीन दिशाओं से भीड़ एक ही जगह इकट्ठा हो रही थी। पांटून पुल से संगम जाने की कोशिश कर रहे श्रद्धालुओं को पुलिस बैरिकेड्स लगाकर झूंसी पुल से भेजने की अपील कर रही थी। लेकिन इस दौरान अफरा-तफरी मच गई। 'हम भी उस दिन निकले थे...सड़कों से लेकर संगम तक सिर ही सिर नजर आ रहे थे, एक प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं। जो सड़क किनारे थककर बैठ गए थे, वे उठ ही नहीं पाए...वे कुचल गए, एक चश्मदीद ने भावुक होकर बताया। झूंसी में भी संगम जैसी ही स्थिति थी। बस वहां घटना छिपाई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो करीब 1 बजे की घटना है। लोग सिर के बल दबे रहे। दो घंटे भगदड़ के हालात थे। कई लोग बिजली के खंभे पर चढ़ गए। झारखंड के पलामू से आए राम सुमिरन ने बताया कि 144 साल बाद यह पुण्य स्नान का अवसर आया है जिसे कोई भी गंवाना नहीं चाहता। यही वजह है कि देश दुनिया से लोग संगम के किनारे खुले आसमान के नीचे डेरा डालकर पड़े थे। तभी बैरियर तोड़कर आए जनसैलाब के नीचे वे दब गए। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि संगम पर गहराई है। गहराई पर उतरने-चढ़ने के दौरान थोड़ी-सी दिक्कत हो गई। इसी वजह से ऐसे हालात हुए हैं। भीड़ बहुत है। प्रत्यक्षदर्शियों की आंखों देखी कहानियां इस त्रासदी का ऐसा सच बयां करती हैं, जिसे शायद कोई सुनना नहीं चाहता... लेकिन यह सच सामने आना जरूरी है! सवाल उठता है क्या यह हादसा टाला जा सकता था? क्या सुरक्षा इंतजाम नाकाफी थे? और सबसे बड़ा सवाल की झूंसी की भगदड़ की सच्चाई क्यों छिपाई जा रही है? प्रत्यक्षदर्शियों की आंखों देखी कहानियां इस त्रासदी का ऐसा सच बयां करती हैं, जिसे शायद कोई सुनना नहीं चाहता... लेकिन यह सच सामने आना जरूरी है! हैरानी की बात यह है कि प्रशासन इस घटना पर पूरी तरह चुप्पी साधे बैठा है। दूसरी भगदड़ का "भयंकर सच" क्यों छुपाया जा रहा है? 30 जनवरी की सुबह 11 बजे यूट्यूब पर अपलोड हुए एक वीडियो में इस दूसरी भगदड़ का बड़ा खुलासा किया गया। रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों और मौके पर मौजूद प्रशासनिक अमले के हवाले से बताया गया कि भगदड़ के बाद घटनास्थल से सबूत हटाने के लिए जेसीबी और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झूंसी में भगदड़ इतनी भयावह थी कि वहां भारी संख्या में जूते-चप्पल बिखरे पड़े थे। यहां तक कि ट्रालियों में भरकर वस्त्र ले जाए जा रहे थे। यह दृश्य अपने आप में बताने के लिए काफी था कि भगदड़ कितनी भयानक रही होगी। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रशासन इस घटना को क्यों छुपा रहा है? अगर भगदड़ सिर्फ संगम पर हुई थी, तो झूंसी में इतनी भारी मात्रा में जूते-चप्पल और कपड़े कैसे बिखरे पड़े थे? भगदड़ के बाद प्रशासन को जेसीबी और ट्रैक्टर की मदद क्यों लेनी पड़ी? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, झूंसी में भगदड़ की खबर दबाने की कोशिश की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना

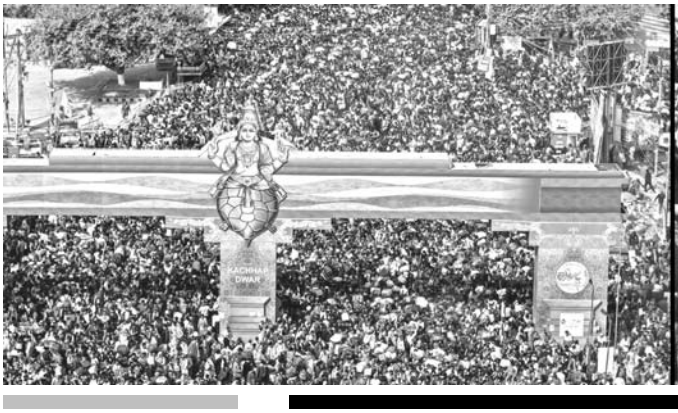

है कि इस भगदड़ में कई लोग हताहत हुए, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा रही है। क्या प्रशासन इस भगदड़ को छुपाने की कोशिश कर रहा है? अगर यह घटना नहीं हुई, तो इतनी संख्या में जूते-चप्पल और कपड़े कहां से आए? अगर प्रशासन को कुछ छुपाना नहीं है, तो वह इस मामले पर आधिकारिक बयान क्यों नहीं दे रहा? झूंसी में भगदड़ कितनी बड़ी थी, जिसके निशान आज भी मौजूद हैं? इस हादसे में कितने लोग हताहत हुए और क्यों प्रशासन कोई जानकारी साझा नहीं कर रहा? महाकुंभ जैसा विशाल आयोजन करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र होता है, लेकिन यदि ऐसी भयावह घटनाओं को दबाने की कोशिश की जाती है, तो यह एक गंभीर प्रशासनिक विफलता होगी। झूंसी की भगदड़ को लेकर प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। क्या सच में कोई बड़ी साजिश हो रही है या फिर प्रशासन की नाकामी को छुपाने की कोशिश हो रही है?

गौरतलब है कि महाकुंभ में 28 जनवरी की देर रात करीब 1:30 बजे संगम नोज इलाके में भगदड़ हुई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 30 लोगों की मौत हुई है और 60 लोग घायल हैं। भगदड़ सिर्फ एक जगह हुई और मरने वालों की संख्या सिर्फ 30 है, ये दोनों ही बातें सवालों के घेरे में है। प्रशासन के दावों और आंकड़ों में कई लूप-होल्स नजर आते हैं। 29 जनवरी को कहा गया कि 30 मौतें हुई हैं, 25 की पहचान हो गई है। 30 जनवरी को मोतीलाल नेहरू कॉलेज की मोर्चरी में 24 लावारिस शव रखे मिले। अगर इनमें से बीते दिन के 5 लावारिस शव घटा भी दें, तो भी नई 19 लाशें सामने थीं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 49 हो जाती है। एक मीडिया सूत्र ने एसडीएम आशुतोष मिश्रा से बातचीत की जिसमें सामने आया कि 29 जनवरी को यहां 40 से 50 शव रखे थे। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस में बैठे एक स्वास्थ्यकर्मी ने बताया कि 20 शव अब भी रखे हुए हैं। हालांकि इस दावे की पुष्टि नहीं की जा सकी। देश के अलग-अलग राज्यों में कुंभ से अब तक 41 शव लौटे भले ही प्रशासन मरने वालों का आंकड़ा 30 ही बता रहा हो लेकिन अब तक 41 शव देश के अलग-अलग इलाकों में पहुंच चुके हैं। अकेले यूपी के आठ जिलों में 16 शव पहुंचे हैं। यूपी को छोड़, बाकी राज्यों में अब तक 25 शव जा चुके हैं। मृतकों के अलग-अलग आंकड़ों पर अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि उन्हें मरने वालों की कुल संख्या की जानकारी नहीं है और इस बारे में मेलाधिकारी से बात करने को कहा। कफन पर लिखे नंबर-61 का मतलब भगदड़ में जिन लोगों की मौत हुई है उन्हें बॉडी बैग में रखकर परिजनों को सौंपा जा रहा है या फिर उनके घर भेजा जा रहा है। बैग नंबर 17, 39 और 61 तक के फोटो-वीडियो मिले हैं। सवाल है कि बॉडी बैग पर लिखे इन नंबर्स का मतलब क्या है। हालांकि, न तो प्रशासन और न ही अस्पताल में कोई भी इस नंबर का मतलब बताने को तैयार है। एक डॉक्टर ने ऑफ कैमरा बताया कि ये शवों की नंबरिंग ही है। बॉडी बैग पर नंबर इसलिए लिखा जाता है, ताकि

लाशों कि पहचान की जा सके। वही महाकुंभ में एक नहीं बल्कि तीन जगह भगदड़ हुई, हर जगह मौतें हुईं। 28-29 जनवरी की रात संगम नोज इलाके के अलावा ओल्ड जीटी रोड और झूंसी साइड के ऐरावत द्वार के पास भी भगदड़ मची थी। ओल्ड जीटी रोड पर 5 मौत और ऐरावत द्वार पर 24 मौत होने की बात सामने आ रही है। प्रशासन ने सिर्फ संगम तट पर मची भगदड़ में 30 की मौत और 60 के घायल होने की बात स्वीकार की है। इन तीनों जगहों पर मौतों की संख्या जोड़ दी जाए तो यह संख्या 59 होती है। ओल्ड जीटी रोड पर गाड़ी ने 5 को कुचला, फिर भगदड़ हुई 29 जनवरी सुबह 8 से 9 बजे के बीच ओल्ड जीटी रोड की तरफ से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेला क्षेत्र में आ रहे थे। इसी बीच मुक्ति मार्ग पर एक महामंडलेश्वर की गाड़ी वहां से गुजर रही थी। इस दौरान दो-तीन महिलाएं वहां गिर पड़ीं। गाड़ी महिलाओं को रौंदते हुए निकल गई। इसके बाद भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। इसमें 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक बच्ची भी शामिल थी। सीओ रुद्र प्रताप ने मीडिया को बताया कि गाड़ी बैक करने के दौरान 5 लोग घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए स्वरूप रानी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मरने वालों की शिनाख्त कराई जा रही है। झूंसी की भगदड़ में 24 मौतें होने का दावा संगम नोज से दो किलोमीटर दूर झूंसी में ऐरावत द्वार के पास भी भगदड़ हुई थी। ये भगदड़ सुबह 6 बजे के आसपास हुई। लोगों से बातचीत के आधार पर दावा किया जा रहा है कि यहां 24 मौतें हुई थीं। लापता व्यक्ति के बारे में पूछने के लिए रिपोर्टर सेक्टर-20 के पुलिस बूथ पर गए। वहां उन्होंने चार पुलिसकर्मियों से बात की और उन्हें लापता शख्स की तस्वीर दिखाई। पुलिसकर्मियों ने उन्हें सेक्टर-20 के खोया-पाया केंद्र पर जाने की सलाह दी। रिपोर्टर खोया-पाया केंद्र गए, लेकिन वहां लापता व्यक्ति का कोई डेटा नहीं मिला। फिर वे पास की पुलिस चौकी गए, जहां उन्होंने डेटा खंगाला। पता चला कि लापता व्यक्ति का मोबाइल पुलिसकर्मियों को ऐरावत द्वार घाट के पास पड़ा मिला था। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने बताया कि भगदड़ में बहुत सारे बैग छूट गए थे और उन्होंने एक-एक बैग की तलाशी ली। वही एंबुलेंस ड्राइवर्स की मानें तो मरने वाले 100 से ज्यादा बतायी। रिपोर्टर ने यहां तीन एंबुलेंस ड्राइवरों से बात की। एक ड्राइवर ने दावा किया कि 29 जनवरी की तड़के हॉस्पिटल में पैर रखने की जगह नहीं थी। वे लाशों को कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और पटना तक छोड़कर आए हैं। दूसरे ड्राइवर का दावा है कि भगदड़ के समय उनकी एंबुलेंस पर लोग जान बचाने के लिए चढ़ गए थे। उन्होंने कुछ बच्चों को बचाकर एंबुलेंस में बैठा लिया था। सेक्टर-20 के हॉस्पिटल में करीब 25-30 लाशें आई थीं। एक डॉक्टर ने सभी लाशों के फोटो भी खींचे थे। हॉस्पिटल के एक कर्मचारी ने बताया कि उस दिन लगातार लाशें आ रही थीं और सभी लाशों को बाद में एसआरएन सहित दूसरे अस्पतालों में भेज दिया गया। ऐरावत द्वार पर एक चाय दुकानदार ने बताया कि भगदड़ के बाद उनकी दुकान के बाहर ही 5 लाशें पड़ी थीं, जिनमें चार महिलाएं और एक पुरुष था। भीड़ ने उनकी पूरी दुकान लूट ली और 20 पेटी पानी की बोतलें उठा ले गए। उन्होंने बताया कि चौराहे पर 5 लाशें पड़ी थीं और लोगों के कपड़े, बिस्तर छूट गए थे। सेक्टर-2 स्थित सेंट्रल हॉस्पिटल में महाकुंभ में मरने वालों की संख्या को लेकर रिपोर्टर एंबुलेंस ड्राइवरों से बात की। एक एंबुलेंस ड्राइवर ने दावा किया कि सेंट्रल हॉस्पिटल में करीब 90 से 100 लाशें आई थीं। सभी को बड़े अस्पतालों की मॉर्चुरी में भेज दिया गया। एंबुलेंस के ड्राइवरों ने यूपी के आजमगढ़ से लेकर कर्नाटक तक लाश छोड़कर आए हैं। संगम तट पर मची भगदड़ के 17 घंटे बाद महाकुंभ नगर

के पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण और मेलाधिकारी विजय किरण आनंद मीडिया सेंटर के प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल में पहुंचे। वैभव कृष्ण ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर मुख्य स्नान था। ब्रह्म मुहूर्त से पहले, देर रात एक से दो बजे के बीच, मेला क्षेत्र के अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ के दबाव के कारण दूसरी ओर के बैरिकेड्स टूट गए। बैरिकेड्स तोड़कर दूसरी ओर पहुंचे लोगों ने ब्रह्म मुहूर्त के स्नान का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को कुचलना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद मेला प्रशासन ने तुरंत एक मार्ग बनाकर एंबुलेंस की मदद से 90 लोगों को अस्पताल पहुंचाया, जिनमें से 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सरकार को भले ही 17 घंटे लगे यह बताने में कि भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई है।

बहरहाल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगदड़ के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए लखनऊ में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि हादसे में कुछ श्रद्धालु 'गंभीर रूप से घायल' हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हादसे के बाद प्रात:काल से ही प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग चार बार हाल-चाल लिया है। उन्होंने कहा कि रात में एक से दो बजे के बीच अखाड़ा मार्ग पर, जहां से अमृत स्नान की दृष्टि से बैरिकेड्स लगाए गए थे, उनको फांदकर आने में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था की गई है। उनमें से कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हैं। तीर्थयात्रियों की अनुमानित आमद को देखते हुए मेला अधिकारियों ने एक परामर्श जारी किया था, जिसमें भक्तों से सुरक्षा और सुविधा के लिए भीड़-प्रबंधन संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया था। मेला विशेष कार्य अधिकारी आकांक्षा राणा ने पहले कहा था, ''संगम में बैरियर टूटने के बाद कुछ लोग घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमें अभी तक घायलों की सही संख्या नहीं पता है।'' बता दें कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ हादसे में मृतकों की जानकारी देते समय सीएम योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। उनका गला रुंध गया। उन्होंने मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद पहले से लगाई थी। तमाम आयोजनों में 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की बात कही जा रही थी। इसके लिए तैयारी भी किए जाने का दावा किया गया। लेकिन, उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने में सफलता नहीं मिल पाई। इस कारण महाकुंभ मेला में दुखद हादसा हुआ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे को लेकर कहा कि इस पर सवाल उठेंगे। लेकिन, हमारी सरकार और प्रशासन की ओर से इस हादसे से निपटने की कोशिश की गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ भगदड़ हादसे में मरने वालों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि हादसे में मरने वालों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये दिए जाएंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री ने घटना की न्यायिक जांच के आदेश भी दिए हैं। इस हादसे की तीन सदस्यीय कमिटी जांच करेगी। महाकुंभ हादसे के बाद से ही सीएम योगी इस पर नजर बनाए हुए थे। सुबह से ही लगातार बैठकों का दौर चल रहा था। सीएम योगी ने कहा कि मौनी अमावस्या को लेकर शाम 7:00 बजे से ही काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन प्रयागराज पहुंचकर पूण्य स्नान कर रहे थे। काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन ब्रह्म मुहूर्त का भी इंतजार कर रहे थे। एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा इसी दौरान अखाड़ा मार्ग पर संगम के तट पर हुआ। सीएम ने कहा कि इस हादसे में 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सीएम ने कहा कि यह हादसा भारी भीड़ के दबाव के कारण अखाड़ा मार्ग के वेरिफिकेशन को तोड़ने और उसके बाद उसे पार करके जाने के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में मौनी अमावस्या का स्नान मुख्य स्नान है। इसको लेकर प्रयागराज में बहुत ज्यादा प्रेशर होने के कारण सभी प्रकार के मार्ग चौक थे। रात्रि से ही प्रशासन उन मार्गों को खुलवाने और स्थिति को सामान्य करने के लिए पूरी तत्परता के साथ लगा भी रहा। इन सभी इंतजामों के बाद हादसा हुआ है। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद अखाड़ों अमृत स्नान के समय में

बदलाव किया। सीएम ने कहा कि अखाड़ों का अमृत स्नान ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 4:00 बजे से प्रारंभ होना था। मेला प्राधिकरण के अनुरोध पर इसमें बदलाव किया गया। दोपहर बाद अमृत स्नान प्रारंभ हुआ। इसमें सभी अखाड़ों और अन्य जो सहयोगी संस्थाएं हैं, उन लोगों ने भाग लिया। सभी पूज्य आचार्य, महामंडलेश्वर भी इस अमृत स्नान में भागीदार बने। शंकराचार्यों ने स्नान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का दबाव था। हालांकि, अगल-बगल के जिलों मिर्जापुर, भदोही, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी में होल्डिंग एरिया बनाकर के काफी बड़े पैमाने पर श्रद्धालु जनों को रोका गया। जब सभी अखाड़े स्नान संपन्न कर चुके हैं, उन्हें अमृत स्नान पूरा होने बाद अब वहां से रिलीज किया गया है। श्रद्धालुओं का इतना भारी दबाव पहली बार वहां पर देखने को मिला था। इसको लेकर हम लोगों ने पूरे इंतजाम करने के प्रयास भी किए गए थे। सीएम योगी ने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर चाहे वह झूंसी हो, चाहे प्रयागराज सिटी या फाफामऊ हो, सभी पर लगातार दबाव रहा। रेलवे ने भी इस दौरान वहां के दबाव को ध्यान में रखते हुए मेला स्पेशल चलाईं। रूटिंग और मेला स्पेशल को मिलाकर लगभग 300 से अधिक ट्रेनें रेलवे की ओर से अब तक चलाई जा चुकी हैं। श्रद्धालु जनों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। इसके लिए व्यवस्था की गई। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने भी अपने 8000 से अधिक बसें श्रद्धालु जनों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए लगाया है। सीएम ने कहा कि रात की घटना के बाद दिन भर बहुत ही सुगमता के साथ स्नान हुआ है। इसमें पूज्य शंकराचार्य, आचार्य, महामंडलेश्वर, वरिष्ठ संत जन और सभी अखाड़ों ने इसमें पूरा सहयोग भी किया। पूरे कार्यक्रम को सकुशल संपन्न करने में अपना योगदान भी दिया है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि ये घटनाएं मर्माहत करने वाली भी हैं और एक सबक भी हैं। उन्होंने रुंधे गले से अटकते हुए कहा कि इस हादसे में 30 लोगों की दुखद मृत्यु हुई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि 36 घायलों का प्रयागराज में उपचार चल रहा है। शेष घायलों को उनके परिवार के सदस्य लेकर चले गए हैं। घटना दुखद है। मर्माहत करने वाला है। घटना में प्रभावित हुए श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति हमारी पूरी संवेदना है। हम लोग रात्रि से ही लगातार प्रशासन के संपर्क में हैं। मेला प्राधिकरण, पुलिस, प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ समेत जितने भी व्यवस्थाएं हो सकती थीं, उन सबको वहां पर तैनात किया गया है। सीएम ने कहा कि व्यवस्थाओं का परिणाम है कि हादसे के कुछ ही देर के बाद

प्रशासन-पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के स्वयंसेवकों ने मोर्चा संभाल लिया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। राहत और

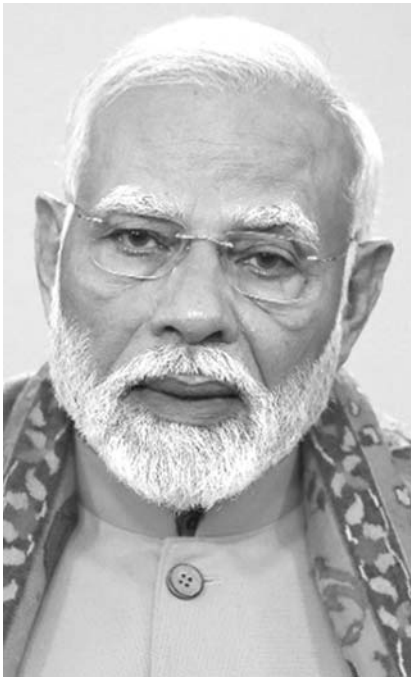

बचाव कार्य चलाए गए। हालांकि, हादसे में 30 लोगों की मौत हुई है। इन सब मुद्दों पर प्रश्न उठना स्वाभाविक भी है। हादसे की जानकारी देने के दौरान योगी आदित्यनाथ शांत नजर आए। वही श्रद्धालुओं की मौत की जानकारी देते हुए वे भावुक हो गए और रोने लगे। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस 'हादसे' को 'अत्यंत दुखद' करार दिया और इसमें अपने परिजनों को खोने वाले श्रद्धालुओं के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। हादसे के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से चार बार बात करने के बाद मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निरंतर संपर्क में बने हुए हैं। बाद में दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर करतार नगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, जो दु:खद हादसा हुआ है, उस हादसे में हमें कुछ पुण्यात्माओं को खोना पड़ा है, कई लोगों को चोट भी आई है। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निरंतर संपर्क में हूं। मौनी अमावस्या की वजह से करोड़ों श्रद्धालु आज वहां पहुंचे हुए हैं। कुछ समय के लिए स्नान की प्रक्रिया में रुकावटें आई थी। लेकिन अब कई घंटों से सुचारू रुप से श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। मैं एक बार फिर परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।''

बताते चले कि प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के मौके पर मची भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मौत हो गई, कई लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है। लेकिन, महाकुंभ में कुछ चेहरे ऐसे भी हैं, जिनका काम देखकर श्रद्धा से सिर झुक जाता है। इन्हीं में से एक हैं उत्तर प्रदेश पुलिस के सब-इंस्पेक्टर अंजनी कुमार राय। अंजनी ने भगदड़ में फंसे श्रद्धालुओं को बचाने की कवायद में अपनी ही जान दे दी। गाजीपुर के रहने वाले अंजनी कुमार महाकुंभ में ड्यूटी पर तैनात थे। गाजीपुर के मोहम्मदाबाद के बसुखा निवासी अंजनी कुमार राय प्रयागराज महाकुंभ में थे। मौनी अमावस्या के अवसर पर स्नान के लिए बेकाबू हुई भीड़ के कारण भगदड़ मच गई थी। इसी दौरान अंजनी ने लोगों को बचाने के लिए आगे आए। इस दौरान कई अन्य पुलिसकर्मी भी

पूरी ताकत के साथ लोगों को बचाने में जुटे हुए थे। बताया जा रहा है कि लोगों को बचाने के दौरान ही उप निरीक्षक अंजनी कुमार की तबीयत खराब हो गई और उनकी मौत भी हो गई। वही भगदड़ के कारण मेला प्रशासन ने व्यवस्थाओं में बदलाव किया है। भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज में एंट्री करने वाले 8 प्वाइंट-भदोही, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, मिर्जापुर बॉर्डर को बंद कर दिया गया है। महाकुंभ स्थल से जुड़े कई जिलों में लंबे-लंबे जाम दिखाई दे रहे हैं। इसके चलते मौनी अमावस्या पर कुंभ स्नान की उम्मीद लेकर घर से रवाना हुए कई लोग तो प्रयागराज तक ही नहीं पहुंच पाए। इसके साथ ही पूरे मेला क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया है। सभी व्हीकल पास रद्द कर दिए गए हैं। यानी मेले में एक भी गाड़ी नहीं चलेगी। संगम तक जाने वाले रास्ते को वन-वे कर दिया गया है। एक रास्ते से आए श्रद्धालुओं को स्नान के बाद दूसरे रास्ते से भेजा जा रहा है।

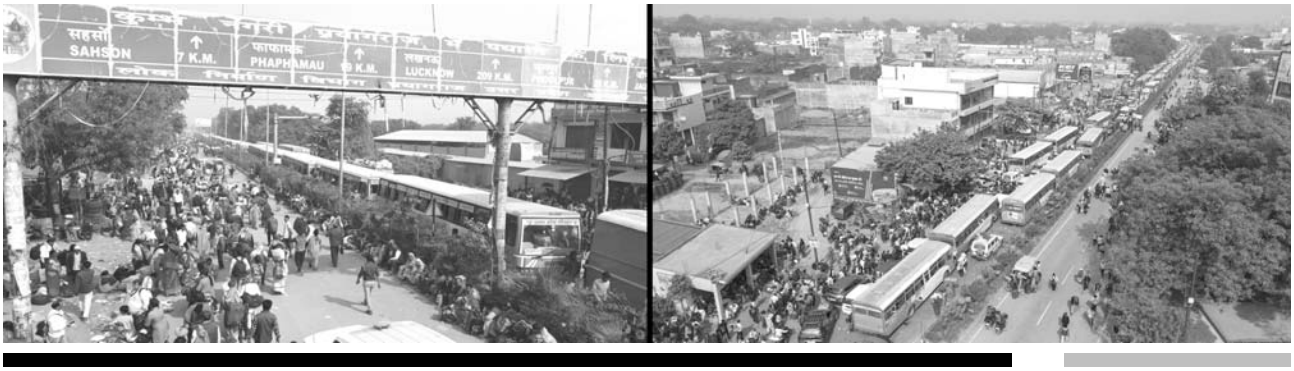

महाकुंभ जिले में चार पहिया वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। मेला क्षेत्र में यह व्यवस्था 4 फरवरी तक लागू रहेगी। बता दें कि मौनी अमावस्या में बढ़ी भीड़ के कारण प्रयागराज के आसपास कई जिलों में लंबा जाम लग गया था। भदोही में वाराणसी बॉर्डर पर 20 किमी लंबा जाम लग गया, वहीं चित्रकूट बॉर्डर पर 10 किमी लंबे जाम में लोग फंस गए। कौशांबी बॉर्डर पर सड़क से पार्किंग तक 50 हजार से ज्यादा वाहन रोके गए। फतेहपुर-कानपुर बॉर्डर पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। दरअसल, महाकुंभ में मौनी अमावस्या के शाही स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रयागराज पहुंचने की कोशिश की थी। बहुत से लोग तो जाम में फंसकर पहुंच भी नहीं पाए। प्रतापगढ़ बॉर्डर पर करीब 40 हजार वाहनों को रोक दिया गया, जौनपुर जिले के बदलापुर में पुलिस ने प्रयागराज जाने वाली सभी बसों को रोक दिया। मिर्जापुर बॉर्डर पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। रीवा बॉर्डर पर 50 हजार से ज्यादा वाहनों को रोक दिया गया।

गौरतलब है कि भगदड़ से हुए मौत पर शंकराचार्य भड़क गये। महाकुंभ को लेकर एक इंटरव्यू में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा की 'जब एक ही जगह पर एक ही उदेश्य से लोग आए हैं तो किस संविधान ने अधिकार दिया कि लोगों को दो वर्गों में बांट दिया जाए। एक उदेश्य से एक ही जगह पर जमा हुए लोगों को बांटकर एक को जनरल और एक को वीआईपी बना दिया। किस संविधान ने यह अधिकार दिया। 40 करोड लोग आए हैं तो सभी तो वीआईपी नहीं होंगे'। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। दरअसल, महाकुंभ में संगम में स्नान को लेकर वीआईपी और वीवीआईपी व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी है। सोशल मीडिया में वीआईपी कल्चर को लेकर कई तरह की नाराजगी सामने आ रही है। लोग तरह तरह से अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है-निर्धन गिरे पहाड़ से, कोई न पूछे हाल, धनी को कांटा लगे, पूछे लोग हजार। यानी गरीब आदमी की सुविधा के बारे में कोई नहीं पूछता और अमीरों को कांटा भी लग जाए तो उन्हें हजार लोग पूछने आ जाते हैं। यही हाल कुंभ का है, जहां गरीब स्नान करने के लिए धक्के खा रहा है तो अमीर लोगों को वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। वही लोगों का कहना है कि मौनी अमावस्या स्नान मे भगदड़ की घटना अति वीवीआईपी कल्चर के कारण हुई है। आम आदमी को 15 से 20 किलोमीटर पैदल चलवाया जा रहा है फिर बोला गया जहां मिले नहा लो। वीवीआईपी लोगों को स्टीमर वोट मे सैर कराते हुए संगम की धारा मे स्नान कराया जा रहा है। कृपया मेला प्रशासन बताए कि ये कौन सा वीवीआईपी है, एक ओर आम श्रद्धालु दस दस किलोमीटर पैदल आ रहे हैं और ये कुंभ क्षेत्र में रुतबा दिखा रहे है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज से आई खबर दिल दहला देने वाली है। उन्होंने कहा कि खराब प्रबंधन और आम तीर्थयात्रियों की तुलना में वीआईपी मूवमेंट को प्राथमिकता देना इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना फिर ना घटे इसके लिए उचित व्यवस्था करनी चाहिए। वही महाकुंभ में हुई भगदड़ को लेकर उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों के नेताओं ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मांग की कि दुनिया के सबसे बड़े ध ार्मिक समागम का प्रबंधन तुरंत सेना को सौंप दिया जाना चाहिए। यादव ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालु विभिन्न शहरों में प्रयागराज की ओर जाने

वाली सड़कों पर फंसे हुए हैं। उन्होंने मांग की कि महाकुंभ में विश्वस्तरीय व्यवस्था का दावा करने वालों को भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। यादव ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालु विभिन्न शहरों में प्रयागराज की ओर जाने वाली सड़कों पर फंसे हुए हैं और उन्होंने उत्तर प्रदेश के लोगों तथा गैर सरकारी संगठनों से सड़कों पर फंसे लोगों के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था करने की अपील की। उन्होंने मांग की कि महाकुंभ में विश्वस्तरीय व्यवस्था का दावा करने वालों को भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, महाकुंभ में आए संत समाज और श्रद्धालुओं में व्यवस्था के प्रति पुनर्विश्वास जगाने के लिए ये आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश शासन-प्रशासन के स्थान पर महाकुंभ का प्रबंधन तत्काल सेना को सौंप देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय व्यवस्था करने के प्रचार के दावों की सच्चाई अब जब सबके सामने आ गई है तो जो लोग इसका दावा और मिथ्या प्रचार कर रहे थे उन्हें इस हादसे में हताहत हुए लोगों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपना पद त्याग देना चाहिए। महाकुंभ मेले में मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए हैं। यादव ने एक अन्य पोस्ट में कहा, महाकुंभ में अव्यवस्थाजन्य हादसे में श्रद्धालुओं के हताहत होने का समाचार बेहद दुखद है। उन्होंने सरकार से अपील की कि गंभीर रूप से घायलों को हवाई एंबुलेंस की मदद से निकटतम सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों तक पहुंचाकर तुरंत चिकित्सा व्यवस्था की जाए और शवों को उनके परिजनों को सौंपने तथा उनके निवास स्थान तक भेजने का प्रबंध किया जाए। यादव ने समागम में व्यवस्था तथा

सुरक्षा बनाए रखने के लिए विशेष रूप से हेलीकॉप्टर के माध्यम से निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं से इस कठिन समय में धैर्य और शांति बनाए रखने की अपील की तथा सरकार से इस घटना से सीख लेते हुए भविष्य में तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्थाएं बेहतर बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा महाकुंभ मेला क्षेत्र, प्रयागराज के नगरीय क्षेत्र, जन परिवहन के केंद्रों, प्रयागराज शहर की सीमाओं व विभिन्न शहरों में प्रयागराज की ओर जाने वाले मार्गों को बंद करने से करोड़ों लोग सड़कों पर फंस गए हैं। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, लाखों वाहनों में करोड़ों लोग दस किलोमीटर लंबे जाम में फंसे पड़े हैं। सरकार को इसे सामान्य बचाव के स्थान पर शासनिक-प्रशासनिक लापरवाही से जन्मी आपदा मानकर तुरंत सक्रिय हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा, सूर्यास्त से पहले ही श्रद्धालुओं तक भोजन-पानी की राहत पहुंचनी चाहिए और उनमें ये भरोसा जगाना चाहिए कि सबको सकुशल अपने गंतव्य

तक पहुंचाने की व्यवस्था प्रदेश सरकार और केंद्रीय सरकार के द्वारा की जाएगी। जो लापता हैं उन्हें ढूंढकर उनके घरों तक सही सलामत पहुंचाया जाएगा। यादव ने मांग की कि मृतकों के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए समस्त समारोह, उत्सवधर्मिता तथा स्वागत कार्यक्रम रद्द कर देने चाहिए। उन्होंने कहा, हम उत्तर प्रदेश की दयालु जनता व स्वयंसेवी संस्थाओं से आग्रह करते हैं कि वे अपने गांव-बस्ती-शहर में जाम में फंसे श्रद्धालुओं के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था करें। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार को इस तरह के बड़े प्रबंधन के लिए स्वयं तैयार रहना चाहिए था लेकिन न तो सरकार अब ऐसा कर सकती है और न ही उनकी तरफ से ऐसा करने की कोई संभावना दिख रही है। ऐसे गंभीर हालातों में श्रद्धालुओं की सेवा करना भी महाकुंभ के पुण्य से कम नहीं है। उन्होंने कहा, हम सबको अपने-अपने सामर्थ्य और क्षमता के अनुरूप आगे आकर जन-सेवा के इस महायज्ञ में शांतिपूर्वक अनाम सहयोग करना चाहिए। वही दूसरी तरफ अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने भगदड़ को विपक्ष की 'साजिश' बताते हुए इसे जांच का विषय करार दिया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने महाकुंभ के प्रबंधन की बागडोर सेना को सौंपने की समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की मांग के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा कि मैं समझता हूं कि यह विपक्ष की साजिश होगी। यह जांच का विषय है कि कहीं विपक्ष ने ही तो नहीं कुछ ऐसा किया जिसके कारण यह सब कुछ हुआ। उन्होंने कहा कि विपक्ष आज से ही नहीं, बल्कि जब से मेला शुरू हुआ था तब से हमारे पीछे लगा हुआ था। उनका कहना था कि यह मेला भूमि वक्फ बोर्ड की है। उनका यह कहना था कि गंगा में स्नान करना पाप होता है। गंगा में स्नान करने से बीमारी होती है। इसीलिये मुझे शंका होती है कि कुछ विपक्ष की ही चाल है। बताते चले कि भगदड़ के कारण संगम में अखाड़ों का स्नान सुबह के बजाय दोपहर करीब ढाई बजे शुरू हुआ। इस बीच, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रयागराज महाकुंभ के दौरान मची भगदड़ की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए एक बयान में कहा, महाकुंभ में मौनी अमावस्या के स्नान के दिन भगदड़ होने से कई लोगों के मृत और घायल होने का समाचार पीड़ादायक है। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, यह दुखद घटना इस मेले की अव्यवस्था और उत्तर प्रदेश सरकार की नाकामियों को उजागर कर रही है।

योगी सरकार ने सारा पैसा सिर्फ अपनी 'ब्रांडिंग' और 'मार्केटिंग' पर खर्च किया, ना कि महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था पर। यह इस सरकार की संवेदनहीनता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा, हम लगातार ऐसी ही घटना के प्रति सचेत करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन शासन-प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। दुर्घटना के पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। हम मृतकों की आत्मा की शांति व घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। राय ने कहा कि सरकार से आग्रह कि मृतकों के लिए उचित मुआवजा व घायलों को मुआवजे के साथ मुफ्त इलाज का प्रबंध करे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने भी महाकुंभ में भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने कहा कि महाकुंभ में वीआईपी मूवमेंट के चलते रास्ते बंद करने और बड़े स्तर पर बद-इंतजामी की वजह से यह भगदड़ हुई है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि

मृतकों को अपने पवित्र चरणों में स्थान दें। कई अखाड़ों ने वहां की व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी सेना को देने का निवेदन किया था, लेकिन उसे नहीं माना गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध है कि सरकार महाकुंभ में वीआईपी मूवमेंट को बंद करे। वहां सभी एक आम आदमी की तरह जाएं और स्नान करके वापस आएं। उन्होने कहा कि वहां से जो दृश्य आए हैं वह बेहद भयावह और पीड़ादायक हैं। एक महिला अपने किसी परिजन को मुंह से ऑक्सीजन देकर उसे जिंदा रखने की कोशिश कर रही थी। कई सारे ऐसे वीडियो आए जिसमें इस भगदड़ के दौरान मारे गए लोगों को स्ट्रेचर पर लेकर जाया जा रहा है। परम पूज्य महामंडलेश्वर प्रेमानंद महाराज के अनुसार लगभग 20 से 25 अखाड़ों ने बार-बार निवेदन किया कि महाकुंभ में भीड़ बहुत बढ़ रही है। सरकार यहां की व्यवस्था देश की सेना के हवाले दे दे। मुझे लगता है कि इसमें कोई बुराई नहीं थी। भारतीय सेना ऐसे हर मौके पर आगे आकर व्यवस्था को बनाने में अपना सहयोग देती है, लेकिन अखाड़ों के इस निवेदन को नहीं माना गया। वही बता दें कि प्रयागराज महाकुंभ हादसे पर योगी सरकार के मंत्री का विवादित बयान सामने आया है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और निषाद समाज पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना को लेकर विवादास्पद बयान दिया है। उत्तरप्रदेश के मंत्री संजय निषाद ने कहा कि जहां बड़े आयोजन होते हैं, वहां छोट-मोटी घटनाएं होती रहती हैं। निषाद ने बयान पर बवाल मचने के बाद सफाई दी। उन्होंने कहा कि जुबान की चूक हो गई।

बहरहाल, बजट सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने कहा कि महाकुंभ में भगदड़ तथा इस आयोजन में अतिविशिष्ट लोगों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अधिक तवज्जो दिए जाने के विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए तथा शोक प्रस्ताव लाना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि बजट सत्र के एजेंडे के बारे में फैसला कार्य मंत्रणा समिति निर्णय करेगी। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा और दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होकर 4 अप्रैल तक चलेगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता

पारंपरिक बैठक राजनीतिक दलों को सरकार के विधाई एजेंडे के बारे में सूचित करने और सत्र के दौरान उनके द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर जानकारी प्राप्त करने के लिए बुलाई जाती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह संसद सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों के नेताओं ने सरकार से महाकुंभ में मची भगदड़

के कारण हुई दुर्भाग्यपूर्ण मौतों पर सामूहिक शोक व्यक्त करने के लिए एक प्रस्ताव लाने का आग्रह किया। इससे पहले, राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') संसद के बजट सत्र में सभी मुद्दों को उठाएगा। सर्वदलीय बैठक के बाद तिवारी ने 'महाकुंभ के राजनीतिकरण' की भी आलोचना की और कहा कि महाकुंभ के दौरान अतिविशिष्ट लोगों की आवाजाही से आम आदमी के लिए मुश्किलें पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस धार्मिक आयोजन के सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े वीआईपी लोगों की सभा बनने के मुद्दे को उठाएगी। तिवारी ने कहा कि सत्र के समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने महाकुंभ में मची भगदड़ की घटना पर लोकसभा में सरकार से जवाब की मांग करते हुए हंगामा किया। सरकार ने कहा कि विपक्षी दल राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान किसी भी विषय को उठा सकते हैं। बजट सत्र के तीसरे दिन सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही विपक्षी सदस्य महाकुंभ में मची भगदड़ की घटना पर सरकार से जवाब की मांग करते हुए नारेबाजी करने लगे। कई विपक्षी सांसद आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनसे सदन चलने देने की अपील की और कहा कि अगर आपको देश की जनता ने नारेबाजी के लिए भेजा है तो यही काम करिए। यदि सदन चलाना चाहते हैं तो अपनी सीट पर जाकर बैठिए। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि आज उम्मीद की गई थी कि प्रश्नकाल अच्छी तरह चलेगा। अध्यक्ष जी आपने बार-बार आग्रह किया कि विपक्षी सदस्य प्रश्नकाल को बाधित नहीं करें। आप लोग (विपक्ष) सरकार से प्रश्न नहीं पूछकर सदन को बाधित कर रहे हैं, यह अच्छा नहीं है। जनता आपसे सवाल पूछेगी। मैं इसका खंडन करता हूं। उन्होंने कहा कि जो भी सदस्य किसी विषय पर बोलना चाहते हैं, वे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बोल सकते हैं। बिरला के कई बार अपील करने के बावजूद विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। नारेबाजी के बीच ही प्रश्नकाल संपन्न हुआ। विपक्षी दलों के सदस्यों ने 'प्रध ानमंत्री जवाब दो' और 'मोदी सरकार शेम शेम' के नारे लगाए। सनद् रहे कि उच्चतम न्यायालय

ने महाकुंभ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट दिशा-निर्देश देने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या पर प्रयागराज के संगम क्षेत्र में मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य लोग घायल हो गए थे। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस दलील पर गौर किया कि इस मामले पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पहले ही एक याचिका दायर की जा चुकी है और मौजूदा याचिका की शीर्ष अदालत में सुनवाई नहीं की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने भगदड़ को 'दुर्भाग्यपूर्ण घटना' करार देते हुए याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता विशाल तिवारी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा। पीठ ने तिवारी से कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है लेकिन आप इलाहाबाद उच्च न्यायालय जाइए। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की इन दलीलों पर गौर किया कि न्यायिक जांच शुरू की गई है। प्रयागराज में भगदड़ की घटना के एक दिन बाद 30 जनवरी को शीर्ष अदालत में यह जनहित याचिका दायर की गई थी। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत तिवारी द्वारा दायर याचिका में भगदड़ की घटनाओं को रोकने और अनुच्छेद 21 के तहत समानता एवं जीवन के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए दिशानिर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया था।

ज्ञात हो कि यूपी यानी उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि को आमतौर पर खराब ही प्रचारित किया गया है। फेक एनकाउंटर, बर्बरता और तमाम तरह की बातें यूपी पुलिस के बारे में कही जाती हैं। लेकिन प्रयागराज में पुलिस का जो चेहरा सामने आ रहा है वो बेहद आत्मीय, सहनशील और धैर्य वाला चेहरा सामने आया है। दरअसल, प्रयागराज में महाकुंभ में रोजाना लाखों श्रद्धालुओं का काफिला पहुंच रहा है। मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड़ लोगों के स्नान का दावा किया जा रहा है। ऐसे में भगदड़ की जो खबर सामने आई है उसे भी पुलिस ने हैंडल करने के भरसक प्रयास किए। लेकिन इस बीच यूपी पुलिस वीआईपी कल्चर और आम श्रद्धालुओं के बीच फंसने के बाद भी जिस तरह से उसने सहनशीलता और धैर्य का परिचय दिया वो काबिले तारीफ है। कुल मिलाकर पुलिस वीआईपी कल्चर और आम लोगों की श्रद्धा के बीच बेहद बेबस नजर आ रही है बावजूद इसके वो लोगों के सामने हाथ जोड़कर व्यवस्थाएं बनाने की गुहार लगा रही है। दरअसल, महाकुंभ में लगी यूपी पुलिस के ऊपर एक तरफ निर्देशानुसार अपनी ड्यूटी निभाने का जिम्मा है तो दूसरी तरफ स्नान करने के लिए वीआईपी कल्चर के सहारे आने वाले रसूखदारों का दबाव है। कर्तव्य और दबाव के बीच यूपी पुलिस बुरी तरह से फंस गई है। एक तरफ उन्हें लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को मैनेज करना है तो दूसरी तरफ धौंस दपट करने वाले आइएएस, आईपीएस, तमाम विभागों के आला अधिकारी और दूसरे स्टेट से आए खास लोगों की रसूखदारी का शिकार होना पड़ रहा है। यूपी पुलिस का जो चेहरा इस बार सामने आया है उसकी जितनी तारीफ की जाए कम है। क्योंकि पुलिस इस पूरे आयोजन में जिस तरह से पिस गई है और बावजूद इसके पुलिस ने जो सहनशीलता का परिचय दिया है वो भावुक करने वाला है। दिन-रात चौबीसों घंटे ड्यूटी करने के बाद भी वे जिस तरह से हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं और वीआईपी से डील कर रहे हैं उसके वीडियो और फोटो सोशल मीडिया में देखे जा सकते हैं। पुलिस की बेबसी का आलम यह है कि उसे आम और खास दोनों वर्ग के लोगों से व्यवस्था बनाए रखने के लिए हाथ जोड़ना पड़ रहे हैं। कोई वीआईपी पास लेकर आ रहा है तो कोई किसी विधायक, सांसद का लेटर। वहीं दूसरी तरफ उससे आम लोगों के संगम में स्नान के लिए की जाने वाली मशक्कत भी नहीं देखी जा रही है। वही यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि महाकुंभ मेले में इस बार करीब 60 हजार पुलिसकर्मियों को

तैनात किया गया है। ये 2019 में हुए कुंभ की तुलना में 40 फीसदी ज्यादा संख्या हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में इस बार 45 करोड़ लोगों के शामिल होने की संभावना है। पुलिस कंट्रोल रूम के 4 ब्रांच बनाए गए हैं जिनमें से तीन मेला क्षेत्र में और एक शहर में-भीड़ की आवाजाही पर 24 घंटे नजर रखेगा। इसी के तहत कमिश्नरेट प्रयागराज में अब 13 अस्थायी पुलिस थाना और 23 चौकियां स्थापित की गई हैं। नए अस्थायी थाना बनने से कमिश्नरेट में 44 की जगह 57 थाने होंगे। शहर और ग्रामीण क्षेत्र को आठ जोन व 18 सेक्टर में बांटकर सुरक्षा इंतजाम किया जा रहा है। मेला क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध को पहचानने के लिए स्पाटर्स की 30 टीमें तैनात की गई हैं, जबकि 70 जिलों से उत्तर प्रदेश पुलिस के 15000 जवान तैनात किए गए हैं। इनके जिम्मे 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले कुंभ नगर की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। इतना ही नहीं, 12 किलोमीटर के क्षेत्र में फैले रिवर साइड एरिया को पूरी तरह से सुरक्षित किया गया है। इसके तहत ही 4000 नाव चलेंगी। 50 स्नान घाटों पर जल पुलिस निगरानी कर रही है। आतंकवाद रोधी तैयारियों के लिए नागरिक बल के अलावा एनएसजी, एटीएस, एसटीएफ भी तैनात किए गए हैं। किसी भी खतरे के बारे में खुफिया जानकारी जुटाने के लिए सभी केंद्रीय एजेंसियों को शामिल किया गया है। सशस्त्र बल और खुफिया तंत्र भी तैनात रहेंगे। फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर भी मौजूद है। इसके साथ ही पुलिस 3 महिला पुलिस थाने, 10 पिंक बूथ और महिला पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी तैनात है। इसके साथ ही तीन मानव तस्करी विरोधी इकाइयां खोली गई हैं।

गौरतलब है कि महाकुंभ भारत की सबसे भव्य धार्मिक परंपरा है, जिसका आयोजन 12 साल में एक बार होता है। इस बार महाकुंभ 2025 का आयोजन उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हो रहा है। इस महापर्व की शुरुआत 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा स्नान से शुरू की गई और इसका समापन 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ होगा। बता दें कि महाकुंभ का विशेष महत्व है क्योंकि इसे धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से सबसे बड़ा आयोजन माना जाता है। लाखों श्रद्धालु, साधु-संत और विदेशी पर्यटक इस महापर्व का हिस्सा बनने आते हैं। वही शाही स्नान महाकुंभ का सबसे मुख्य आकर्षण होता है। यह स्नान हिंदू धर्म के अखाड़ों और साधु-संतों के लिए पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इस स्नान से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाकुंभ 2025 के दौरान कुल 5 शाही स्नान होंगे, जिनकी तिथियां निम्नलिखित हैं:

14 जनवरी 2025 (मकर संक्रांति)
29 जनवरी 2025 (मौनी अमावस्या)
3 फरवरी 2025 (बसंत पंचमी)
12 फरवरी 2025 (माघी पूर्णिमा)
26 फरवरी 2025 (महाशिवरात्रि)

महाकुंभ का आयोजन हर 12 साल बाद चार पवित्र स्थलों (हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक) में से एक पर होता है। भारत के विभिन्न हिस्सों से साधु-संत, नागा साधु और धार्मिक अखाड़े इस पावन पर्व में भाग लेते हैं। महाकुंभ के दौरान गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान का विशेष महत्व है। महाकुंभ 2025 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक

महोत्सव है। शाही स्नान का अपना विशेष महत्व है, जिसमें हिस्सा लेकर श्रद्धालु पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। इस महापर्व की तिथियां और कार्यक्रम सुनिश्चित कर आप अपनी यात्रा को सफल और आनंददायक बना सकते हैं। प्रयागराज महाकुंभ 2025 की लगभग आधी अवधि बीत चुकी है। बीते इन दिनों में लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगा, महाकुंभ का पुण्य फल प्राप्त किया है। इस महाकुंभ को वर्षों बाद का सुखद संयोग बताया जा रहा है। महाकुंभ के आयोजन को लेकर वैश्विक पटल पर भारत को एक विकसित स्वरूप में देखा जा रहा है। महाकुंभ जैसे आयोजनों के माध्यम से दुनिया ये जान पाती है कि भारत अपने वैभवशाली और गौरवशाली इतिहास को आज के समय में भी कितने प्रबंधित तरीके से जोड़ता है। महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है। 2025 का महाकुंभ प्रयागराज में 13 जनवरी से आयोजित हुआ है, जिसे त्रिवेणी संगम - गंगा, यमुना और सरस्वती का विशेष महत्व प्राप्त है। यह आयोजन धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। ये केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, यह भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और विज्ञान का समागम है। महाकुंभ के धार्मिक महत्व की बात की जाये तो यह प्राचीन हिंदू ग्रंथों और कथाओं से जुड़ा है। फिर चाहे वो समुद्र मंथन की कथा हो, या महाकुंभ के दौरान गंगा, यमुना, सरस्वती और अन्य पवित्र नदियों में स्नान, व्यक्ति के पापों को नष्ट करने का साधन माना गया हो। पौराणिक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान देवताओं और असुरों के बीच अमृत कलश को लेकर संघर्ष हुआ। अमृत की कुछ बूंदें चार स्थानों पर गिरीं- हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक। जहां-जहां ये बूंदें गिरीं, उन स्थानों को अत्यंत पवित्र माना गया और यहीं महाकुंभ का आयोजन होता है। महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम में स्नान को पापों का नाश करने और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग माना गया है। श्रद्धालु यह विश्वास रखते हैं कि इस स्नान से जीवन के सभी कष्ट समाप्त हो जाते हैं और आत्मा शुद्ध होती है। वही महाकुंभ के दौरान ग्रह-नक्षत्रों की विशेष स्थिति धार्मिक अनुष्ठानों के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। प्रयागराज में संगम पर स्नान, विशेष पूजा और दान करना अक्षय पुण्य देने वाला माना गया है। आध्यात्मिक पक्ष की बात करें, तो महाकुंभ एक ऐसा अवसर है जो लोगों को आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक विकास का मार्ग दिखाता है। कुंभ में योग, ध्यान और प्रवचनों का आयोजन होता है, जो व्यक्ति को मानसिक और आत्मिक शांति प्रदान करता है। महाकुंभ में

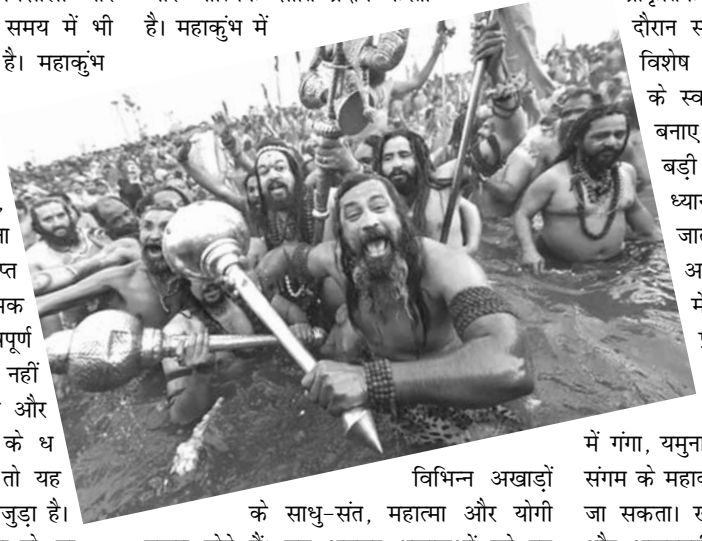

विभिन्न अखाड़ों के साधु-संत, महात्मा और योगी एकत्र होते हैं। यह अवसर श्रद्धालुओं को इन संतों के प्रवचनों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का मौका देता है। महाकुंभ जाति, धर्म और भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर मानवता के एकीकरण का संदेश देता है। यह आयोजन जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने और अध्यात्म की ओर प्रेरित करता है। भारत की ज्ञान परंपरा के लगभग सभी धार्मिक- आध्यात्मिक तत्व विज्ञान के सिद्धांतों से प्रेरित रहे हैं। महाकुंभ उसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हम सहस्त्रों वर्षों से ***'ब्रह्मा मुरारी त्रिपुरांतकारी भानु शशि भूमि सुतो बुधश्च, गुरुश्च शुक्रः शनि राहु केतवः सर्वे ग्रहा शांतिकरा भवंतु'*** का जप करते हैं। ध्यान रहे कि महाकुंभ सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं है, इसके पीछे कई वैज्ञानिक तथ्य भी छिपे हैं। महाकुंभ की तिथियां विशेष खगोलीय घटनाओं के आधार पर निर्धारित की जाती हैं। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति की स्थिति इस आयोजन का समय तय करती है। ऐसी स्थिति में पर्यावरणीय ऊर्जा सकारात्मक प्रभाव डालती है। अध्ययन बताते हैं कि महाकुंभ के दौरान गंगा और अन्य पवित्र नदियों का जल अपने भीतर विशेष शुद्धि और रोगनाशक गुण धारण कर लेता है। इसमें बैक्टीरिया-रोधी तत्व पाए जाते हैं, जो इसे प्राकृतिक रूप से शुद्ध बनाते हैं। कुंभ के दौरान स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है। लाखों लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल और स्वच्छता बनाए रखना वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक बड़ी उपलब्धि है। इस दौरान योग और ध्यान के विशेष शिविर आयोजित किए जाते हैं, जो मानसिक शांति और आत्मिक विकास के साधन हैं। कुंभ में किए जाने वाले योग, ध्यान और प्राचीन वैदिक अनुष्ठान हमारे शरीर और मन को स्वस्थ बनाते हैं।

बहरहाल, तीरथ राज प्रयाग में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम के महाकुंभ के बारे में सिर्फ इतना ही कहा जा सकता। खुद में यह अद्भुत, अविस्मरणीय और अकल्पनीय है। यहां सिर्फ दो नदियों का पवित्र संगम ही नहीं, अध्यात्म और विज्ञान का भी संगम है। भारत की विराट संस्कृति और बेहद संपन्न धर्म एवं अध्यात्म का जीवंत स्वरूप है वैश्विक समागम के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन प्रयागराज के महाकुंभ का। महाकुंभ देश विविधता को एकता में बांधने का सबसे बड़ा आयोजन है। यहां धर्म, कर्म अध्यात्म, भक्ति, उपासना, दर्शन सब कुछ है। साथ ही इस सबका अद्भुत समावेश भी। महाकुंभ अपनी सनातन परंपरा वसुधैव कुटुम्बक का उदघोष है। यहां उत्तर से

दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक पूरा भारत मौजूद है। सिर्फ भारत ही क्या संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, रूस, फिजी, मॉरीशस, ट्रिनिडाड, टोबेको, फिजी, फिनलैंड, गुयाना, मलेशिया, सिंगापुर, आइसलैंड, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ग्रीस दुबई सब कुछ है। इसके इसी विशालता के कारण 2017 में यूनेस्को ने कुंभ को मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का दर्जा दिया। यूनेस्को की मान्यता योगी की ब्रांडिंग और कुंभ 2019 के सफल आयोजन से वैश्विक आकर्षण का और बड़ा केंद्र हो गया। उल्लेखनीय है कि 2017 में ही प्रदेश को योगी आदित्यनाथ के रूप में एक ऐसा मुख्यमंत्री मिला जो मूलत: संन्यासी हैं। वह गोरखपुर स्थित उत्तर भारत की प्रमुख पीठ गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर हैं। स्वाभाविक है धर्म, अध्यात्म और योग उनके रुचि के विषय हैं। इसकी वजह से उन्होंने 2019 के कुंभ के सफल आयोजन को मिशन बना लिया। आयोजन सफल भी रहा। अब जब 2025 में महाकुंभ का आयोजन चल रहा है तब योगी और भी शिद्दत से इसके आयोजन में लगे हैं। उन्होंने कुंभ को तकनीक के इस युग में डिजिटल बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। सुरक्षा और सफाई शुरू से उनकी प्रतिबद्धता रही है। वह इस आयोजन में भी दिख रही है। बता दे कि गंगा की रेती पर कुछ दिन के लिए ही सही पूरा संसार बसा है। ऐसा संसार जिसमें सबके रहने और खाने का इंतजाम है। रात होते ही रेती पर जगमग तंबुओं के यह संसार झक रोशनी से और निखर जाता है। जगह धर्म, अध्यात्म और भक्ति की गंगा प्रवाहित होने लगती है। तड़के पवित्र संगम या मोक्षदायिनी, पापनाशिनी गंगा में डुबकी लगाने वाले हाथ जोड़े, श्रद्धा से सिर झुकाए धर्म और अध्यात्म के इस संगम में गोता लगाते हैं। जन मन का यह आयोजन आपको भी बुला रहा है। जरूर जाइए। आप देखेंगे कि यहां किसी से भेद नहीं होता। यहां लोगों के ललाट पर लगे चंदन के बीच के टीकों को देखिए। इन पर निज श्रद्धा के अनुसार राधे राधे, जय श्रीराम, हर हर महादेव, हर हर गंगे, राधा कृष्ण सब मिल जाएगा। महाकुंभ में आने वाले सबका एक ही मकसद है। पावन संगम में डुबकी लगाकर पापमुक्त होने और मोक्ष का। कुछ स्नान करने आ रहे हैं तो अगले को बिना पूछे बता रहे हैं कि आपको कहां कैसे जाना है। कुछ जिनको अभी स्नान करना है, वह संगम का पता पूछ रहे है। बताने वाला पूरे इत्मीनान से उनको बता भी रहा है। यहां के धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण में शांति है, सकून है और तीरथ राज की ऊर्जा भी। खुद के साथ लोककल्याण की भावना भी। अपनी सनातन परंपरा वसुधैव कुटुम्बक के अनुरूप। गंगा की हिलोरें लेती धारा यमुना की अगाध जलराशि आपको पुण्य की डुबकी लेने को आमंत्रित करती हैं। इधर रेती में तंबुओं में बसा मनुष्यों का सैलाब संगम में समाने को आतुर रहता है। इस अहसास की कल्पना वही कर सकता जिसने कुंभ को देखा हो। उसकी भावनाओं को आत्मसात किया हो। यह करने के लिए प्रयागराज का यह महाकुंभ अब भी आपको बुला रहा है। योगी सरकार भी आपके स्वागत सत्कार में कोई कोर कसर नहीं छोड़ने को आमादा है। भले ही महाकुंभ में दुर्भाग्यवश भगदड़ और उससे श्रद्धालुओं की मौते हो गई हो किन्तु महाकुंभ में जाने वालों का उत्साह अभी कम नहीं हुआ, यही तो सनातन और सनातनियों की पहचान है।

गौरतलब है कि अब तक इस मेले में कई ऐसे पल हुए जिन्होंने दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींचा। आआईटीयन बाबा से लेकर हर्षा रिछारिया तक, कई लोगों ने सुर्खियां बटोरीं। स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पवेल जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों की उपस्थिति ने भी इस मेले को और खास बनाया। बता दें कि महाकुंभ में इंजीनिअर बाबा आकर्षण का केंद बने। आईआईटी मुंबई से एरोस्पेस इंजीनिअरिंग की डिग्री हासिल करने वाले शख्स को कुंभ में बैरागी के भेस में देख कर लोगों में बहुत उत्सुकता देखने को मिली। लोग जानना चाहते थे कि एक तरफ जहां उन्होंने आधुनिक शिक्षा प्राप्त की थी, वहीं दूसरी ओर उन्होंने अध्यात्म के मार्ग को क्यों चुना। इंजीनिअर बाबा के नाम से मशहूर इस शख्स का नाम अभय सिंह है और कुंभ में आने के बाद इनके विडियो खूब वायरल हुए। अभय सिंह ने कई मीडिया इंटरव्यू में बताया है कि उन्हें साइंस की पढ़ाई करते हुए भी आध्यात्म में गहरी रुचि थी। धीरे-धीरे उन्हें लगा कि साइंस उन्हें वह शांति नहीं दे पा रहा है जो उन्हें आध्यात्म में मिलती है। इसलिए उन्होंने साइंस की दुनिया को छोड़कर सनातन धर्म को अपना लिया। वही प्रयागराज

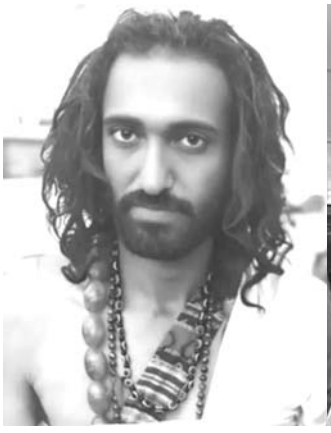

महाकुंभ 2025 में एक ऐसी साध्वी आई हैं जिनकी खूबसूरती सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। सोशल मीडिया पर लोग इसे हीरोइन से भी ज्यादा खूबसूरत बता रहे हैं। सोशल मीडिया पर छाई हुई हर्षा रिछारिया खुद को आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री कैलाशानंदगिरिजी महाराज निरंजनी अखाड़ा की शिष्या बताती हैं। हालांकि, बाद में उनके बारे में कई विवाद भी सामने आए। वही इंदौर की कत्थई आंखों वाली युवती को लोग मोनालीसा के नाम से बुलाने लगे। उनकी खूबसूरती और मासूमियत ने लोगों का दिल जीत लिया। महाकुंभ में उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। ये लड़की खुद को इंदौर का बता रही है और कुंभ में माला बेच रही है। लोग इसके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं जिन पर इसकी खूबसूरती की तारीफ में खूब कमेंट्स आ रहे हैं। प्रयागराज की अनामिका शर्मा ने बैंकॉक में कुंभ का झंडा फहराकर भारत का नाम रोशन किया। उन्होंने बैंकॉक में 13000 फीट की ऊंचाई से बंजी जम्पिंग कर महाकुंभ का झंडा फहराकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने ऊंचाई से जय श्री राम का नारा लगाया। इस तरह उन्होंने भारतीय संस्कृति का प्रचार किया। वही स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पवेल जॉब्स ने भी महाकुंभ में भाग लिया। उन्होंने कैलाशानंद गिरि जी के आश्रम में रहकर आध्यात्म का मार्ग अपनाया। यहां उन्हें नया नाम कमला मिला। महाकुंभ में उनकी उपस्थिति ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

बहरहाल, प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां इस तरह के अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतो वाली स्थिति है। न भविष्यति इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधादित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्री गणेश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है। भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों, जिससे केवल भारत और विश्व नहीं संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण का भाव पैदा होने की

आचार्यों की दृष्टि है, उसमें भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ और मंगलकारी आयोजन पर साथ खड़े होते, आने वालों का स्वागत करते और संघर्ष, तनाव, झूठ, पाखंड, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा से भरे विश्व में भारत से शांति की आध्यात्मिक सलिला का मूर्त अमूर्त संदेश विस्तारित होता। हमारे देश का संस्कार इतना सुगठित और महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग अपने साधु-संतों, आचार्यों के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकर्षक दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता। थोड़ी देर के लिए अपनी दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव या आयोजन को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने एवं संपूर्ण विश्व को बगैर किसी शब्द का प्रयोग करें भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम और व्यवस्थाएं किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत-संन्यासी, साधु- महंत आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वास्तव में हमारे शीर्ष नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों स्तरों पर एक साथ कभी ऐसे लोग नहीं रहे जिन्हें महाकुंभ या हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजनों, मुहूर्तों, कर्मकांडों का महत्व, इसका आयोजन कैसे, किनके द्वारा, किन समयों पर होना चाहिए ना इसका पूरा ज्ञान रहा और न लेने के लिए कभी इस तरह पर्यत्न हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योग आदित्यनाथ संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है। उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विश्वनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदर्शन और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती। आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। इसे ही कहते हैं सही समय पर मीडिया के सही उपयोग से धार्मिक आध्यात्मिक भाव, सद्भाव पैदा करना। कभी भी ऐसे आयोजनों में मीडिया और पत्रकारों के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए, इसके पूर्व कोशिश नहीं हुई। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है। हालांकि प्रयागराज में 144 वर्षों में लगने वाले इस महाकुंभ में भगदड़ से श्रद्धालुओं की मौतों ने महाकुंभ को थोड़ा फीका जरूर किया। बावजूद मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है और चारों दिशाओं से श्रद्धालुओं का मेला क्षेत्र में आना जारी है। ●

मुद्दों की नहीं मुफ्तों की जीत दिल्ली का मालिक धड़ाम

● संजय सिन्हा

दिल्ली का मालिक दिल्ली की गद्दी से ही नहीं अपने सीट से भी हार गई, दिल्ली के मालिक के जितने खास पियादे थे सबके सब हार गये, लोकतंत्र में प्रधानमंत्री मोदी को न दूसरा जन्म लेना पड़ा और न ही सन– 2050 का इन्तजार करना पड़ा, दिल्ली के मालिक दिल्ली से हटाये जाने के तुरंत बाद पंजाब के तरफ लालची आंखों से देखना शुरू कर दिया है और किसी भी तरह पंजाबी मुख्यमंत्री भगवंत मान को अपदस्थ करने के लिए चालें चलना शुरू कर दिया है, दिल्ली का मालिक आया था लंबा राजा बनकर दिल्ली के लोगों को एक पर एक मुफ्त दारू पीला कर राज करने परंतु ऐसा हो न सका, दिल्ली का राजा आम आदमी बनकर दिल्ली की जनता से सत्ता मांगी थी, पहली बार 28 सीटें जीत कर कांग्रेस के सर्मथन से 49 दिनों की सरकार चलाई और खुद ही विधानसभा भंग करवा कर देश के प्रधानमंत्री बनने की योजना बना कर देश के प्रपोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ

वाराणसी चला गया चुनाव लड़ने परंतु वहाँ बहुत बड़ी हार का सामना करना पड़ा, दिल्ली के मालिक पहली बार 49 दिनों की सरकार में खूब नाटक किये थे जैसे किसी के द्वारा दिए गए मारुति वैगनआर से सचिवालय जाना, मैट्रो से सफर करना, आटो टैक्सी ड्राइवर के घरों पर भोजन करना, किसी बातों को धीरे से बोलना, किसी भी नेताओं के बारे में कोई प्रमाण न होने के बाबजूद सीधे भ्रष्टाचार के आरोप लगाना वो भी इतने आत्मविश्वास के साथ की कोई भी व्यक्ति इसके बातों में आ जाये, यहाँ तक की मिडिया भी काफी दिनों तक इसे इमानदार समझतीं रहीं? लेकिन बाद में इसके बहुत से यू टर्न बाली बातें सामने आने लगी, और दिल्ली का मालिक अपने को कट्टर ईमानदार ही नहीं बल्कि ईमानदारी की फ्रेचाइजी बाटने शुरू कर दिया, दिल्ली के राजा पर जब शराब की ठेके की संख्या दोगुनी एवं शराब के खरीद पर एक पर

एक फ्री स्कीम लाई तो आम जनता विश्वास नहीं कर पा रही थी कि दिल्ली के मालिक ऐसा नहीं कर सकता, उसके बाद क्या था इनके कट्टर इमानदार की छवि कट्टर बेईमान, कट्टर भ्रष्ट एवं खालिस्तान समर्थक की छवि सामने आ गई अब तो ऐसा है कि देश के सबसे बेईमान व्यक्ति की का दूसरा नाम अरविंद केजरीवाल कहा जाने लगा है, ये दिल्ली का मालिक पूर्व मुख्यमंत्री शिला दीक्षित को एक दर्जन ऐसी वाली बंगला की सुख लेने वाली मुख्यमंत्री कहा था जो अपने शीशमहल बनवाकर उसमें सुख सुविधा को इस कदर दर्शाया की बड़े बड़े ऐशवाज को बहुत पिछे छोड़ दिया, इस तथाकथित मालिक ने जेल जाने के बाबजूद भी मुख्यमंत्री के पद नहीं छोड़ा,देश ही नहीं दूनिया की ये पहली घटना है मानी जायेगी , उपरी निचली अदालतें समझ नहीं पा रही थी कि इस मालिक से कैसे कहा जाये कि आप दिल्ली के मालिक से इस्तीफा दे दो? कोर्ट ने भी इस मालिक को सचिवालय जाने फाईलों पर साईन करने की मनाही कर दिया, जो भी हो दिल्ली मालिक अरविंद केजरीवाल अब जेल के सलाखों में नजर आयेगें ऐसा सभ्य समाज की आदालत पर भरोसा है.

गौरतलब है कि जीवन में कई बार ऐसा होता है, जब आप कोई वस्तु अधिक मूल्यों पर खरीद लेते हैं और लगता है कि ये घाटे की खरीदारी हो गई है? क्यों न इसे वापस कर दूं? जबकि वो खरीदी हुई वस्तु अब वापसी नहीं हो सकती, ऐसा ही दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा एवं प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के द्वारा दिल्ली को मुफ्त योजनाओं की माने बाढ़ सी लगा दी गई हो? और अब दिल्ली की भाजपा समर्पित जनता समझ गई कि ये फ्री की योजना सम्पूर्ण भारत में भाजपा सरकार के लिए नुकसानदाई सौदा साबित होगी, क्या यूपी बिहार उड़ीसा हरियाणा की जनता ने क्या गुनाह किया है? ऐसे प्रदेश जहाँ पर भाजपा की सरकार है उन्हें मुफ्त की योजना नहीं देनी चाहिए? क्या उन्हें मुफ्तखोरी के अधिकार नहीं है? या ऐसे प्रदेशों की आमदनी दिल्ली प्रदेश से कम है? क्या फ्री की रेबड़ी सभी के लिए नहीं होनी चाहिए? आमआदमी पार्टी की कुछ फ्री योजना दिल्ली में तो चल जाती है, जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी या अन्य प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार फ्री योजना में फेल हो चुकी है और वहाँ की जनता काफी नराज भी हैं ऐसी सरकारों से,दिल्ली में कुछ फ्री योजना का चलन इसलिए सफल हो जाती है कि यहाँ जीएसटी से दिल्ली

रेखा गुप्ता बनीं दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री

प्रवेश साहिब सिंह

नजिंदर सिरसा

रविंद्र इंद्राज सिंह

रेखा गुप्ता, सीएम

आशीष सूद

कपिल मिश्रा

पंकज सिंह

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की पूर्व अध्यक्ष और पहली बार विधायक निर्वाचित रेखा गुप्ता दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री बन गईं। 4 सीएम दावेदारों प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सीरसा और पंकज कुमार सिंह समेत 6 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सत्ता में वापसी हो गई। राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने हिंदी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। गुप्ता के बाद प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा, रविंद्र इंद्राज और पंकज कुमार सिंह ने नयी मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली। हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनाव में रेखा गुप्ता शालीमार बाग से विधायक निर्वाचित हुई हैं। वह मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज के बाद दिल्ली में भाजपा की चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं। इसके साथ ही वह, वर्तमान में भाजपा शासित किसी भी राज्य में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री भी बन गई हैं। बता दें कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दिल्ली पुलिस ने 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की 'येलो बुक' में उल्लिखित सुरक्षा दिशा निर्देशों के अनुसार मुख्यमंत्री गुप्ता को यह सुरक्षा दी गई है। येलो बुक में विशिष्ट व्यक्तियों और अति-विशिष्ट व्यक्तियों के सुरक्षा प्रोटोकॉल का विवरण दिया गया है। 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा के तहत गुप्ता की सुरक्षा में लगभग 22 सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे, जिनमें निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ), सुरक्षा दस्ते, निगरानी दल के अलावा और लगभग 8 सशस्त्र गार्ड शामिल होंगे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह सुरक्षा आमतौर पर शीर्ष स्तरीय राजनीतिक हस्तियों को दी जाती है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को भी उनके कार्यकाल के दौरान 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी।

गौरतलब है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ कर दिया है कि वे शीशमहल में नहीं रहेंगी। इसके बाद पीडब्ल्यूडी ने मुख्यमंत्री के लिए नए घर की तलाश तेज कर दी है। रेखा गुप्ता फिलहाल शालीमार बाग स्थित अपने निजी घर में रहती हैं। कहा जा रहा है कि पीडब्ल्यूडी ने उनके लिए 3 घर फाइनल किए गए हैं। रेखा गुप्ता इनमें से ही किसी एक घर में रहेंगी। पीडब्ल्यूडी ने दिल्ली सीएम के लिए 3 विकल्प चुने हैं, कहा जा रहा है कि दिल्ली सीएम इनमें से किसी एक घर में रहेगी। इनमें से दो आलीशान बंगले सेंटर दिल्ली के डीडीयू मार्ग पर स्थित हैं। यहीं पर दिल्ली भाजपा का कार्यालय और भाजपा का राष्ट्रीय मुख्यालय भी है। तीसरा बंगला उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस में राजपुर रोड पर है। कहा जा रहा है कि तीनों घरों में मरम्मत का काम कर लिया गया है। मुख्यमंत्री इनमें से एक घर को फाइनल कर वहां शिफ्ट हो सकती है। हालांकि इस कवायद में कई दिनों का समय लग लगता है।

बहरहाल, दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता समेत छः विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ले लिया है। बता दें कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। इनके अलावा चंद्रबाबू नायडू, देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे, अजीत पवार और पवन कल्याण सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी इस समारोह के साक्षी बने। रामलीला मैदान में कई गणमान्य हस्तियां और बड़ी संख्या में आम लोग भी उपस्थित थे। भाजपा विधायक दल की बैठक में 50 वर्षीय रेखा गुप्ता को आठवीं दिल्ली विधानसभा में सदन का नेता चुना गया। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने राज निवास में रेखा गुप्ता द्वारा सरकार बनाने का दावा पेश किए जाने के बाद उन्हें नयी सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 70 में से 48 सीट पर कब्जा कर जीत हासिल की और आम आदमी पार्टी (आप) के एक दशक लंबे शासन का अंत किया था। दिल्ली विधानसभा के लिए 5 फरवरी को चुनाव हुए थे और मतगणना 8 फरवरी को हुई थी।

सरकार को काफी रेवेन्यू मिल जाती है और कई खर्चे विकास हेल्थ शिक्षा जैसी योजना को केन्द्र सरकार अपने जिम्मे पुरा करती है, कल एक बिजली प्रोजेक्ट कंपनी चलाने वाले मालिक ने अपने एक मित्र को बताया कि 'अगर दिल्ली में बीजेपी सरकार नहीं आई तो दिल्ली बर्बाद हो जायेगी?' तो उसके मित्र ने जबाब में कहा 'ये बातें बिल्कुल सही है आपकी, परंतु एक बातें यह भी सत्य कि इस मुफ्त योजना से देश बर्बाद हो जायेगी और भाजपा शासित अन्य राज्य मुफ्त की मांग होने के कारण खत्म होते जायेगी' मुफ्त की योजना न देश के लिए अच्छी है न किसी इंसान के लिए इसके कई उदाहरण आये दिन हम जानते रहते हैं।

बहरहाल, दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 मे मिली भाजपा की जीत कोई मुद्दे की जीत नहीं बल्कि मुफ्त मीनू की जीत है, प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली बीजेपी संगठन एवं कांग्रेस दोनों के पास आम आदमी पार्टी एवं उसके मुखिया अरविन्द केजरीवाल के विरुद्ध अपराध घोटाले भ्रष्टाचार के अनगिनत मुद्दे थे , इतने मुद्दे तो कभी किसी पार्टी के विरोध में नहीं रहीं हैं, सन् 1998 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी सिर्फ इसलिए हार गई थीं कि प्याज बहुत महंगे हो गयें थे, बहुत कम होता है जब कोई मुख्यमंत्री या मुख्यमंत्री का प्रतियासी जेल से बेल पर आया हो और चुनाव लड़ रहा है, जबकि आदालतें सर्शत बेल दिया है कि आप सचिवालय नहीं जायेगें, फाईलों पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते वगैरह वगैरह, शीशमहल का अंडरग्राउंड रुप में बनना एवं अनिमियता से फंड देकर अपने आप में केजरीवाल जैसे व्यक्ति के लिए बहुत भारी सवाल है जबकि कुछ नेताओं जैसे लालू यादव स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव जे जयललिता मायावती ममता बनर्जी कांग्रेसी जन कभी भ्रष्टाचार के मुद्दों पर सवाल नहीं करते, लेकिन अरविन्द केजरीवाल की पार्टी की जन्म भ्रष्टाचार के विरोध ही हुई थी, तो ये नहीं कहा जा सकता कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत भ्रष्टाचार के विरोध हुई है? भाजपा की जीत मुफ्तखोरी स्किम या यू कहें कि आम आदमी पार्टी के मुफ्तखोरी मीनू छोटे पड़ गये भाजपा के मीनू के सामने, इस जीत से भाजपा को बहुत उत्साहित नहीं होनी चाहिये, अगर आकड़ों की बातें करें तो भाजपा को 45. 56 प्रतिशत वोट मिले वही आम आदमी पार्टी को 43.57 प्रतिशत वोट मिले हैं मतलब मात्र दो प्रतिशत से भी कम का अंतर दोनों पार्टियों में रहा है, जबकि सन् 2015 में 54.3प्रतिशत, सन् 2020 में 53.7प्रतिशत के आसपास वोट मिले थे, सीधा सीधा यही कहा जायेगा कि भाजपा की जीत मुद्दे आधारित नहीं बल्कि आम जनता में फ्री का लालच कह सकते हैं जैसा आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पिछले 11 वर्षों से करते आ रहे हैं।●

कांग्रेस के बाद क्षेत्रीय दलों में भी

पतन का दौड़

● **अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)**

देश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का उभार और कांग्रेस सहित कई क्षेत्रीय दलों का पतन काफी कुछ कहता है। भले ही हार से बौखलाए मोदी और बीजेपी विरोधी नेता चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहे हों? सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग की बात करते हों? लेकिन ऐसा नहीं है कि विरोधियों को अपनी राजनैतिक कमजोरी और सियासी अपरिपक्वता का अहसास नहीं है, लेकिन बार-बार पराजित हो रहे यह नेता सच्चाई स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। जबकि सच्चाई यह है कि बीजेपी को छोड़कर देश की किसी भी राजनैतिक दल में लोकतांत्रिक व्यवस्था ही नहीं है। इसमें देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस सहित बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, बीजू जनता दल, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों की लम्बी चौड़ी लिस्ट हैं। अब इसमें नया नाम कट्टर ईमानरदार 'आम आदमी पार्टी' का भी जुड़ गया है। हालांकि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हार के लिये अभी तक ईवीएम मशीन या सरकारी मशीनरी पर किसी तरह की धांधली का आरोप नहीं लगाया है, जबकि उसी समय उत्तर प्रदेश में अयोध्या की चर्चित मिल्कीपुर विधान सभा सीट पर मिली जबर्दस्त हार के बाद समाजवादी पार्टी का प्रलाप लगातार जारी है। ऐसा ही प्रलाप कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सहित उनकी पार्टी के तमाम नेता भी करते रहते

हैं। हालात यह है कि हार से बौखला कर मोदी विरोधी नेता उन्हें (मोदी) और बीजेपी को ही नहीं चुनाव आयोग, सीबीआई, ईडी जैसी एजेंसियों के खिलाफ भी भड़ास निकालते रहते हैं। यह नेता मोदी को नीचा दिखाने के लिये देश की छवि भी खराब करने से नहीं चूकते हैं। इसमें विदेश से पढ़ाई करके आने वाले टेक्नोटेक सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आईआरएस रह चुके अरविंद केजरीवाल जैसे पढ़े लिखे नेता शामिल हैं तो बिहार में लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव भी आरोप-प्रत्यारोप वाली सियासत से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने अपनी आभा को एकदम मटियामेट कर दिया है. जो केजरीवाल 12 साल पहले यूथ आइकॉन बनकर उभरे थे, वे अब धूल में लथपथ पड़े हैं. विधान सभा में 'दिल्ली का मालिक मैं हूँ' जैसे अहंकारी बयान देने वाले और हरियाणा सरकार पर यमुना नदी में जहर मिलाने का आरोप लगाकर अपनी फजीहत करा चुके अरविंद केजरीवाल दिल्ली जैसे आधे-अधूरे राज्य का मुख्यमंत्री रहने के बाद प्रधानमंत्री का ख्वाब देखने लगे थे मगर अब वे विधायकी भी गंवा बैठे. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है, कि अरविंद जिस तेजी

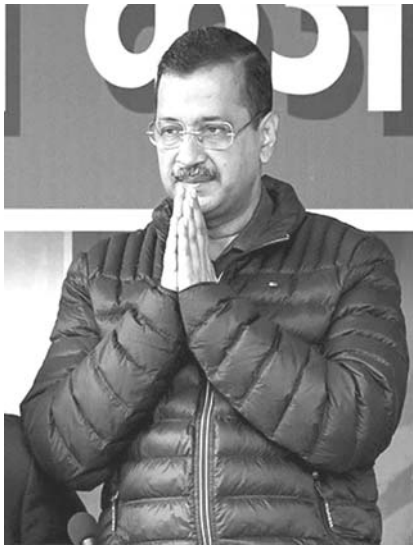

से राजनीति में चमके थे उसी तत्परता से औंधे मुंह जा गिरे. अब उनका कोई भविष्य नहीं है और इसकी वजह है उनका बड़बोलापन और भरोसे की राजनीति न करना एवं उनकी अवसरवादिता. दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से अधिक भद्द राहुल गांधी की पिटी है। पिछले कई चुनावों से दिल्ली में शून्य सीटों का रिकॉर्ड राहुल गांधी और कांग्रेस के नाम दर्ज है।

दिल्ली विधान सभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की और अयोध्या के मिल्कीपुर विधान सभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की हार के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत का भी मिजाज बदलता जा रहा है। इस बदलते मिजाज से भारतीय जनता पार्टी की बल्ले-बल्ले नजर आ रही है,वहीं समाजवादी पार्टी के सामने फिर से यक्ष प्रश्न खड़ा हो गया है कि वह पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) पर और कितना भरोसा करे।सपा प्रमुख को मिल्कीपुर की हार से तो झटका लगा ही है,लेकिन अखिलेश के लिये उससे भी ज्यादा सदमें वाली बात यह है कि मिल्कीपुर में पीडीए ही नहीं यादव बिरादरी वालों ने भी समाजवादी पार्टी से मुंह मोड़ लिया। यहां करीब 65 हजार यादव वोटर हैं। यादव वोटर से सपा से मुंह मोड़ने की वजह अखिलेश से अधिक अवधेश प्रसाद को बताया जाता हैं। मिल्कीपुर विधान सभा सीट कभी मित्रसेन यादव के वर्चस्व वाली सीट हुआ करती थी,लेकिन 2012 में इसे एससी सीट घोषित कर दिया गया था। तब से यहां का सियासी समीकरण बदल गया। यादव की जगह दलित नेता उभरने लगे। अवधेश प्रसाद भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। वह पासी समाज से आते हैं। इतना ही नहीं अवधेश प्रसाद ने मिल्कीपुर के यादव वोटरों को कभी तवज्जो नहीं दी। सपा के बड़े नेता मित्रसेन यादव और उनके पुत्र से भी अवधेश के रिश्ते बिगड़े हुए रहे।

मिल्कीपुर की जीत बीजेपी के लिये आसान नहीं लग रही थी,लेकिन बीजेपी ने अपने राजनैतिक कौशल के जरिये आसान बना दिया। एक तो बीजेपी ने अवधेश के सामने उन्हीं की बिरादरी का नेता चन्द्रभानु पासवान को मैदान में उतार दिया। दूसरे बीजेपी जनता को यह मैसेज देने में भी सफल रही कि समाजवादी पार्टी पारिवारिक पार्टी है। इसलिये उसे सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे के अलावा कोई प्रत्याशी ही नहीं मिला,जबकि यहां समाजवादी पार्टी के कई कद्दावर नेता मौजूद थे। टिकट चाहने वालों की लिस्ट में कुछ यादव नेता भी शामिल थे,जिनको भी अखिलेश के फैसले से झटका लगा। इसके चलते यादव वोटर समाजवादी पार्टी को सबक सिखाने को आतुर हो गये। इसी लिये बीजेपी को शानदार जीत से कोई रोक नहीं पाया। नतीजे आने के बाद जनता के बीच मैसेज गया कि सपा का पीडीए वोट बैंक तार-तार हो गया है। हालात यह हो गई की अखिलेश यादव को स्वयं आगे आकर अपने कार्यकर्ताओं को कहना पड़ गया कि पार्टी पीडीए फार्मूले से पीछे नहीं हटेगी। 2027 के यूपी विधान सभा चुनाव भी पीडीए के सहारे ही जीता जायेगा, लेकिन मिल्कीपुर से शर्मनाक हार के बाद समाजवादी पार्टी को अपना वोट बैंक बढ़ाने की भी चिंता सताने लगी है। सपा 2027 के विधान सभा चुनाव से पहले कुछ छोटे दलों के उन नेताओं को भी साथ जोड़ सकती है, जिनका अपनी बिरादरी पर अच्छी खासी पकड़ है। इसके साथ ही सपा प्रमुख ने यह भी तय कर लिया है कि वह मुस्लिम वोट

बैंक को मजबूत करने के लिये मुस्लिमों से जुड़े मुद्दों को संसद से लेकर सड़क तक उछालते रहेगें और जहां जरूरी होगा, वहां चुप्पी साधकर काम चला लेंगे।इस बात का अहसास अयोध्या में दो दलित बच्चियों के साथ हुए अपराध में समाजवादी पार्टी का अलग-अलग नजरिया देखने से साफ भी हो गया। पहली घटना में आरोपी मुस्लिम समाज से जुड़ा सपा नेता था तो पूरी पार्टी और अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद आरोपी को बचाते दिखे वहीं,वहीं दूसरी घटना में जब सपा को ऐसा कुछ नजर नहीं आया तो वह पीड़ित बच्ची के लिये सार्वजनिक मंच से घड़ियाली आंसू गिराने लगे,लेकिन सपा और उनके नेताओं का कोई भी पैंतरा काम नहीं आया। दलितो,पिछड़ों और यादवों ने पूरी तरह से समाजवादी पार्टी प्रत्याशी को ठेंगा दिखा दिया। सिर्फ मुसलमान ही उसके साथ खड़ा नजर आया। यानी मिल्कीपुर में अखिलेश के पीडीए पर बीजेपी का हिन्दुत्व को लेकर योगी का आक्रमक रवैया काफी भारी पड़ा।

मिल्कीपुर का दर्द समाजवादी पार्टी प्रमुख भूल नहीं पा रहे थे तो दूसरी तरफ महाकुंभ में प्रतिदिन जुट रहे करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ अखिलेश की बेचैनी बढ़ा रही थी। महाकुंभ में जातिवाद की दीवारें तोड़कर एकजुट श्रद्धालु सनातन का गौरव बढ़ा रहे थे तो वहीं अखिलेश यादव महाकुंभ को बदनाम करने और लोगों को डराने में लगे थे। अखिलेश को लगता है कि योगी का हिन्दुत्व सपा के पीडीए पर भारी पड़ रहा है। इसी लिये अखिलेश महाकुंभ की व्यवस्था को अव्यस्था का जामा पहनाने में लगे हैं, ताकि लोग महाकुंभ आने से डरे। उसी समय मौनी अमावस्या पर भगदड़ में कुछ लोगों की मौत पर अखिलेश का सियासी प्रलाप और तेज हो गया। वह झूठ और प्रपंच के सहारे अपनी सियासत चमकाने के लिये बार-बार योगी सरकार पर आरोप लगा रहे थे कि सरकार मौत का आकड़ा छिपा रही है। ऐसे में लोग अखिलेश से सवाल करने लगे कि वह पहले 1990 में अयोध्या में कारसेवकों की मौत का आकड़ा बतायें,जब उनके पिता तत्कालीन मुलायम सिंह ने निहत्थे कारसेवकों पर गोली चलाकर सरयू को खून से लाल कर दिया था,लेकिन अखिलेश किसी सवाल का जबाव देने की राजनीति करते ही नहीं है। वह तो इस समय सिर्फ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पीछे पड़े हैं। इसी के चलते समाजवादी पार्टी को भविष्य में और भी बड़ा सियासी नुकसान उठाना पड़ जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। क्योंकि 20 फीसदी मुसलमान वोट पक्का करने के लिये अखिलेश लगातार 80 फीसदी हिन्दुओं को बदनाम और बांटने में लगे हैं,लेकिन इसमें वह फिलहाल तक संभल नहीं पाये हैं। भले

ही 2024 के लोकसभा चुनाव में उनका परफारमेंस अच्छा रहा था,लेकिन उनको यह भी पता है कि 2024 के आम चुनाव में सपा को जो जीत मिली उसके पीछे उनका पराक्रम कम, भाजपा नेताओं की भीतरी कलह-कलेश ज्यादा जिम्मेदार थी। कुल मिलाकर अखिलेश की छवि बड़बोले नेता की बनती जा रही है। अखिलेश के साथ सबसे बड़ी समस्या यह नजर आ रही है कि वह जहां चुप रहकर अपनी पार्टी को भला कर सकते हैं, वहां भी जुबान से जहर उगलते रहते हैं। वही विवादित बयानबाजी की बात की जाये तो अखिलेश यादव अपने अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद को अयोध्या का नया राजा कहकर प्रभु श्रीराम और उनके भक्तों का उपहास उड़ाने के चक्कर में खुद फजीहत करा बैठते हैं। उन्हें ट्रॉफी की तरह अपने साथ लेकर घूमते थे, लेकिन मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद अखिलेश अपने होश खो बैठे हैं। सपा नेता हार से इतना बौखला गये हैं कि पार्टी के महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव तो यूपी के सरकारी अधिकारियों को ही नसीहत देने लगे हैं कि वह मुख्यमंत्री योगी जी का आदेश सुनने की बजाये उन्हें नसीहत दें। अखिलेश यादव से लेकर शिवपाल यादव, रामगोपाल यादव हताशा में डूबते जा रहे हैं। रामगोपाल तो अयोध्या में रामलला के मंदिर को भी बेकार कह चुके हैं। सपा के तमाम नेता महाकुंभ में कथित अव्यवस्था को लेकर भी लगातार सीएम पर हमलावर हैं, लेकिन इससे समाजवादी पार्टी को हासिल क्या हो रहा है, यह प्रश्न चिन्ह बना हुआ है। क्योंकि समाजवादी पार्टी का पीडीए पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। मिल्कीपुर में तो सपा को यादवों तक का वोट नहीं मिला।●

यूपी की नई आबकारी नीति
एक तीर से कई निशाने

● **अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)**

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा नई आबकारी उत्पाद शुल्क नीति को मंजूरी दिये जाने के बाद शराब के धंधे को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नई आबकारी नीति में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहे हैं। नई आबकारी नीति में सबसे बड़ी बातों पर गौर किया जाये तो यह साफ है कि यूपी सरकार एक तो शराब कारोबार के धंधे में मुट्ठी भर लोगों के वर्चस्व को कम करना चाहती है। वहीं रंगीन पानी से सरकार अधिक से अधिक कमाई करने में भी गुरेज नहीं कर रही है। इसके अलावा योगी सरकार की नजर हरियाणा की आबकारी नीति में भी सेंध मारी की है। दरअसल, दिल्ली और एनसीआर के शराब के शौकीन लोग सस्ती शराब के चक्कर में गुड़गांव पहुंच जाते हैं। इसमें नोयडा और गाजियाबाद में रहने वाले पियक्कड़ भी शामिल हैं, जिसके चलते यूपी को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। गुड़गांव में सस्ती शराब होने के चलते ही दिल्ली से सटे यूपी के जिलों की शराब की दुकानों में सन्नाटा पसरा रहता है।

अंग्रेजी शराब के ठेके नए सिरे से होने हैं. इसके लिए ऑनलाइन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है. ऐसे में जिन दुकानदारों के पास ज्यादा स्टॉक है, वो रियायती दरों पर शराब बेचकर अपना स्टॉक क्लियर करने की कोशिशों में लगे हैं. ताकि कोटे की बची शराब से कुछ और कमाई हो जाये। यही वजह थी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला मुरादाबाद में अंग्रेजी शराब की एक दुकान पर जैसे ही दुकानदार ने शराब के रेटों में भारी छूट का बोर्ड लगाया तो देखते ही देखते वहां भीड़ उमड़ पड़ी. लोग पूरी की पूरी पेटियां खरीदकर ले जाने लगे, हालात ऐसे बन गए कि शराब की दुकान के बाहर लंबी लाइन लग गई और लोग शराब खरीद कर ले जाते मिले. जल्द ही यह नजारा अन्य जिलों में भी देखने को मिल सकता है, जिससे होली के रंग अंग्रेजी के साथ और चटक हो सकते हैं। बहरहाल, आज भले ही कुछ जगह सस्ती शराब मिल रही हो, लेकिन एक अप्रैल से यूपी में शराब और बीयर पीने वालों को बड़ा झटका लगने वाला है. इन्हें अब अपनी जेब ढ़ीली करनी पड़ेगी. उत्तर प्रदेश में पहली अप्रैल से शराब और बीयर महंगी हो जाएगी. प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई नई

आबकारी नीति के तहत लाइसेंस फीस और आबकारी शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने की वजह से ऐसा होगा. नया वित्तीय वर्ष शुरू होने पर सभी लाइसेंसी फुटकर दुकानों पर बीयर और देसी तथा अंग्रेजी शराब के दामों में बढ़ोतरी हो जाएगी. नई दरें दो दिन बाद यानी एक अप्रैल से नए वित्तीय वर्ष में लागू हो जाएंगी. नये दामों की बात की जाये तो पहली अप्रैल से यूपी में बीयर के केन में औसतन 10 रुपये प्रति केन और बोतल पर 20 रुपये प्रति बोतल की मूल्यवृद्धि होगी. एक प्रमुख कंपनी ने तो मार्च के इन अंतिम दिनों में ही अपने दाम बढ़ा दिए हैं. कुछ और अच्छे ब्राण्ड की बीयर के दाम और ज्यादा बढ़ सकते हैं. इसी तरह देसी शराब का 42.8 डिग्री तीव्रता का पउआ पहली अप्रैल से 75 रुपये के बजाए 90 रुपये का होगा. 36 डिग्री तीव्रता का देसी शराब का पउवा 65 रुपये के बजाए 70 रुपये का बिकेगा. अंग्रेजी शराब के पापुलर ब्राण्ड के क्वार्टर, अद्धे व बोतल के दामों में भी बढ़ोतरी होगी. अंग्रेजी शराब के क्वार्टर में 15 से 25 रुपये तक की बढ़ोत्तरी की जाएगी. बता दें कि हाल ही में योगी सरकार की कैबिनेट बैठक में नई आबकारी नीति 2025-26 को मंजूरी दी गई है.अबकी से पुराने कोटेदारों की दुकान का नवीनीकरण नहीं किया जायेगा,बल्कि फिर से लॉटरी के द्वारा शराब की दुकानों की नीलामी होगी। योगी सरकार ने नई आबकारी नीति के जरिए 55 हजार करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा है. नई आबकारी नीति के तहत मॉल्स, मल्टीप्लेक्स एरिया में प्रीमियम ब्रांड की दुकानें को इजाजत नहीं दी जाएगी. वहीं अंग्रेजी शराब और बीयर की दुकानें लॉटरी सिस्टम से मिलेंगी और कंपोजिट दुकानों को भी लाइसेंस जारी किया जाएगा. जिसमें देशी, विदेशी, बीयर और वाइन एक जगह पर मिल सकेगी. इस बार सरकार ने बियर और शराब का कोटा भी पांच से 10 फीसदी बढ़ाया है। इस बार शासन ने देसी मदिरा की दुकानों का कोटा 10 फीसदी बढ़ा दिया है। वहीं, बीयर की दुकान का पांच फीसदी और विदेशी मदिरा की दुकान का पांच फीसदी लाइसेंस शुल्क बढ़ाया गया है। विभाग की ओर से कंपोजिट दुकानें संचालित करने के लिए तैयारियां की जा रही है।

योगी सरकार की नई शराब नीति के बदलावों के परिणाम स्वरूप प्रदेश में अब कंपोजिट शराब की दुकानें देखने को मिलेंगी। बीयर और विदेशी शराब की दुकानों को एक ही इकाई में विलय करा जा सकेगा। साथ ही राज्य में अंगूर के बागानों और माइक्रोब्रेवरीज की शुरुआत के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यूपी की नई आबकारी नीति से दिल्ली और

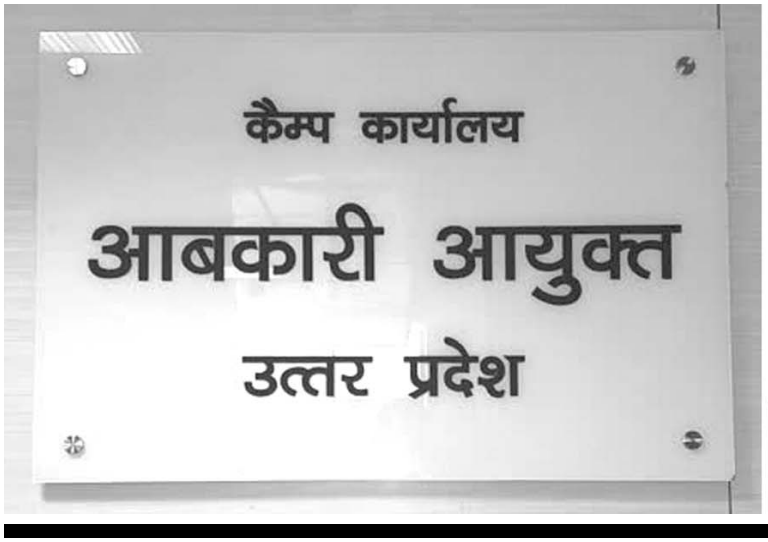

एनसीआर के लोगों को फायदा होगा। शहर की 2021-22 की आबकारी नीति अगस्त 2022 में वापस लिए जाने के बाद से दिल्ली में शराब की दुकानों को दो साल तक विकल्प और स्टॉक का संकट झेलना पड़ा था। नई शराब नीति का मुख्य उद्देश्य 55,000 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाना और शराब कारोबार को अधिक मजबूत बनाना है.योगी सरकार 6 साल बाद नई शराब नीति लेकर आई है, हालांकि, यह अभी तय नहीं किया गया है कि शराब के दामों में कोई बदलाव होगा या नहीं. इस नीति को लागू करने में पहले देरी हुई थी क्योंकि महाकुंभ 2025 और मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के कारण आचार संहिता लागू थी.

नई आबकारी नीति को 05 फरवरी 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी गई तो यह कहा जाने लगा अब तक, दिल्ली के ग्राहक गुरुग्राम से शराब खरीदने को मजबूर थे। गुरुग्राम में शराब सस्ती और इसके अधिक विकल्प मिल रहे थे। नई यूपी उत्पाद शुल्क नीति के साथ राज्य में अधिक विकल्प मिलेंगे और पूर्वी और उत्तरी दिल्ली के लोगों को गाजियाबाद-नोएडा से शराब लेना पास रहेगा। आबकारी नीति में नई सुविधाओं की घोषणा पर यूपी के आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह कहते हैं कि राज्य में अब तीन प्रकार की शराब की दुकानें होंगी-मॉडल शॉप, देशी शराब की दुकानें और कंपोजिट दुकानें। उत्तर प्रदेश में अब हर जिले में फलों से तैयार वाइन की एक-एक दुकान होगी। मंडल मुख्यालय में इसके लिए लाइसेंस फीस 50 हजार रुपये व अन्य जिलों में 30 हजार रुपये फीस होगी। इससे फल उत्पादकों के उत्पादों की खपत बढ़ेगी। इसके अलावा हर

राज्य में बड़े परिसर वाली कंजिट दुकानें खुलेंगी। यहां एक साथ विदेशी मदिरा, वाइन व बीयर उपलब्ध होगी लेकिन यहां मदिरापान की अनुमति नहीं होगी। अब से विदेशी मदिरा 60 और 90 मिलीलीटर में शीशे की बोतल व सिरोंग पैक में भी उपलब्ध होगी। नई आबकारी नीति में यह भी प्रावधान किया गया है कि किसी भी व्यक्ति या फर्म को अधिकतम दो दुकानें आवंटित हो सकेंगी। यह बात सामने आते ही सत्तर से नब्बे तक के दशक की याद ताजा हो जाती है. साल 1970-80 तक लाला मणिलाल, राजा राम जायसवाल, दीप

लिकर किंग
जवाहर जायसवाल

पॉटी चड्ढा
शराब कारोबारी

नारायण जायसवाल, लाला राम प्रकाश जायसवाल, श्री नारायण साहू का बोलबाला था। 1980-90 तक लाला जगन्नाथ जी, लाला मणिलाल, विनायक बाबू थे। 1985-88 के बाद जवाहर लाल और गोरखपुर के बद्री बाबू जायसवाल आए. उत्तर प्रदेश के शराब व्यापार पर आठ या नौ व्यापारियों जैसे बाबू किशनलाल, बद्री प्रसाद जायसवाल आदि का सिक्का चलता था. लेकिन सबसे बड़ा नाम था जवाहर जायसवाल का. वो लिकर किंग के नाम से जाने जाते थे. इन्हें सिंडिकेट कहा जाता था, यानि आसान भाषा में चंद लोगों का एक शक्तिशाली गुट,जिसके सामने सरकार भी झुक जाती थी। साल 1999 से 2004 तक सांसद रहे जवाहर जायसवाल अक्सर दावा करते मिल जाते थे कि वर्ष 1993 से लेकर 2000 तक मेरे ग्रुप के पास 22 जिले थे. इतना बड़ा बिजनेस हिंदुस्तान में कभी किसी के पास नहीं रहा. नब्बे के दशक में अपने रसूख के चरम पर राज्य में सरकारी नीतियों, शराब के दाम, व्यवस्था पर दखल रखने वाले जवाहर जायसवाल के पास, उनके मुताबिक, करीब 10,000 दुकानें थीं. वैसे अकेले जवाहर जायसवाल की बात नहीं हैं यूपी में लम्बे समय से शराब के व्यापार पर जायसवालों का कब्जा रहा है. जवाहर जायसवाल को ये बिजनेस विरासत में मिला. वो 1972 में बिजनेस में आए और अगले आठ सालों में पूरे बनारस पर उनका एकाधिकार सा हो गया. जायसवाल समाज से जुड़े कुछ लोग कहते हैं कि 50 साल पहले तक हमें कलाल बोला जाता था. कलाल मतलब जो कलाली का बिजनेस करता है. कलाली मतलब शराब. कलाल को बहुत हेय दृष्टि से देखा जाता था. लोग हमारा छुआ पानी भी नहीं पीते थे. लेकिन वक्त बदला और शराब के बिजनेस पर जायसवाल समुदाय का एकाधिकार ऐसा हुआ कि उनके प्रति समाज के अन्य वर्ग के लोगों का एकदम नजरिया ही बदल गया।

खैर, 1993 से 2001 तक जवाहर जायसवाल का दबदबा रहा. वो लिकर किंग के नाम से जाने जाते थे. लेकिन समय के साथ आबकारी नीति में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। साल 2000 में राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी. एक्साइज मंत्री थे सूर्य प्रताप शाही. शराब व्यापारियों की मनमानी खत्म करने के लिए साल 2001-02 में नई आबकारी नीति आई और शराब कारोबार के बड़े प्लेयर के

रूप में पॉटी चड्ढा का उदय हुआ और साल 2012 तक उनका वर्चस्व रहा. मायावती और अखिलेश यादव सरकारों से नजदीकियों के आरोपों के बीच पॉटी चड्ढा का साम्राज्य फैलता गया., लेकिन उत्तर प्रदेश में सेक्रेटरी एक्साइज रहे और 2001 की आबकारी नीति पर पीएचडी कर चुके डॉक्टर एसपी गौड़ के मुताबिक 2001 की आबकारी नीति में मानवीय लॉटरी से दुकानों के आवंटन का प्रावधान था और दुकाने के लिए कोई भी व्यक्ति जिसके पास अपनी या किराए पर प्रॉपर्टी हो वो आवेदन कर सकता था. इसके अलावा रिटेल दुकानदार कहीं से भी शराब खरीद सकते थे. इस नीति के अंतर्गत हर बॉटल पर होलोग्राम लगाया गया था ताकि उसकी बिक्री राज्य के भीतर हो. प्रवीर कुमार के मुताबिक इस नीति में सबसे बड़ा बदलाव ये था कि नीलामी से मिलने वाली राशि की जगह मिलने वाली आमदनी को दो भाग में विभाजित कर दिया गया- लाइसेंस फीस और ड्यूटी. एक दुकान की लाइसेंस फीस वहां होने वाली बिक्री के आधार पर निर्धारित की गई, जबकि फैसला हुआ कि शराब पर लगने वाला कर उसके डिस्टिलरी से बाहर निकलने से पहले ही सरकार इकट्ठा कर लेगी. नतीजा ये हुआ कि पुराने बड़े नाम धीरे धीरे बिजनेस से बाहर हो गए, मोनोपली राज पर रोक लगी और नए लोग जैसे पूर्व बैंक अधिकारी, रिटायर्ड लोग, एमबीए ग्रैजुएट बाजार में उतरे जो पहले इसकी धूमिल छवि की वजह से इससे आमतौर पर दूर रहते थे.यह सिलसिला आज भी बदस्तूर जारी है।●

पर्यटन निगम के अधिकारी माफियाओं के आगे

मंत्री और सचिव हुए पस्त

● **शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला**

बिहार में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन बिहार का बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की अधिकारी सुनियोजित साजिश कर फर्जी तरीके से निविदा करते हैं और करोड़ों का सामान कौड़ियों के भाव नीलाम कर देते हैं। केवल सच और अनेक फरियादियों द्वारा यहां तक की कई माननीय विधायकों द्वारा भी दिए गए पत्र को माननीय मंत्री नीतीश मिश्रा और सचिव लोकेश कुमार पुन: उन्हीं भ्रष्ट अधिकारियों को जवाब बनाने भेज देते हैं, नतीजा ''ढ़ाक के तीन पात'' वाली हो जाती है। बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (BSTDC) में बड़ा घोटाला सामने आया है। निगम के अभियंत्रण, होटल और लेखा संभाग में सक्रिय एक संगठित माफिया गिरोह पर टेंडर बेचने, वित्तीय हेराफेरी और सरकारी योजनाओं को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि निगम में बीते 15 वर्षों से यह गिरोह बेखौफ तरीके से भ्रष्टाचार में लिप्त है, लेकिन अब तक किसी भी अधिकारी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

अमरेंद्र अजय

★ **घोटाले की जड़ में तीन अधिकारी :-** पर्यटन निगम के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह पूरा खेल तीन अधिकारियों-अमरेंद्र अजय (कनीय अभियंता), राकेश रोशन (सहायक लेखा प्रबंधक) और गौरव कुमार (होटल लीज प्रभारी) के इर्द-गिर्द घूमता है। इन पर आरोप है कि इन्होंने अपने प्रभाव और रसूख का इस्तेमाल कर पर्यटन निगम को अपनी जागीर बना लिया है। निगम के अभियंत्रण, होटल और लेखा संभाग में सक्रिय संगठित माफिया गिरोह ने बिहार सरकार की विकास योजनाओं को अपने निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया। पिछले 15 वर्षों से जारी घोटालों में इस गिरोह ने टेंडर बेचे, अवैध संपत्ति बनाई और सरकारी धन का दुरुपयोग किया। पर्यटन निगम से जुड़े दस्तावेजों और शिकायतों से यह साफ हो चुका है कि निगम के अंदर ही एक भ्रष्टाचार सिंडिकेट सक्रिय है, जो नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पर्यटन परियोजनाओं को बर्बाद कर रहा है। इस पूरे घोटाले में कनीय अभियंता अमरेंद्र अजय, सहायक लेखा प्रबंधक राकेश रोशन, प्रभारी होटल लीज गौरव कुमार और महाप्रबंधक (योजना एवं विकास) अभिजीत कुमार की संलिप्तता बताई जा रही है।

★ **मुख्य आरोप :-**

☞ **टेंडर प्रक्रिया में धांधली :-** सरकारी योजनाओं के टेंडर बेचे जाते हैं और चहेते ठेकेदारों को ही निविदा दी जाती है।

☞ **फर्जी दस्तावेज और लेन-देन :-** कई मामलों में ठेकेदारों से मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर पास कराए गए।

☞ **अनियमित नियुक्तियां और पदस्थापन :-** नियमों को ताख पर रखकर बिना प्रक्रिया के मनचाहे अधिकारियों की नियुक्तियां करवाई गईं।

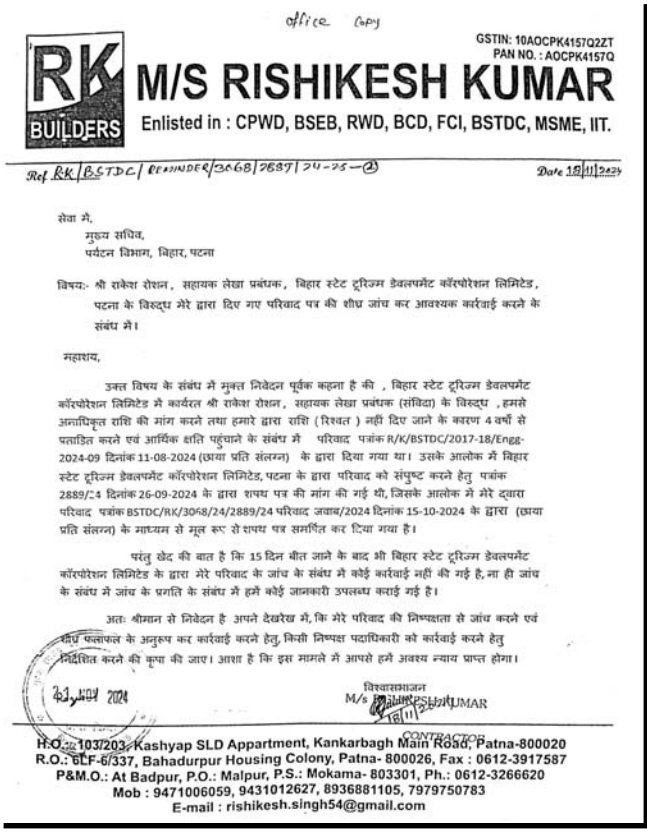

office Copy

RK BUILDERS

GSTIN: 10AOCPK4157Q2ZT
PAN NO. : AOCPK4157Q

M/S RISHIKESH KUMAR

Enlisted in : CPWD, BSEB, RWD, BCD, FCI, BSTDC, MSME, IIT.

Ref RK/BSTDC/REMINDER/3068/2889/24-25—(2) Date 18/11/2024

सेवा मे,
मुख्य सचिव,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना

विषय:- श्री राकेश रोशन, सहायक लेखा प्रबंधक, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना के विरुद्ध मेरे द्वारा दिए गए परिवाद पत्र की शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के संबंध मे।

महाशय,

उक्त विषय के संबंध मे मुक्त निवेदन पूर्वक कहना है की , बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड मे कार्यरत श्री राकेश रोशन, सहायक लेखा प्रबंधक (संविदा) के विरुद्ध , हमसे अनाधिकृत राशि की मांग करने तथा हमारे द्वारा राशि (रिश्वत) नहीं दिए जाने के कारण 4 वर्षो से पताड़ित करने एवं आर्थिक क्षति पहुंचाने के संबंध मे परिवाद पत्रांक R/K/BSTDC/2017-18/Engg-2024-09 दिनांक 11-08-2024 (छाया प्रति संलग्न) के द्वारा दिया गया था। उसके आलोक मे बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना के द्वारा परिवाद को संपुष्ट करने हेतु पत्रांक 2889/24 दिनांक 26-09-2024 के द्वारा शपथ पत्र की मांग की गई थी, जिसके आलोक मे मेरे द्वारा परिवाद पत्रांक BSTDC/RK/3068/24/2889/24 परिवाद जवाब/2024 दिनांक 15-10-2024 के द्वारा (छाया प्रति संलग्न) के माध्यम से मूल रूप से शपथ पत्र समर्पित कर दिया गया है।

परंतु खेद की बात है कि 15 दिन बीत जाने के बाद भी बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के द्वारा मेरे परिवाद के जांच के संबंध मे कोई कार्रवाई नहीं की गई है, ना ही जांच के संबंध मे जांच के प्रगति के संबंध मे हमे कोई जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

अतः श्रीमान से निवेदन है अपने देखरेख मे, कि मेरे परिवाद की निष्पक्षता से जांच करने एवं शीघ्र फलाफल के अनुरूप कर कार्रवाई करने हेतु, किसी निष्पक्ष पदाधिकारी को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित करने की कृपा की जाए। आशा है कि इस मामले मे आपसे हमे अवश्य न्याय प्राप्त होगा।

21 NOV 2024

विश्वासभाजन
M/s RISHIKESH KUMAR
18/11/2024
CONTRACTOR

H.O.: 103/203, Kashyap SLD Appartment, Kankarbagh Main Road, Patna-800020
R.O.: 6LF-6/337, Bahadurpur Housing Colony, Patna- 800026, Fax : 0612-3917587
P&M.O.: At Badpur, P.O.: Malpur, P.S.: Mokama- 803301, Ph.: 0612-3266620
Mob : 9471006059, 9431012627, 8936881105, 7979750783
E-mail : rishikesh.singh54@gmail.com

RK BUILDERS

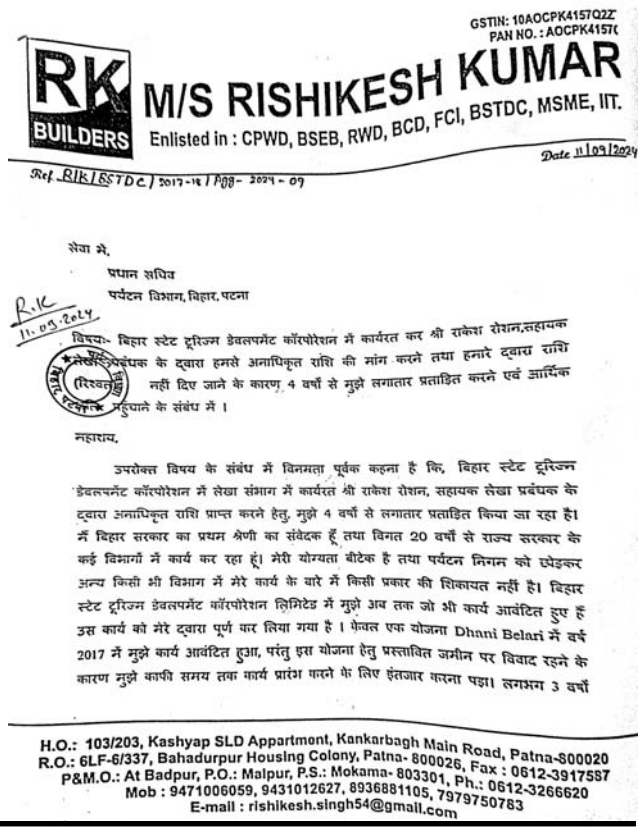

GSTIN: 10AOCPK4157Q2Z
PAN NO. : AOCPK4157(

M/S RISHIKESH KUMAR

Enlisted in : CPWD, BSEB, RWD, BCD, FCI, BSTDC, MSME, IIT.

Ref RK/BSTDC/2017-18/Egg-2024-07 Date 11/09/2024

सेवा मे,
प्रधान सचिव
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना

R.K
11.09.2024

विषय:- बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में कार्यरत कर श्री राकेश रोशन, सहायक लेखा प्रबंधक के द्वारा हमसे अनाधिकृत राशि की मांग करने तथा हमारे द्वारा राशि (रिश्वत) नहीं दिए जाने के कारण 4 वर्षों से मुझे लगातार प्रताड़ित करने एवं आर्थिक क्षति पहुंचाने के संबंध में ।

महाशय,

उपरोक्त विषय के संबंध में विनमता पूर्वक कहना है कि, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में लेखा संभाग में कार्यरत श्री राकेश रोशन, सहायक लेखा प्रबंधक के द्वारा अनाधिकृत राशि प्राप्त करने हेतु, मुझे 4 वर्षों से लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। मैं बिहार सरकार का प्रथम श्रेणी का संवेदक हूं तथा विगत 20 वर्षों से राज्य सरकार के कई विभागों में कार्य कर रहा हूं। मेरी योग्यता बीटेक है तथा पर्यटन निगम को छोड़कर अन्य किसी भी विभाग में मेरे कार्य के बारे में किसी प्रकार की शिकायत नहीं है। बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड में मुझे अब तक जो भी कार्य आवंटित हुए हैं उस कार्य को मेरे द्वारा पूर्ण कर लिया गया है । केवल एक योजना Dhani Belari में वर्ष 2017 में मुझे कार्य आवंटित हुआ, परंतु इस योजना हेतु प्रस्तावित जमीन पर विवाद रहने के कारण मुझे काफी समय तक कार्य प्रारंभ करने के लिए इंतजार करना पड़ा। लगभग 3 वर्षों

H.O.: 103/203, Kashyap SLD Appartment, Kankarbagh Main Road, Patna-800020
R.O.: 6LF-6/337, Bahadurpur Housing Colony, Patna- 800026, Fax : 0612-3917587
P&M.O.: At Badpur, P.O.: Malpur, P.S.: Mokama- 803301, Ph.: 0612-3266620
Mob : 9471006059, 9431012627, 8936881105, 7979750783
E-mail : rishikesh.singh54@gmail.com

☞ **निगरानी विभाग की अनदेखी :-** बार-बार शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

BSTDC में सरकारी योजनाओं के टेंडर देने की प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया गया। कनीय अभियंता अमरेंद्र अजय और उनके सहयोगियों ने M/S S.R. Construction (रामकृष्ण नगर, बेगूसराय) नामक फर्म को अवैध रूप से चार बड़े टेंडर दिलवाए, जबकि यह कंपनी पहले से ही इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अथॉरिटी, बिहार द्वारा ब्लैकलिस्टेड थी। अमरेंद्र अजय और उनके सहयोगियों ने चार निविदाओं में सफल घोषित किया, जबकि इस कंपनी को पहले से ही इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अथॉरिटी, बिहार द्वारा 'डिबार' किया गया था। इस फर्म ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया, जिसे सत्यापित करने के लिए सीपीडब्ल्यूडी (CPWD) की ई-मेल आईडी की जगह एक फर्जी ई-मेल आईडी का उपयोग किया गया।

✯ **ये निविदाएं थीं :-**

☞ इंद्रपुरी बैराज (रोहतास) में गार्डन और मनोरंजन गतिविधियों का विकास।

☞ होटल कौटिल्य विहार (पटना) के पास BSTDCL कार्यालय भवन का निर्माण।

☞ अशोक धाम (लखीसराय) के शिवगंगा तालाब का सौंदर्यीकरण।

☞ होटल विश्वामित्र विहार (बक्सर) का जीर्णोद्धार।

सिर्फ उन्हीं निविदा दाताओं को पास किया गया, जिनसे पहले ही सौदा तय हो चुका था। यह नियम किसी सरकारी आदेश के बिना लागू किया गया, ताकि कई ठेकेदारों को बाहर किया जा सके और पूर्व निर्धारित ठेकेदारों को ही टेंडर दिलवाया जा सके।

आरोपों के अनुसार, इस कंपनी ने टेंडर हासिल करने के लिए फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र जमा किया, जिसे सत्यापित करने के लिए CPWD की असली ई-मेल आईडी के बजाय एक नकली ई-मेल आईडी का उपयोग किया गया।

✯ **यह घोटाला निम्नलिखित निविदाओं में सामने आया :-**

☞ जीतवरपुर (मधुबनी) में आर्ट सेंटर का नवीनीकरण।

☞ होटल कौटिल्य विहार (पटना) के पास कार्यालय भवन का निर्माण।

☞ विद्यापति स्मारक (बिस्फी, मधुबनी) का विकास।

☞ गया में डुंगेश्वरी एक्सपीरियंस सेंटर का निर्माण।

☞ होटल विश्वामित्र विहार (बक्सर) का जीर्णोद्धार।

इस तरह के नियम जोड़कर असली ठेकेदारों को बाहर किया गया और माफिया गिरोह के मनचाहे ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया गया।

बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (ठैज्क्ब्) में भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप सामने आए हैं। निगम के उच्च अधिकारियों और लेखा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों पर घोटाले, रिश्वतखोरी, सरकारी धन के गबन और टेंडर प्रक्रिया में धांधली करने के आरोप लगाए गए हैं। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय, पर्यटन विभाग, निगरानी विभाग और अन्य उच्चस्तरीय सरकारी अधिकारियों से की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नियमों में इस तरह के हेर-फेर के चलते कई ठेकेदारों ने जल्द ही न्यायालय में जाने की तैयारी कर ली है।

✯ **कैसे हुआ घोटाले का खुलासा? :-** इस घोटाले का पर्दाफाश तब हुआ जब और कई विधायकों ने BSTDC के भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ मुख्यमंत्री, निगरानी विभाग और पर्यटन विभाग को कई शिकायतें भेजीं। शिकायतों के अनुसार, ये अधिकारी फर्जी टेंडर प्रक्रिया के तहत करोड़ों रुपये के निर्माण कार्य अपने चहेते ठेकेदारों को दिलवा रहे थे।

इसके अलावा, फर्जी दस्तावेजों का उपयोग, नियमों में बदलाव कर अपने मुताबिक टेंडर पास कराना, सरकारी संपत्तियों की अवैध नीलामी और वित्तीय हेरफेर जैसे कई घोटाले सामने आए हैं।

★ **होटल कौटिल्य बिहार में भी गड़बड़ियां :-** पर्यटन विभाग के एक अन्य मामले में, होटल कौटिल्य बिहार की मरम्मत योजना और उसमें मौजूद कीमती सामानों की नीलामी में भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली हुई और कीमती सामानों की फर्जी नीलामी कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री कार्यालय और निगरानी विभाग को भेजे गए पत्र में मांग की है कि इस मामले की जांच बिहार सरकार की स्वतंत्र इकाई षनिगरानी विभागष से करवाई जाए।

अभिजीत कुमार

★ **महाप्रबंधक (योजना एवं विकास) की भूमिका संदिग्ध :-** पूर्व BSTDC के महाप्रबंधक (योजना एवं विकास) अभिजीत कुमार पर भी कई गंभीर आरोप लगे हैं। उनके कार्यकाल में होटल कौटिल्य बिहार के रिपेयर टेंडर और वहां मौजूद कीमती सामानों की फर्जी नीलामी में गड़बड़ी सामने आई है। महाप्रबंधक अभिजीत कुमार पर आरोप है कि उन्होंने पटना स्थित होटल कौटिल्य बिहार के कीमती सामानों की फर्जी नीलामी कर सरकारी संपत्ति को औने-पौने दामों में बेच दिया। नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया और कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए नीलामी के वास्तविक मूल्य से काफी कम दाम पर बिक्री की गई। इसका मकसद उन ठेकेदारों को बाहर करना था, जो पहले से ही माफिया गिरोह से जुड़े नहीं थे। यह नियम किसी सरकारी आदेश के बिना लागू किया गया, ताकि केवल चुनिंदा ठेकेदारों को ही टेंडर मिल सके।

ठैज्क्ब् के महाप्रबंधक (योजना एवं विकास) श्री अभिजीत कुमार पर भी भ्रष्टाचार और अनियमितता के गंभीर आरोप लगे हैं। सेवानिवृत्ति के बाद उनके लिए विशेष रूप से संविदा पर महाप्रबंधक (योजना एवं विकास) का नया पद सृजित किया गया, ताकि वे पुनः अपने पद पर बने रहें। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए भ्रष्टाचार की जांच को प्रभावित किया और सरकारी धन का गबन किया। निगरानी विभाग को भेजे गए पत्र में मांग की गई है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और श्री अभिजीत कुमार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

महाप्रबंधक अभिजीत कुमार की संविदा सेवा दिसंबर में समाप्त हो गयी है, लेकिन उन्हें फिर से लाने के लिए कुछ अधिकारी कोशिश कर रहे हैं।

★ **शिकायतें और सरकार की उदासीनता :-** पर्यटन निगम में भ्रष्टाचार के खिलाफ केवल सच और कई विधायकों और अन्य परिवादियों ने मुख्यमंत्री, पर्यटन विभाग और निगरानी विभाग को कई शिकायतें दी हैं। लेकिन इन परिवादों पर या तो कोई सुनवाई नहीं हुई या उन्हें ठंडे बस्ते में

पत्रांक– 979 /गो०

विशेष निगरानी इकाई

निगरानी विभाग

05, दरोगा प्रसाद राय पथ,

बिहार, पटना ।

दूरभाष:-0612–2506253

प्रेषक,

वीरेन्द्र प्रसाद महतो,
पुलिस उपाधीक्षक,
विशेष निगरानी इकाई,
बिहार, पटना।

सेवा में,

शशि रंजन सिंह
सहायक सम्पादक, केवल सच
पूर्वी अशोक नगर, रोड नं0– 14
मकान सं0– 14/28 कंकड़बाग, पटना
पिन– 800020
Mail ID – kewalsach@gmail.com

पटना, दिनांक– 17 /12/2024

विषय:– दिनांक– 20/12/24 को 10.30 बजे पूर्वा0 में उपस्थित होने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में कहना है कि आपके द्वारा प्रेषित आवेदन पत्र प्राप्त हुआ। उक्त पत्र में वर्णित तथ्यों की जाँच एवं कार्रवाई हेतु आपसे कुछ बिन्दुओं पर जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। इस हेतु आप दिनांक– 20.12.24 को समय 10.30 बजे पूर्वाहन में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष विशेष निगरानी इकाई, बिहार पटना के कार्यालय में सदेह उपस्थित होने का कष्ट करेंगे।

वीरेन्द्र प्रसाद महतो
17/12/24
पुलिस उपाधीक्षक
विशेष निगरानी इकाई,
बिहार, पटना।

बिहार सरकार

पर्यटन विभाग

प्रथम तल, बी० ब्लॉक, एक्सटेंशन भवन, मुख्य सचिवालय, पटना।
Email – Js.bihartourism@gmail.com, website: www.bihartourism.gov.in

संचिका संख्या – प०वि०(सचि०)–48/06

पत्रांक –_____ प०, वि०, पटना, दिनांक _____

प्रेषक,

सरकार के उप सचिव
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

सेवा में,

प्रबंध निदेशक,
बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, पटना।

विषय :– श्री अभिजीत कुमार, महाप्रबंधक (योजना एवं विकास) एवं श्री अमरेन्द्र अजय, कनीय अभियंता, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, पटना पर विगत दो वर्षों से भ्रष्टाचार, घोटाला एवं गबन के संबंध में प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग :– केवल सच मासिक पत्रिका का पत्रांक 84, 83, 81 दिनांक 21.11.2024

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र की प्रति संलग्न करते हुए कहना है कि श्री अभिजीत कुमार, महाप्रबंधक (योजना एवं विकास) एवं श्री अमरेन्द्र अजय, कनीय अभियंता, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, पटना के विरूद्ध भ्रष्टाचार, घोटाला एवं गबन के संबंध में परिवाद पत्र प्राप्त है।

अतः उक्त परिवाद पत्रों की प्रति संलग्न करते हुए निदेशानुसार अनुरोध है कि इस संबंध में सम्यक जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की कृपा की जाए।

अनुलग्नक :– यथोक्त।

विश्वासभाजन
ह०/–
सरकार के उप सचिव
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

ज्ञापांक 2760 दिनांक 26-12-2024

प्रतिलिपि :– श्री शशि रंजन सिंह, सहायक संपादक, हिन्दी मासिक पत्रिका, पटना मो०– 8210772610 को सूचनार्थ प्रेषित।

विश्वासभाजन
सरकार के उप सचिव
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

Raj-Letter-2018 1006

नीतीश मिश्रा

डाल दिया गया। अगर इन आरोपों की निष्पक्ष जांच करवाई जाती है तो यह बिहार में पर्यटन विभाग से जुड़ा अब तक का सबसे बड़ा घोटाला साबित हो सकता है। अब देखने वाली बात यह होगी कि सरकार इस मामले में क्या रुख अपनाती है? क्या घोटाले में शामिल बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या यह मामला भी अन्य घोटालों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो जाएगा?

✯ संविदा संवेदक को चार वर्षों से प्रताड़ित करने का आरोप :- BSTDC में संविदा पर कार्यरत प्रथम श्रेणी के संवेदक ऋषिकेश कुमार ने पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि सहायक लेखा प्रबंधक श्री राकेश रोशन ने उनसे अनुबंधित राशि का 10% रिश्वत के रूप में मांगा था। रिश्वत न देने पर उन्होंने संवेदक को लगातार चार वर्षों से प्रताड़ित किया और उनके कार्यों का भुगतान रोक दिया। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2018 में उन्हें धनी बेलारी योजना का कार्य आवंटित किया गया था, लेकिन जमीन संबंधी विवाद के कारण यह योजना तीन वर्षों तक रुकी रही। जब कार्य की शुरुआत हुई, तब निर्माण सामग्री की लागत बढ़ चुकी थी। नियमानुसार, योजना की पुनरीक्षित लागत स्वीकृत कराई जानी थी, लेकिन उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया। इसके बाद, बिना उचित कारण बताए उन्हें 'डीबार' कर दिया गया और उनके स्थान पर किसी अन्य संवेदक को कार्य सौंप दिया गया।

✯ रिश्वत की मांग और धमकियों का सिलसिला :- ऋषिकेश कुमार ने शपथ पत्र में कहा है कि जब उन्होंने श्री राकेश रोशन से अपने भुगतान को लेकर संपर्क किया, तो उन्होंने उनसे 10-15% राशि रिश्वत के रूप में मांगी। रिश्वत न देने की स्थिति में उनके कार्यों का भुगतान रोकने और उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की धमकी दी गई। इसके अलावा, काली मंदिर सोनपुर योजना का 17 लाख रूपये का भुगतान और विद्यापति धाम योजना का 10 लाख रूपये का फिक्स्ड डिपॉजिट भी अनधिकृत रूप से रोक दिया गया। यह मामला न्यायालय में लंबित होने के बावजूद, बिना किसी वैध कारण के अन्य परियोजनाओं का भुगतान रोका गया, जिससे संवेदक को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

✯ BSTDC में संगठित माफिया गिरोह का सक्रिय होना! :- शिकायतों में यह भी उल्लेख किया गया है कि BSTDC के भीतर एक संगठित माफिया गिरोह सक्रिय है, जो टेंडर प्रक्रिया, भुगतान, नियुक्तियों और वित्तीय मामलों में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है। यह गिरोह वर्षों से निगम के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप यह भी है कि निगम के कुछ अधिकारियों ने भारी मात्रा में अवैध वेतन भुगतान भी प्राप्त किया है। उदाहरण के लिए, श्री राकेश रोशन ने 2007 से 2023 तक अवैध तरीके से 23 लाख रूपये का एरियर और वेतन वृद्धि प्राप्त किया। इसके अलावा, उनके लापरवाही के कारण निगम को 40 लाख रूपये का अतिरिक्त आयकर फाइन भरना पड़ा, लेकिन इसकी वसूली उनसे नहीं की गई।

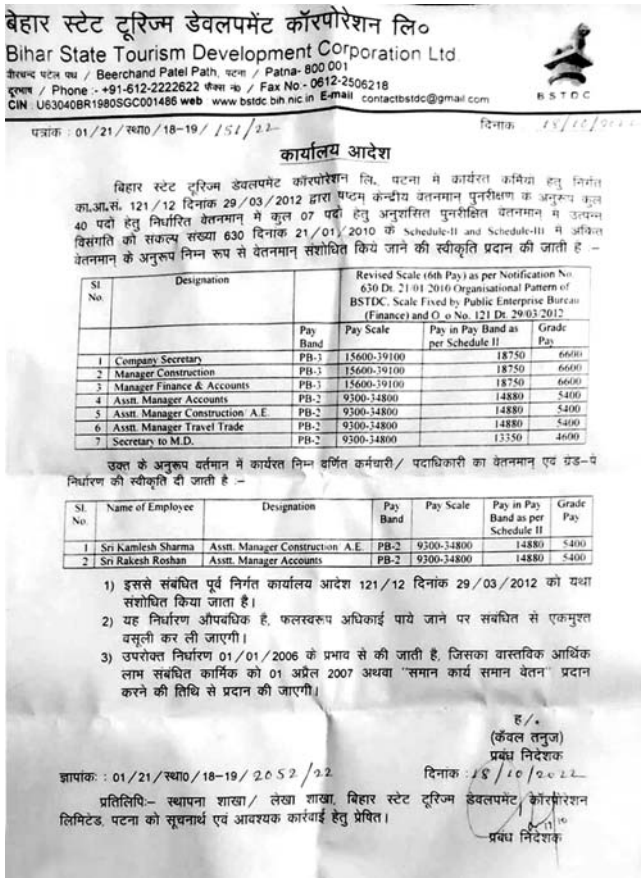

लोकेश कुमार

बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि०
Bihar State Tourism Development Corporation Ltd
वीरचन्द पटेल पथ / Beerchand Patel Path, पटना / Patna- 800 001
दूरभाष / Phone :- +91-612-2222622 फैक्स नं० / Fax No.- 0612-2506218
CIN U63040BR1980SGC001486 web www.bstdc.bih.nic.in E-mail contactbstdc@gmail.com

BSTDC

पत्रांक : 01/21/स्था0/18-19/151/22 दिनांक 18/10/2022

कार्यालय आदेश

बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि., पटना मे कार्यरत कर्मियों हेतु निर्गत का.आ.स. 121/12 दिनांक 29/03/2012 द्वारा षष्टम् केन्द्रीय वेतनमान पुनरीक्षण के अनुरूप कुल 40 पदो हेतु निर्धारित वेतनमान् मे कुल 07 पदों हेतु अनुशसित पुनरीक्षित वेतनमान् मे उत्पन्न विसंगति को संकल्प संख्या 630 दिनांक 21/01/2010 के Schedule-II and Schedule-III मे अंकित वेतनमान् के अनुरूप निम्न रूप से वेतनमान् संशोधित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है :-

Sl. No.	Designation	Revised Scale (6th Pay) as per Notification No. 630 Dt. 21/01/2010 Organisational Pattern of BSTDC, Scale Fixed by Public Enterprise Bureau (Finance) and O. o No. 121 Dt. 29/03/2012			
		Pay Band	Pay Scale	Pay in Pay Band as per Schedule II	Grade Pay
1	Company Secretary	PB-3	15600-39100	18750	6600
2	Manager Construction	PB-3	15600-39100	18750	6600
3	Manager Finance & Accounts	PB-3	15600-39100	18750	6600
4	Asstt. Manager Accounts	PB-2	9300-34800	14880	5400
5	Asstt. Manager Construction/ A.E.	PB-2	9300-34800	14880	5400
6	Asstt. Manager Travel Trade	PB-2	9300-34800	14880	5400
7	Secretary to M.D.	PB-2	9300-34800	13350	4600

उक्त के अनुरूप वर्तमान मे कार्यरत निम्न वर्णित कर्मचारी/ पदाधिकारी का वेतनमान् एवं ग्रेड-पे निर्धारण की स्वीकृति दी जाती है :-

Sl. No.	Name of Employee	Designation	Pay Band	Pay Scale	Pay in Pay Band as per Schedule II	Grade Pay
1	Sri Kamlesh Sharma	Asstt. Manager Construction/ A.E.	PB-2	9300-34800	14880	5400
2	Sri Rakesh Roshan	Asstt. Manager Accounts	PB-2	9300-34800	14880	5400

1) इससे संबंधित पूर्व निर्गत कार्यालय आदेश 121/12 दिनांक 29/03/2012 को यथा संशोधित किया जाता है।
2) यह निर्धारण औपबंधिक है, फलस्वरूप अधिकाई पाये जाने पर संबंधित से एकमुश्त वसूली कर ली जाएगी।
3) उपरोक्त निर्धारण 01/01/2006 के प्रभाव से की जाती है, जिसका वास्तविक आर्थिक लाभ संबंधित कार्मिक को 01 अप्रैल 2007 अथवा "समान कार्य समान वेतन" प्रदान करने की तिथि से प्रदान की जाएगी।

ह०/-
(कँवल तनुज)
प्रबंध निदेशक

ज्ञापांक : 01/21/स्था0/18-19/2052/22 दिनांक : 18/10/2022

प्रतिलिपि:- स्थापना शाखा/ लेखा शाखा, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

प्रबंध निदेशक

✯ शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं :- पर्यटन विभाग, निगरानी विभाग और मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजे गए कई पत्रों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप लगाने वालों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच करवाई गई, तो BSTDC में वर्षों से चल रहे भ्रष्टाचार, घोटालों और वित्तीय अनियमितताओं का पर्दाफाश हो सकता है।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या बिहार सरकार इस मामले की गंभीरता को समझते हुए निगरानी विभाग से उच्चस्तरीय जांच करवाने का आदेश देती है या फिर यह मामला भी अन्य घोटालों की तरह दबा दिया जाएगा? जिस तरह से पूरा पर्यटन निगम अमरेंद्र अजय, राकेश रोशन और गौरव के कब्जे में चला गया है, जिसके कारण माननीय मंत्री और सचिव भी असहाय हो जाते हैं। इन अधिकारी माफिया ने मुझे खुली चुनौती देते हुए कहा की मंत्री और सचिव बदल दिए जाएंगे अगर हम पर कोई कार्रवाई हुई। ●

आईजीआईएमएस में वर्षों से पदस्थापित कार्यपालक अभियंता और अधीक्षक ने संस्थान का किया बेड़ा गर्क

मनीष मंडल और शैलेंद्र कुमार सिंह के डर से थर-थर कांपते हैं निदेशक डॉक्टर बिन्दे

● शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला

भारत सरकार और राज्य सरकार ने सस्ते दरों पर उत्कृष्ट चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञ अस्पताल आईजीआईएमएस की स्थापना की थी, लेकिन अधिकारियों की कभी न मिटने वाली भ्रष्टाचार की भूख ने इसके सुनहरे भविष्य को तार-तार करके रख दिया है। आईजीआईएमएस के अधीक्षक मनीष मंडल, कार्यपालक अभियंता शैलेंद्र कुमार सिंह और वित्त एवं मुख्य लेखा पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी की तिकड़ी ने आईजीआईएमएस को भ्रष्टाचार लूट और अय्याशी का अड्डा बनाकर रख दिया है। राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान को इन लोगों ने अपनी निजी जागीर बनाकर रख दिया है। माननीय मुख्यमंत्री और माननीय मंत्री जी के कहने पर कुछ निजी रोगियों की व्यवस्था वीआईपी तरीके से हो जाती है और दोनों उसी में खुशी से फुले नहीं समाते हैं। माननीय मंत्री आईजीआईएमएस के शासी निकाय के अध्यक्ष होते हैं। आईजीआईएमएस सरकार के अंदर ही ऑटोनॉमस संस्थान है, जिसे निर्णय लेने की छूट होती है। साथ ही अपना आय के स्रोत बनाने की भी छूट होती है। लेकिन मनीष, अनिल और शैलेंद्र की जोड़ी

इसे अपनी निजी आय बनाने का स्रोत बनाकर इसका इस्तेमाल कर रही है।

राज्य सरकार ने राज्य आदेश संख्या-825 (1), दिनांक :- 19/12/2011 के आलोक में आइजीआइएमएस पटना को मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज के भवनों के निर्माण हेतु 5 अरब 86 करोड़ 23लाख 83 हजार तीन सो रुपए की योजना स्वीकृत की और तुरंत ही दिनांक 23/12/2011 को पहली किस्त के रूप में 25 करोड़ रुपयो का आवंटन भी कर दिया, लेकिन इन तिकड़ी माफिया गिरोह ने इस पर अपना फन जमा दिया।

अभी हाल में ही माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने 500 बेड अस्पताल के प्रथम ब्लॉक 'ए' एवं 'डी' का उद्घाटन 08/02/2025 को किया। मंत्री और अधिकारियों ने अर्धनिर्मित अस्पताल भवन का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री से करवा दिया, लेकिन आलेख लिखे जाने तक इसमें रोगियों की चिकित्सा भी शुरू नहीं हो सकी है। चुनाव आते ही शिलान्यास और उद्घाटन का दौर चल पड़ता है, यह बस उसकी कड़ी होकर रह गई है। यह अस्पताल भवन का क्षेत्रफल 7.4 एकड़ है, जिसको एम/एस पीएसके इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी, तमिलनाडु

द्वारा बनाया जा रहा है। इस 500 बेड अस्पताल बनाने की परियोजना लागत 280 करोड रुपए मात्र रखी गई है। योजना 29 अगस्त 2019 को प्रारंभ कर दी गई, जिनका एग्रीमेंट 13/07/2019 को ही कर ली गई थी। मतलब 5 साल बीतने के बावजूद भी किसी तरह मात्र दो ब्लॉक का फर्जी ही उद्घाटन हो पाया है, जबकि पूरा प्रोजेक्ट समाप्ति की अंतिम तिथि 28/02/2025 है। यह निविदा आईजीआईएमएस प्रशासन द्वारा निकाला गया। बाद में कार्यपालक अभियंता के कारगुजारियों से तंग आकर अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग ने इसके सुपरविजन का काम बीएमएसआईसीएल को सौंप दिया। यह परियोजना शुरू होने के कुछ दिनों बाद ही कोरोना काल आ गया, जिसके कारण भी परियोजना के समय में बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत आईजीआईएमएस में पदस्थापित कार्यपालक अभियंता शैलेंद्र कुमार सिंह के कारण आई है। शैलेंद्र कुमार सिंह ने एम/एस पीएसके इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी को जमीन आवंटन से लेकर कार्य भुगतान तक में ब्लैकमेलिंग करना शुरू कर दिया, जिसके कारण कार्य में व्यवधान उत्पन्न होना शुरू हो गया। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार शैलेंद्र कुमार ने कंपनी से कुल परियोजना का 10% देने की मांग की। कंपनी द्वारा इनकार करने पर जान बूझकर कंपनी को प्रसारित किया जाने लगा। बाद में बिना ठोस कारण के कंपनी को काली सूची में दर्ज कर दिया गया। इसके खिलाफ कंपनी ने 28/11/2023 को पटना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। पटना उच्च न्यायालय ने 21/03/2024 को आदेश दिया कि दोनों पक्षकार एक साथ बैठकर समाधान निकाले, ताकि अतिरिक्त ब्लॉकों का निर्माण शीघ्र हो सके। एम/एस पीएसके इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी और शैलेंद्र कुमार सिंह के बीच काफी खींचतान के बाद समझौता का प्रारूप बना। चूकि पटना उच्च न्यायालय का दबाव था, इसलिए शैलेंद्र कुमार सिंह ने कम प्रतिशत में ही समझौता करने में अपनी भलाई समझी, उसके बाद पटना उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में उस समझौते को आदेशित करते हुए प्रतिशत को काली सूची में डालने के आदेश को दिनांक 05/04/2024 को सैटे साइड कर दिया। शैलेंद्र कुमार सिंह के पैसे की भूख और हठधर्मिता के कारण अभी तक मात्र 'ए' और 'डी' ब्लॉक का निर्माण ही हो पाया है। शैलेंद्र कुमार सिंह के इस खेल में आईजीआईएमएस के अधीक्षक मनीष मंडल उनका पूरा साथ देते हैं। इस लूट की पूरी प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचाने का काम इन लोगों के शागीर्द वित्त एवं मुख्य लेखा पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी बखूबी करते हैं।

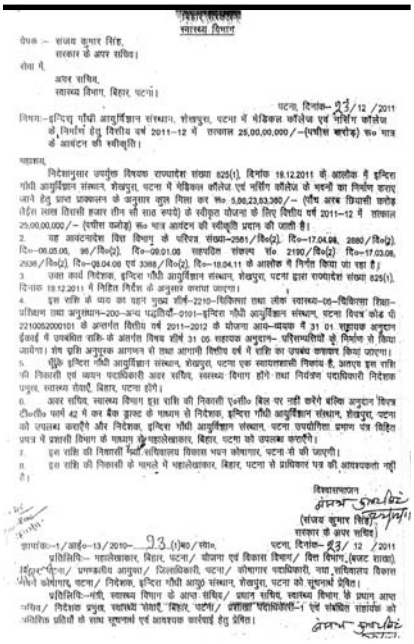

अगले अंक में अनिल कुमार चौधरी के ऊपर भ्रष्टाचार प्रमाणित होने के बावजूद पद

बिहार सरकार
स्वास्थ्य विभाग

प्रेषक :- संजय कुमार सिंह,
सरकार के अपर सचिव।

सेवा में,
अपर सचिव,
स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक- 23/12/2011

विषय:- इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपुरा, पटना में मेडिकल कॉलेज एवं नर्सिंग कॉलेज के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2011-12 में तत्काल 25,00,00,000/-(पचीस करोड़) रु० मात्र के आवंटन की स्वीकृति।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक राज्यादेश संख्या 625(1), दिनांक 19.12.2011 के आलोक में इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपुरा, पटना में मेडिकल कॉलेज एवं नर्सिंग कॉलेज के भवनों का निर्माण कराए जाने हेतु प्राप्त प्राक्कलन के अनुसार कुल मिला कर रु० 5,86,23,63,360/- (पाँच अरब छियासी करोड़ तेईस लाख तिरसठ हजार तीन सौ साठ रुपये) के स्वीकृत योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2011-12 में तत्काल 25,00,00,000/- (पचीस करोड़) रु० मात्र आवंटन की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2. यह आवंटनादेश वित्त विभाग के परिपत्र संख्या-2561/वि०(2), दि०-17.04.98, 2880/वि०(2), दि०-06.05.06, 96/वि०(2), दि०-09.01.08 सहपठित संकल्प सं० 2190/वि०(2) दि०-17.03.08, 2936/वि०(2), दि०-08.04.08 एवं 3368/वि०(2), दि०-18.04.11 के आलोक में निर्गत किया जा रहा है।

3. उक्त कार्य निदेशक, इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपुरा, पटना द्वारा राज्यादेश संख्या 625(1), दिनांक 19.12.2011 में निहित निर्देश के अनुसार कराया जाएगा।

4. इस राशि के व्यय का वहन मुख्य शीर्ष-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-05-चिकित्सा शिक्षा-प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-200-अन्य पद्धतियाँ-0101-इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना विपत्र कोड पी 2210052000101 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2011-2012 के योजना आय-व्ययक में 31 01 सहायक अनुदान ईकाई में उपबंधित राशि के अंतर्गत विषय शीर्ष 31 05 सहायक अनुदान- परिसम्पत्तियों के निर्माण से किया जायेगा। शेष राशि अनुपूरक आगणन से तथा आगामी वित्तीय वर्ष में राशि का उपबंध कराकर किया जाएगा।

5. चूँकि इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपुरा, पटना एक स्वायत्तशासी निकाय है, अतएव इस राशि की निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी अवर सचिव, स्वास्थ्य विभाग होंगे तथा नियंत्रण पदाधिकारी निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ, बिहार, पटना होंगे।

6. अवर सचिव, स्वास्थ्य विभाग इस राशि की निकासी ए०सी० बिल पर नहीं करेंगे बल्कि अनुदान विपत्र टी०सी० फार्म 42 में कर बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से निदेशक, इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपुरा, पटना को उपलब्ध करायेंगे और निदेशक, इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना उपयोगिता प्रमाण पत्र विहित प्रपत्र में प्रशासी विभाग के माध्यम से महालेखाकार, बिहार, पटना को उपलब्ध करायेंगे।

7. इस राशि की निकासी नया सचिवालय विकास भवन कोषागार, पटना से की जाएगी।

8. इस राशि की निकासी के मामले में महालेखाकार, बिहार, पटना से प्राधिकार पत्र की आवश्यकता नहीं है।

विश्वासभाजन
(संजय कुमार सिंह)
सरकार के अपर सचिव।

ज्ञापांक-1/आई०-13/2010- 93 (1)स्वा०, पटना, दिनांक- 23/12/2011

प्रतिलिपि- महालेखाकार, बिहार, पटना/ योजना एवं विकास विभाग/ वित्त विभाग (बजट शाखा), बिहार पटना/ प्रमण्डलीय आयुक्त/ जिलाधिकारी, पटना/ कोषागार पदाधिकारी, नया सचिवालय विकास भवन कोषागार, पटना/ निदेशक, इन्दिरा गाँधी आयु० संस्थान, शेखपुरा, पटना को सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि- मंत्री, स्वास्थ्य विभाग के आप्त सचिव/ प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान आप्त सचिव/ निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ, बिहार, पटना/ प्रशाखा पदाधिकारी-1 एवं संबंधित सहायक को अतिरिक्त प्रतियों के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

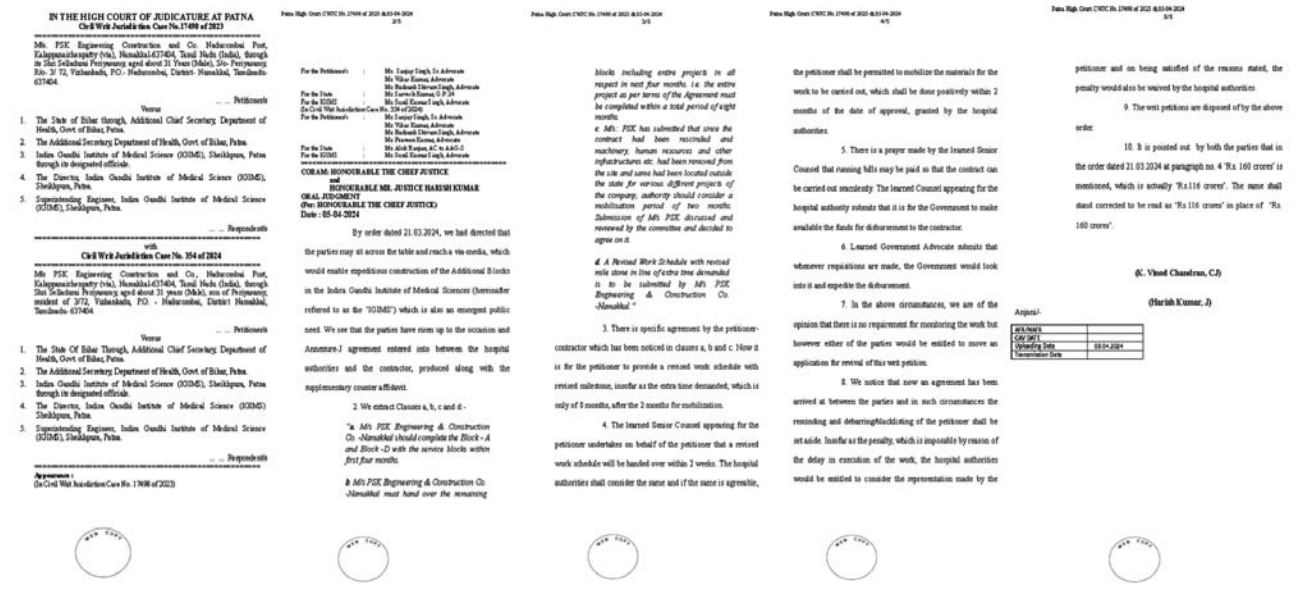

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA
Civil Writ Jurisdiction Case No.17498 of 2023

M/s. PSK Engineering Construction and Co. Naducombai Post, Kalappanaicheapatty (via), Namakkal-637404, Tamil Nadu (India), through its Shri Selladurai Periyasamy aged about 31 Years (Male), S/o- Periyasamy R/o- 3/ 72, Vizhankadu, P.O.- Naducombai, District- Namakkal, Tamilnadu-637404.

... ... Petitioner/s

Versus

1. The State of Bihar through, Additional Chief Secretary, Department of Health, Govt of Bihar, Patna.
2. The Additional Secretary, Department of Health, Govt of Bihar, Patna.
3. Indira Gandhi Institute of Medical Science (IGIMS), Sheikhpura, Patna through its designated officials.
4. The Director, Indira Gandhi Institute of Medical Science (IGIMS), Sheikhpura, Patna.
5. Superintending Engineer, Indira Gandhi Institute of Medical Science (IGIMS), Sheikhpura, Patna.

... ... Respondent/s

with

Civil Writ Jurisdiction Case No. 354 of 2024

M/s PSK Engineering Construction and Co., Naducombai Post, Kalappanaicheapatty (via), Namakkal-637404, Tamil Nadu (India), through Shri Selladurai Periyasamy, aged about 31 years (Male), son of Periyasamy, resident of 3/72, Vizhankadu, P.O. - Naducombai, District Namakkal, Tamilnadu- 637404.

... ... Petitioner/s

Versus

1. The State Of Bihar Through, Additional Chief Secretary, Department of Health, Govt of Bihar, Patna.
2. The Additional Secretary, Department of Health, Govt. of Bihar, Patna.
3. Indira Gandhi Institute of Medical Science (IGIMS), Sheikhpura, Patna through its designated officials.
4. The Director, Indira Gandhi Institute of Medical Science (IGIMS) Sheikhpura, Patna.
5. Superintending Engineer, Indira Gandhi Institute of Medical Science (IGIMS), Sheikhpura, Patna.

... ... Respondent/s

Appearance :
(In Civil Writ Jurisdiction Case No. 17498 of 2023)

Patna High Court CWJC No.17498 of 2023 dt.05-04-2024
2/5

For the Petitioner/s	:	Mr. Sanjay Singh, Sr. Advocate
		Mr. Vikas Kumar, Advocate
		Mr. Badsaah Shivam Singh, Advocate
For the State	:	Mr. Sarvesh Kumar, G.P. 24
For the IGIMS	:	Mr. Sunil Kumar Singh, Advocate
(In Civil Writ Jurisdiction Case No. 354 of 2024)		
For the Petitioner/s	:	Mr. Sanjay Singh, Sr. Advocate
		Mr. Vikas Kumar, Advocate
		Mr. Badsaah Shivam Singh, Advocate
		Mr. Praveen Kumar, Advocate
For the State	:	Mr. Alok Ranjan, AC to AAG-3
For the IGIMS	:	Mr. Sunil Kumar Singh, Advocate

CORAM: HONOURABLE THE CHIEF JUSTICE
and
HONOURABLE MR. JUSTICE HARISH KUMAR
ORAL JUDGMENT
(Per: HONOURABLE THE CHIEF JUSTICE)
Date : 05-04-2024

By order dated 21.03.2024, we had directed that the parties may sit across the table and reach a via-media, which would enable expeditious construction of the Additional Blocks in the Indira Gandhi Institute of Medical Sciences (hereinafter referred to as the "IGIMS") which is also an emergent public need. We see that the parties have risen up to the occasion and Annexure-J agreement entered into between the hospital authorities and the contractor, produced along with the supplementary counter affidavit.

2. We extract Clauses a, b, c and d:-

"a. M/s PSK Engineering & Construction Co. -Namakkal should complete the Block - A and Block -D with the service blocks within first four months.

b. M/s PSK Engineering & Construction Co. -Namakkal must hand over the remaining

Patna High Court CWJC No.17498 of 2023 dt.05-04-2024
3/5

blocks including entire projects in all respect in next four months. i.e. the entire project as per terms of the Agreement must be completed within a total period of eight months.

c. M/s. PSK has submitted that since the contract had been rescinded and machinery, human resources and other infrastructures etc. had been removed from the site and same had been located outside the state for various different projects of the company, authority should consider a mobilisation period of two months. Submission of M/s PSK discussed and reviewed by the committee and decided to agree on it.

d. A Revised Work Schedule with revised mile stone in line of extra time demanded is to be submitted by M/s PSK Engineering & Construction Co. -Namakkal."

3. There is specific agreement by the petitioner-contractor which has been noticed in clauses a, b and c. Now it is for the petitioner to provide a revised work schedule with revised milestone, insofar as the extra time demanded; which is only of 8 months, after the 2 months for mobilization.

4. The learned Senior Counsel appearing for the petitioner undertakes on behalf of the petitioner that a revised work schedule will be handed over within 2 weeks. The hospital authorities shall consider the same and if the same is agreeable,

Patna High Court CWJC No.17498 of 2023 dt.05-04-2024
4/5

the petitioner shall be permitted to mobilize the materials for the work to be carried out, which shall be done positively within 2 months of the date of approval, granted by the hospital authorities.

5. There is a prayer made by the learned Senior Counsel that running bills may be paid so that the contract can be carried out seamlessly. The learned Counsel appearing for the hospital authority submits that it is for the Government to make available the funds for disbursement to the contractor.

6. Learned Government Advocate submits that whenever requisitions are made, the Government would look into it and expedite the disbursement.

7. In the above circumstances, we are of the opinion that there is no requirement for monitoring the work but however either of the parties would be entitled to move an application for revival of this writ petition.

8. We notice that now an agreement has been arrived at between the parties and in such circumstances the rescinding and debarring/blacklisting of the petitioner shall be set aside. Insofar as the penalty, which is imposable by reason of the delay in execution of the work, the hospital authorities would be entitled to consider the representation made by the

Patna High Court CWJC No.17498 of 2023 dt.05-04-2024
5/5

petitioner and on being satisfied of the reasons stated, the penalty would also be waived by the hospital authorities.

9. The writ petitions are disposed of by the above order.

10. It is pointed out by both the parties that in the order dated 21.03.2024 at paragraph no. 4 'Rs. 160 crores' is mentioned, which is actually 'Rs.116 crores'. The same shall stand corrected to be read as "Rs.116 crores" in place of "Rs. 160 crores".

(K. Vinod Chandran, CJ)

(Harish Kumar, J)

Anjani/-

AFR/NAFR	
CAV DATE	
Uploading Date	09.04.2024
Transmission Date	

पर बने रहने की कहानी आपको पढ़ने के लिए मिलेगी, इसलिए केवल सच के अगले अंक को भी जरूर पढ़िएगा।

सरकार चाहती है कि आईजीआईएमएस विश्व स्तरीय चिकित्सा व्यवस्था से पूर्ण हो, इसके लिए वह हर जरूरी कदम उठा रही है। लेकिन अधीक्षक मनीष मंडल के आगे किसी की भी नहीं चल रही है। सरकार ने लीवर मरीज की मौत को देखते हुए आईजीआईएमएस में लिवर ट्रांसप्लांट की व्यवस्था करने का निर्णय लिया, लेकिन इस निर्णय में गलती हो गई और लिवर ट्रांसप्लांट इकाई का इंचार्ज मनीष मंडल को बना दिया गया। पटना में इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में लिवर प्रत्यारोपण इकाई का उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने अगस्त 2018 में किया था। छः बिस्तरों वाली गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) के साथ एक लीवर प्रत्यारोपण इकाई का भी उद्घाटन किया था। मरीजों को 16 घंटे की सर्जरी से गुजरना होगा, इसिलिये ट्रांसप्लांट के बाद मरीज 30 दिनों तक आईसीयू में रहेंगे, संक्रमण से बचाव के लिए ऑपरेशन थियेटर को सीधे आईसीयू से जोड़ा गया था। लेकिन 6 वर्ष के बाद भी आज तक एक भी सफल प्रत्यारोपण नहीं हो पाया है। आज तक मात्र एक असफल प्रत्यारोपण ही हो पाया है। प्रत्यारोपण के ठीक बाद मरीज की मृत्यु हो गई थी। कई करोड़ खर्च होने के बावजूद, साथ ही डॉक्टरों की टीम को कई करोड़ खर्च कर हैदराबाद, दिल्ली और चंडीगढ़ में प्रशिक्षण लेने के बावजूद 6 सालों में एक भी सफल प्रत्यारोपण नहीं होना मनीष मंडल की असफलता और निजी अस्पतालों से उनके सांठ-गांठ को भी दिखाता है, लेकिन सरकार और आईजीआईएमएस प्रशासन मनीष मंडल के नाम पर चुप्पी साध लेता है।

राज्य में अंग प्रत्यारोपण की मॉनीटरिंग आइजीआइएमएस से होगी। इसके लिए स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) का मुख्यालय आइजीआइएमएस को बनाया गया है। इसके तहत राज्य में अंग प्रत्यारोपण की मॉनीटरिंग आइजीआइएमएस से ही होगी।

आइजीआइएमएस के सोटो कार्यालय में कंप्यूटराइज्ड सिस्टम बनाया गया है। राज्य के किसी भी अस्पताल में अंग प्रत्यारोपण होगा तो इसकी सूचना सबसे पहले आइजीआइएमएस स्थित सोटो को भेजनी होगी। इसके बाद सोटो की ओर से नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (नोटो) को दिल्ली भेजना होगा। आइजीआइएमएस के सोटो का अध्यक्ष डॉ. मनीष मंडल को बनाया गया है। बिहार में किसी भी प्रत्यारोपण के लिए यहां से लाइसेंस लेना होगा। किडनी, लिवर व कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए यहां प्रतीक्षा सूची भी जमा करनी होगी। यहां से अपग्रेड कर नेशनल को भेजी जाएगी। यदि कोई बॉडी बंगाल में मिलती है तो वहां से एक अंग पड़ोस के राज्य को भेजना होता है। यदि वह अंग बिहार में आता है तो आइजीआइएमएस तय करेगा कि यह अंग कहां प्रत्यारोपित होगा। लेकिन दुर्भाग्य यहां भी आइजीआइएमएस का पीछा नहीं छोड़ा; सोटो का अध्यक्ष मनीष मंडल को बना दिया गया। नतीजा ढाक के तीन पात वाली हो गई और कितना ऑर्गन ट्रांसप्लांट आइजीआइएमएस और अन्य सरकारी संस्थानों में हुआ, यह किसी से छुपी हुई नहीं है।

मनीष मंडल आज बिहार के नरभक्षी रूप में आईजीएमएस के अधीक्षक बने हुए हैं, जो नरभक्षी के तरह तो खून नहीं पीते हैं, लेकिन खून के बदले पैसे का भोजन करते हैं।

मनीष मंडल के भ्रष्टाचार का एक बड़ा उदाहरण सारण मेडिकल हॉल और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की दुकान भी है, जिसका खुलासा हम अगले अंक में करेंगे।●

सुहर्ष भगत के कारण मरीजों की जान आफत में !

इनके आगे हाईकोर्ट ने भी खड़े किए हांथ

● **शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला**

राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत के भ्रष्टाचार के लगाम को रोकने वाला राज्य में कोई नहीं है। सुहर्ष भगत ने पैथोलॉजी सेवा प्रदाता के लिए निविदा में L2 निविदाता को L2 रेट पर ही L1 घोषित कर दिया, क्योंकि सूत्रों के अनुसार L1 निविदाता डाटा हिंदुस्तान वैलनेस से उनका गहरा संबंध है। एम्बुलेंस के लिए निकाली गयी निविदा में Ziquitza Health Care Limited/ZEN Plus Pvt Ltd को L1 घोषित करते हुए राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा SHSB टेंडर संख्या-01/SHSB/PPP (AMBULACE) में नियम के विरुद्ध 474281011/-के बदले 94856202/- का ही परफॉर्मेंस सिक्योरिटी जमा करने को कहा गया है। दिनांक-05/06/2023 को SHSB ने पत्र लिखकर पुरानी सेवा प्रदाता कंपनी पीडीपीएल से 37.7 करोड रुपए की शेष बैंक गारंटी जमा करने का आदेश दिया था और दिनांक 19/07/24 को Ziquitza Plus Limited/ZEN Healthcare Pvt Ltd को मात्र 94856202/ -का ही परफॉर्मेंस सिक्योरिटी जमा करने को कहा गया। मतलब 37 करोड़ 94 लाख 24 हजार 8409 रुपए कम के परफॉर्मेंस सिक्योरिटी में अनुबंध कर लिया गया। क्योंकि जैन प्लस प्राइवेट लिमिटेड पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम के बेटे कीर्ति चिंदबरम की अवैध कंपनी है और राजस्थान में इसके ऊपर सीबीआई केस भी दर्ज है। पूर्व आईएएस अधिकारी आर.सी.पी. सिंह का पी. चिदंबरम से अच्छे संबंध हैं और उनका भाजपा और जदयू से मोह भंग भी हो चुका है। लेकिन 'सुपर सीएम' दीपक कुमार के कारण कोई भी सुहर्ष भगत का बाल भी बाका नहीं कर पा रहा है।

अभी मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा पर जिलों के दौरे पर हैं। जहानाबाद यात्रा के दौरान जिले के सिविल सर्जन द्वारा जैन प्लस प्राइवेट लिमिटेड से मुख्यमंत्री के यात्रा के लिए 102 एंबुलेंस की

No. Z-18015/09/2024-NHM-III
Government of India
Ministry of Health and Family Welfare
(NHM-III Division)

Nirman Bhawan, New Delhi
Dated the 21st October, 2024

To
The Mission Director (NHM),
State Health Society, Bihar,
Department of (H&FW),
Government of Bihar,
Pariwar Kalyan Bhawan, Sheikhpura,
Patna, Bihar - 800014.
[*E-mail: ed_shsb@yahoo.co.in*]

Subject: Public Grievance bearing Registration No. DHLTH/E/2024/0016499 dated 01.10.2024 received from Shri Shashi Ranjan Singh regarding complaint against Executive Director of State Health Society, Government of Bihar.

Respected Sir,

I am directed to forward herewith a copy of Public Grievance bearing Registration No. DHLTH/E/2024/0016499 dated 01.10.2024 received from Shri Shashi Ranjan Singh regarding complaint against Executive Director of State Health Society, Government of Bihar. The subject matter of Grievance is self-explanatory.

2. Public Health and Hospital is a State subject and under National Health Mission (NHM), financial and technical support is provided to the States/UTs to strengthen their healthcare systems up to District Hospitals based on the proposal received from States/UTs in the form of Programme Implementation Plans (PIPs) submitted by the States/UTs within their overall Resource Envelope. Also, the engagement of human resources under NHM comes under the domain of the State Government.

3. It is, therefore, requested that you may kindly issue necessary instructions to the concerned officer to take necessary action in the matter, as deemed appropriate.

Yours faithfully,

Encl.: As above.

(Ashutosh Kumar Agrawal)

छोटा परिवार खुशियों का आधार
District Health Society, Jehanabad
जिला स्वास्थ्य समिति, जहानाबाद
सदर प्रखंड परिसर, जहानाबाद
Sadar Block Campus, Jehanabad - 804408
E-mail-dhsjehanabad@yahoo.com, dhsjbdhealthnew@gmail.com

बिहार सरकार

पत्रांक 193

प्रेषक,
सिविल सर्जन–सह–सदस्य सचिव,
जिला स्वास्थ्य समिति, जहानाबाद।

सेवा में,
कार्यपालक निदेशक,
राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, पटना।

जहानाबाद, दिनांक 22/2/2025ई0.

विषय :– टॉल फ्री डॉयल 102 सेवा के तहत जहानाबाद जिला में संचालित आतुरवाहन का Fitness के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि दिनांक 14.02.2025 को माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार के प्रगति यात्रा के दौरान ड्यूटी पर लगाये गये आतुरवाहन का जाँच दिनांक 13.02.2025 को मोटरयान निरीक्षक, जहानाबाद के द्वारा किया गया एवं आतुरवाहन का Fitness नहीं होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा हेतु उक्त आतुरवाहन को अनुमति प्रदान नहीं किया गया। जिसके कारण अधोहस्ताक्षरी को परेशानियों का सामना करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद पटना जिला से दो आतुरवाहन मंगाया गया तथा प्रगति यात्रा में ड्यूटी पर लगाया गया। Zenplus Private Limited, Mumbai द्वारा जहानाबाद जिला हेतु नियुक्त ACO से वार्ता के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि जहानाबाद जिला में 102 सेवा के तहत संचालित अधिकांश आतुरवाहन का Fitness Fail है। ऐसी परिस्थिति में आतुरवाहन का संचालन करना खतरनाक है एवं नियम के विरूद्ध है।

अतः अनुरोध है कि उपरोक्त के संबंध में अपने स्तर से कार्रवाई करने की कृपा किया जाय।

विश्वासभाजन

जिला कार्यक्रम प्रबंधक,
जिला स्वास्थ्य समिति, जहानाबाद।

सिविल सर्जन–सह–सदस्य सचिव,
जिला स्वास्थ्य समिति, जहानाबाद।

ज्ञापांक 193 / जहानाबाद, दिनांक :22/2/2025ई.
प्रतिलिपि :– Zenplus Private Limited, Mumbai को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि :– जिला पदाधिकारी, जहानाबाद को सादर सूचनार्थ समर्पित।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक,
जिला स्वास्थ्य समिति, जहानाबाद।

सिविल सर्जन–सह–सदस्य सचिव,
जिला स्वास्थ्य समिति, जहानाबाद।

मांग की गई तो कंपनी के द्वारा बताया गया है कि किसी भी एंबुलेंस का फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं है। अर्थात् फिटनेस फेल है। सिविल सर्जन जहानाबाद में कार्यपालक निदेशक राज्य स्वास्थ्य समिति को पत्र लिखकर दिनांक–14/02/2025 को कहा गया कि ''माननीय मुख्यमंत्री बिहार सरकार के प्रगति यात्रा के दौरान ड्यूटी पर लगाए गए आतुरवाहन का फिटनेस नहीं होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा हेतु उक्त आतुरवाहन को अनुमति प्रदान नहीं किया गया, जिसके कारण अधोहस्ताक्षरी को परेशानियों का सामना करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद पटना जिला से दो आतुरवाहन मांगा गया तथा प्रगति यात्रा में ड्यूटी पर लगाया गया। जैन प्लस

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA
Civil Writ Jurisdiction Case No.17505 of 2024

M/s Science House Medicals Private Limited
... ... Petitioner/s
Versus
The State of Bihar
... ... Respondent/s

with
Civil Writ Jurisdiction Case No. 1377 of 2025

POCT Services,
... ... Petitioner/s
Versus
The State of Bihar
... ... Respondent/

Appearance :
(In Civil Writ Jurisdiction Case No. 17505 of 2024)
For the Petitioner/s : Mr. Abhinav Shrivastava, Sr. Advocate
Mr. Nishhay Prashant, Advocate
For the State Health Society: Mr. P.K. Shahi, Sr. Advocate
Mr. K.K. Sinha, Advocate
For Respondent No. 4 : Mr. Shekhar Singh, Sr. Advocate
Mr. Kumar Anjaney Sharn, Advocate
Mr. Kumar Abhishek, Advocate
For Respondent No. 5 : Mr. Parth Gaurav, Advocate
(In Civil Writ Jurisdiction Case No. 1377 of 2025)
For the Petitioner/s : Mr. Sanjeev Kr. Mishra, Sr. Advocate
Mr. Rajeev Kumar Singh, Advocate
Ms. Rushali, Advocate
Ms. Malini Jaiswal, Advocate
Mr. Prabhojot Singh, Advocate
Mr. Amit Anand, Advocate
For Respondent No. 8 : Mr. Y.V. Giri, Sr. Advocate
Mr. Kumar Anjaney Sharn, Advocate
Mr. Kumar Abhishek, Advocate
Mr. Shubham, Advocate
For Respondent No. 9 : Mr. Parth Gaurav, Advocate
For the State Health Society: Mr. P.K. Shahi, Sr. Advocate
Mr. K.K. Sinha, Advocate

CORAM: HONOURABLE MR. JUSTICE P. B. BAJANTHRI
and
HONOURABLE MR. JUSTICE SUNIL DUTTA MISHRA
ORAL ORDER

(Per: HONOURABLE MR. JUSTICE P. B. BAJANTHRI)

WEB COPY

Patna High Court CWJC No. 17505 of 2024(9) dt.18-02-2025
2/2

9 18-02-2025 Registry is requested to place this matter before the Hon'ble Acting Chief Justice on administrative side and obtain necessary orders to place this matter before a Bench to which P.B. Bajanthri, J. is not party to the proceedings.

(P. B. Bajanthri, J)

(Sunil Dutta Mishra, J)

nikhi/-

U

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA
Civil Writ Jurisdiction Case No.17505 of 2024

M/s Science House Medicals Private Limited
... ... Petitioner/s
Versus
The State of Bihar
... ... Respondent/s

Appearance :
For the Petitioner/s : Mr. Nishhay Prashant, Advocate
For the intervener : Mr. Sanjeev Mishra, Sr. Advocate
Mr. Rajeev Kumar Singh, Advocate
Mr. Prabhojot Singh, Advocate
Ms. Rushali, Advocate
For the Respondent/s : Mr. P.K. Shahi, Advocate General

CORAM: HONOURABLE MR. JUSTICE P. B. BAJANTHRI
and
HONOURABLE MR. JUSTICE SUNIL DUTTA MISHRA
ORAL ORDER

(Per: HONOURABLE MR. JUSTICE P. B. BAJANTHRI)

6 24-01-2025 3rd Respondent- The Executive Director, State Health Society, Bihar, Patna is hereby directed to not to precipitate the matter till the next date of hearing.

2. Registry is hereby directed to process the Token No. 1283 of 2025 and list this matter along with the present Writ petition before the concerned roster Bench.

3. Re-list this matter on 31.01.2025.

(P. B. Bajanthri, J)

(Sunil Dutta Mishra, J)

manish/-

U

WEB COPY

प्राइवेट लिमिटेड मुंबई द्वारा जहानाबाद जिला हेतु नियुक्त ACO से वार्ता के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि जहानाबाद जिला में 102 सेवा के तहत संचालित अधिकांश आतुरवाहन का फिटनेस फेल है। ऐसी स्थिति में आतुर वहां का संचालन करना खतरनाक है एवं नियम के विरुद्ध है। अतः अनुरोध है कि उपरोक्त के संबंध में अपने स्तर से कार्रवाई करने की कृपा की जाए''। लेकिन जैन प्लस प्राइवेट लिमिटेड के पैसों के बोझ तले दबे कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत ने आलेख लिखे जाने तक कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे साफ पता चलता है कि राज्य में सुपर सीएम का वरदहस्त उन्हें प्राप्त है।

राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत ने पैथोलॉजी सेवा के लिए निकाले गए निविदा में L2 कंपनी हिंदुस्तान वैलनेस को ही L2 रेट पर L1 घोषित कर दिया और बिहार में पैथोलॉजी सेवा प्रदाता कंपनी बना दिया। जिसके खिलाफ पटना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई, जिसमें पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री पी.बी. बजंथरी और न्यायमूर्ति सुनील दत्त मिश्रा की कोर्ट ने 24/01/2025 को कार्यपालक निदेशक को निर्देश दिया जाता है कि वे अवक्षेपण करें। अर्थात कोर्ट ने सुहर्ष भगत को पैथोलॉजी सेवा प्रदाता कंपनी में हिंदुस्तान वैलनेस को काम रोकने का आदेश दिया। जिससे सुहर्ष भगत की नींद हराम हो गई। उसने ऐसा साजिश किया कि दिनांक-18/02/25 को न्यायमूर्ति श्री पी.बी. बजंथरी ने कहा कि हम कार्रवाई में पक्षकार नहीं हैं और उन्होंने केस को पुनः आवश्यक आदेश के लिए पटना उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया अर्थात उन्होंने केस से किनारा कर लिया। इस मामले में सरकार को तुरंत एक्शन लेना चाहिए था, लेकिन इसके ऊपर बड़े-बड़े लोगों का हाथ हो उसे कौन क्या बिगाड़ सकता है।

एंबुलेंस कर्मियों का पुराना और नया कंपनी का वेतन बाकी है, जिसके कारण कर्मी बार-बार हड़ताल कर रही है। जिसके कारण एंबुलेंस सेवा पूरे राज्य में चरमरा गई है। एम्बुलेंस सेवा में हो रहे भ्रष्टाचार पर हमें भी अनेकों पत्र लिखा, भारत सरकार ने भी राज्य सरकार को पत्र लिख कर जाँच की मांग की, लेकिन राज्य स्वास्थ्य समिति में सिर्फ पैसा ही बोलता है। आलेख लिखे जाने तक भारत सरकार के पत्र के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।●

टाई ब्रेकर से फैसला :

सारण की फुटबॉल टीम ने मसौढ़ी को 6-5 गोल से किया पराजित

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

स्वतंत्रता सेनानी फुलेना पांडेय की स्मृति में स्थानीय मसौढ़ी गांधी मैदान में खेले गए 49वें फाइनल फुटबॉल मैच में निर्धारित समय तक दोनों टीमों की बराबरी पर रहने की वजह से विजेता टीम का फैसला टाई ब्रेकर से करना पड़ा। वही टाई ब्रेकर में सारण (छपरा) एकादश की टीम ने मसौढ़ी फ्रेंड्स क्लब को 6-5 गोल से पराजित करते हुए फुलेना पांडेय ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। फुटबॉल मैच मुकाबले का इस वर्ष 49वां वर्ष था और आयोजन समिति ने अगले वर्ष 50 वर्ष होने के उपलक्ष्य पर एक भव्य आयोजन करने की घोषणा भी की है। इस मुकाबले में मध्यांतर तक दोनों टीम बराबरी पर थी। कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो पाई थी। मध्यांतर के बाद कुछ ही मिनट पर सारण के मणि कुमार ने एक बेहतरीन गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि बढ़त अधिक देर तक नहीं रह पाई और मैच समाप्ति के कुछ देर पहले फ्रेंड्स क्लब गोल कर मैच बराबरी पर ले आया, जो अंत तक बरकरार रह गया और अंततः विजेता का फैसला टाई ब्रेकर के सहारे करना पड़ा।

इसके पूर्व मैच का उद्घाटन स्थानीय मसौढ़ी विधायक रेखा देवी ने किया। स्मारिका व टेलीफोन निर्देशिका का विमोचन पूर्व सांसद अरुण कुमार और मसौढ़ी विधायक रेखा देवी ने संयुक्त रूप से किया। विधायक रेखा देवी के अलावा पूर्व सांसद अरुण कुमार, शिक्षाविद् राहुल चंद्र, चिकित्सक सुधीर कुमार, बैंक प्रबंधक संतोष कुमार एवं पूर्व प्रखंड प्रमुख रमाकांत रंजन किशोर संयुक्त रूप से खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने खेल की महत्ता पर जोर दिया। स्वामी विवेकानंद के कहावत पर चर्चा किया कि यदि तुम ठीक ढंग से फुटबॉल नहीं खेल सकते हो तो तुम गीता के मर्म को भी नहीं समझ सकते हो? वास्तव में स्वस्थ शरीर में हीं स्वस्थ मन का निवास होता है। खेल शरीर को सक्रिय एवं मजबूत बनाता है। हाल ही में जिस प्रकार डी. मुकेश ने चेस प्रतियोगिता में पूरे भारत का सिर ऊंचा किया है, उसी प्रकार खिलाडियों को अपना बेहतर प्रदर्शन करना है। जिससे अपने देश का नाम रौशन हो।●

पटना उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति

दिनेश कुमार सिंह का स्वर्णिम काल

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

माननीय न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह का जन्म 03 अक्टूबर 1958 को हुआ। उनका जन्म प्रतिष्ठित वकीलों के परिवार में हुआ। उनके स्व. दादा गगनदे नारायण सिंह सिविल मामलों के काफी अच्छे वकील छपरा में थे। उनके पिता स्व० राधे श्याम सिन्हा एक प्रख्यात आपराधिक मामलों के वकील थे। उन्होंने भी छपरा में अपनी वकालत की। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह ने अपना स्नातक, बिहार विश्वविद्यालय से किया। इसके उपरांत उन्होंने अंग्रेजी में स्नातकोत्तर किया। जस्टिस दिनेश कुमार सिंह पटना विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई किए। वह पटना हाईकोर्ट में वकील के तौरपर 26 सितम्बर 1986 को नामांकित हुए। जस्टिस दिनेश कुमार सिंह कानून के सभी शाखाओं में वकालत किए। वह सिविल, आपराधिक और संवैधानिक मामलों के काफी प्रसिद्ध वकील रहे हैं। जस्टिस दिनेश कुमार सिंह बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति रहे हैं। वह काफी मृदुल, शांत और विनम्र स्वभाव वाले न्यायाधीश रहे हैं। जस्टिस दिनेश कुमार सिंह सिविल, आपराधिक, संवैधानिक एवं अन्य मामलों में 24 वर्षों तक वकालत किए। उन्होंने अपना पक्ष बहुत ही बहुत ही मजबूती के साथ बोर्ड, कॉरपोरेशन और लोक मामलो में रखा। जस्टिस दिनेश कुमार सिंह अतिरिक्त महाधिवक्ता के रूप में बिहार में 2006 में नियुक्त हुए। इन्होंने 2007 में इस पद से इस्तीका दे दिया और फिर उसी उत्साह और उमंग से अपना निजी वकालत जारी रखा। वह वरिष्ठ वकील के रूप में 2007 में काफी प्रसिद्ध हुए। वह अतिरिक्त न्यायमूर्ति के रुप में पटना हाईकोर्ट में 18 फरवरी 2010 को शपथ लिए। इसके बाद इन्होंने जस्टिस दिनेश कुमार सिंह को नियमित जज रूप में 24 अक्टूबर 2011 को नियुक्त किया गया। उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति करते हैं। उच्च न्यायालय में न्यायाधीशो की सेवानिवृत्ति की उम्र 62 वर्ष हैं। लेकिन जब कोई न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया तक पहुँच जाते हैं, तब उनकी सेवानिवृत्त होने की आयु 65 वर्ष हो जाती है। राष्ट्रपति किसी भी न्यायाधीश की नियुक्ति के पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश, संबंधित राज्य के राज्यपाल और संबंधित राज्य के हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करती है। इसके बाद ही हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति की जाती है। जस्टिस दिनेश कुमार सिंह ने अपने कार्यकाल में काफी ऐतिहासिक फैसले सुनाए, जिससे आम जनों में न्यायपालिका की साख काफी मजबूत हुई।●

सिविल मामलों के काफी अच्छे जानकार थे पटना हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश वी. नाथ

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

पटना हाईकोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश इस दुनिया में नहीं रहे, लेकिन उनका नाम आज भी अमर है। वे बिहार भूमि न्यायाधिकरण के सदस्य भी रह चुके थे। सेवानिवृत न्यायमूर्ति वी. नाथ सिविल मामले के बहुत अच्छे जानकार थे। अधिवक्ताओं ने न्याय क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति बताया है। जानकारी के अनुसार वी. नाथ 20 जून 2011 को वकील से पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने थे। जबकि 12 अगस्त 2017 को न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत हुए थे। इसके बाद उन्हें बिहार भूमि न्यायाधिकरण का सदस्य मनोनीत किया गया था। पूर्व न्यायाधीश वी. नाथ के निधन पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने अफसोस जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि पटना हाईकोर्ट में वे सिविल मामले के एक्सपर्ट यानी विशेषज्ञ थे। वह काफी दयालु स्वभाव के न्यायाधीश रहे हैं। वह गरीबों एवं असहाय व्यक्तियों के लिए बिना फीस के भी केस लड़ते थे। उनमें मानव सेवा का भाव कूट-कूट कर भरा हुआ था। उनका मानना था कि मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य मानव सेवा ही करना है। इसी उद्देश्य का निर्वाह वह जीवनपर्यंत करते रहे। स्व. न्यायमूर्ति वी. नाथ के निधन से न्याय व्यवस्था को बेहद क्षति हुई है।●

बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बिहार भाजपा का दुर्भाग्य है कि जहां एक भी मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं है, जबकि भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है। जहां नरेंद्र मोदी जैसे मार्गदर्शक प्रधानमंत्री हैं। जिनके द्वारा 300 से ज्यादा जनहित में योजनाएं चलाई जा रही है। जबकि ये योजनाओं का लाभ जनमानस तक नहीं पहुंच रहा है। जिसका मुख्य कारण है अयोग्य व्यक्ति को दायित्व सौंपना, जिसने न कभी भ्रष्टाचार का विरोध किया, न कभी धरना दिया और न ही कभी अनशन करने का इतिहास रहा है। वैसे लोगों को वंचित रखना जिनका अन्याय का विरोध करते रहना इतिहास रहा है। आमरण अनशन जैसे कठोर कदम उठाते रहना। इन स्थिति में जनता को चुनाव से नफरत करने वालों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है जिसका मुख्य कारण है हम वोट किसी को दें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। नीतीश कुमार के पास एक भी सीट रहेगा तथा राजद या भाजपा के पास एक सीट का अभाव रहेगा तो भी नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे। बिहार के भाजपाई सत्ता में रहते हुए भी अपना छवि अलग बना नहीं सका। सभी विधायकों के तरह भाजपा के विधायक भी मोबाइल रिचार्ज के लिए 8 हजार पांच सौ रुपए प्रत्येक महीना ले रहे हैं। भाजपा के विधायक और मंत्री को बता देना चाहिए था कि मैं वेतन लेता हूं , वेतन के पैसा से रिचार्ज करवाएंगे। फंड का पैसा ठेकेदार को न देकर सरकारी अधिकारियों सौंप देते क्योंकि ठेकेदारी और ईमानदारी साथ-साथ नहीं चल सकती है। तथा कार्यकर्ताओं को निगरानी का जिम्मेदारी सौंप देते कि गुणवत्ता में कमी नहीं हो। जनता के नजरों में तीन में एक मुख्यमंत्री बन सकते हैं- प्रशांत किशोर, चिराग पासवान या तेजस्वी यादव। आजादी के बाद से देश का हालात कैसे बिगड़ता जा रहा है भले ही हर साल की तरह सन 1947 से हर वर्ष हम 15 अगस्त को तिरंगा झंडा फहराने की रस्म अदा करते आ रहे हैं हम अपने राष्ट्रध्वज के नाम नमन करते आ रहे हैं कि उन्हें हमने एक पहचान दी है। तत्कालिन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने लंदन में कहा कि हमारे शासन से तो अंग्रेजों का शासन अच्छा था तब की कानून व्यवस्था अच्छी थी क्योंकि तब कोई डाकू, खूनी, बलात्कारी और लुच्चा-लुटेरा सांसद, मंत्री या विधायक नहीं बन सकता था। लेकिन आज हम आजाद हैं। राजनीतिक दलों की फसल बेशर्म की झाड़ियो से भी ज्यादा रफ्तार से उग रही है। सत्ता अब किसी एक की बूते नहीं है बल्कि गठबंधनों के बल पर चल रही है।

क्या हम आजाद हैं? हमें केवल लाठी, गोली खाने और बेशुमार टैक्स चुकाने का अधिकार है। देश में उग्रवाद, आतंकवाद जैसे उपहार अंग्रेजों की देन है या आजादी की देन है? जिसने हमें इस कदर जकड़ लिया है कि हमारे मंत्री जेल में बंद शैतान को उसकी ऐशगाह के दरवाजे तक छोड़ने जाते हैं। पूजा प्रार्थना के ठिकाने भी असुरक्षित है ,अपने तीज त्यौहार भी हमें सरकारी बल और बंदूक के साए में मनाने पड़ते हैं। क्या यही आजादी है हम परमाणु शक्ति सम्पन्न हैं ,लेकिन हमारा भविष्य बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया गया है। माचिस कि तीली किन्ही और के हाथों में है। यह कैसी आजादी है। शिक्षा दान की नहीं व्यापार की वस्तु बन गई है। चिकित्सा सेवा नहीं सौदा हो चुकी है। न्याय इतना महंगा और केंचुआ चाल है कि हम खुद उस पर विश्वास करने करने की जगह डरते हैं। क्या यही आजादी है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा

विश्व शांति दिवस का आयोजन

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय स्टेशन रोड फतुहा में आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल थे। ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रभारी अंजु बहन ने संबोधन किया। अंजु बहन ने बताई कि प्रकृति का शाश्वत नियम है रात के बाद दिन और दिन के बाद रात आने का नियम है। ठीक उसी तरह जब-जब मानव अपने धर्म-कर्म मर्यादाओं से गिर जाता है तब-तब कोई न कोई प्रकाश की किरण ऊपर से नीचे उतरती है जो दिखा जाती है जीवन का यथार्थ मार्ग। कोई ना कोई महापुरुष, अवतार या मसीहा अवलंबन दे जाता है समाज को। बदल जाती है समय चक्र की धारा। आज हम उसी जगह पन: खड़े हैं। अनगिनत हृदयों यह स्वर झंकृत हो रहे हैं कि 'भगवान आओ, इस व्यथित भू के भार को उतारो, कहां हो? हम उसी जगह पुन: खड़े हैं। यह नाश का खेल कब तक चलता रहेगा', की संदेश परिवर्तन की इस महावेला में सृष्टि रचयिता निराकार परमपिता परमात्मा शिव स्वयं अवतरित हो एक साधारण तन का आधार लेकर बदल रहे हैं सृष्टि के काया। अति की इति समीप है। धर्म ग्लानि का समय और परमात्मा के अवतरण का काल यही है। परमात्मा कौन है ?क्या उसका भी जन्म अथवा अवतरण होता हैं? कौन है वह युगपुरुष जो परमात्मा का साकार माध्यम बनता है ।कैसे युग परिवर्तन होता है?यह किसी नाटक का संवाद ,पटकथा पहेली अथवा संभाषण नहीं। स्वयं परमात्मा के रहस्य सुझा रहे हैं।

भगवान के यादगार महा वाक्य में उल्लेख है, मैं साधारण तन में उत्तरित होता हूं। दादा लेखराज कथन ही वह साधारण तन है जिसमें भगवान का उत्तरण हुआ। कोलकाता में हीरे जवाहारात का व्यापार करते थे। आपके अंदर बचपन से ही भक्ति की संस्कार थे। आपने लौकिक में 12 गुरु किए थे ।60 वर्ष की आयु में आपका निराकार परमपिता परमात्मा ने इस कलयुगी दुनिया के महाविनाश और आने वाले नई, सतयुगी दुनिया के दिव्य साक्षात्कार कराये और आपके तन में प्रविष्ट होकर नये युग की स्थापना का कार्य प्रारंभ किया । आपको अलौकिक नाम मिला प्रजापिता ब्रह्मा। गायन है कि प्रजापति ब्रह्मा ही आदि देव है, बड़ी मां है, प्रथम ब्राह्मण और प्रथम पुरुष है। नई सृष्टि की पहली कलम है। भगवान के प्रथम पुत्र और सृष्टि के अग्रज पूर्वज और प्रपितामह है। भगवान के बाद सृष्टि रंग मंच के सबसे महत्वपूर्ण रंगकर्मी है, लेकिन फिर भी बिल्कुल विलुप्त है। आपने ही प्रजा पिता ब्रह्मा का कर्तव्यवाचक नाम पाकार अपने मस्तक में ज्ञान सागर को समाय और उस ज्ञान सागर के पतित आत्माओं को पावन बनाने के लिए आपके मुख से ज्ञान गंगा बहाई। आज ब्रह्माकुमारी बहनों माताओं का इतना बड़ा शक्ति दल भारत को पवित्र बनाने में लगा है। इस अवसर पर डॉक्टर मुकेश कुमार, बीके सुबोध कुमार, बीके विभा, कंचन देवी, सुनीता देवी, दिलीप कुमार, रवि कुमार रंजन, रेणु देवी पटना, सिमरन कुमारी, वशिष्ठ नारायण सिंह, संगीता कुमारी, संतोष कुमार, नीतू कुमारी, पिंकी कुमारी, सरोजनी देवी, संजय कुमार, प्रमोद कुमार, विक्की कुमार, खुशबू कुमारी, रम्भा कुमारी आदि।●

सावधान! शराब सेवन से कैंसर का खतरा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

कैंसर का सबसे बड़ा कारण मदिरापान बताया गया है। हिदायत में कहा गया है कि चाहे शराब सेवन किसी भी प्रकार हो इससे कम से कम सात प्रकार के कैंसर (स्तन कोलोरेक्टम, ग्रास-नली, यकृत, मुंह और गला और स्वर यंत्र) का खतरा बढ़ जाता है। अमेरिका में स्तन कैंसर 16.4% मामले शराब सेवन की वजह से हो रहे हैं। परामर्श प्रपत्र में चेतावनी दी गई है कि स्तन, मुंह और गले जैसे कुछ कैंसर के लिए जोखिम प्रतिदिन एक पैग उससे भी कम के शराब सेवन से पैदा हो जा सकता है, यहां तक की शराब थोड़ी मात्रा भी लिवर सिरोसिस जैसी विकट बीमारियों के कारण बन सकती है। हालांकि किसी व्यक्ति में दारु पीने से कैंसर होने का जोखिम कई जैविक पर्यावरणीय और सामाजिक कारकों पर भी निर्भर करता है। यह निष्कर्ष वैज्ञानिक साक्ष्यों व्यवस्थित मूल्य पर आधारित है। शराब सीधे तौर पर कई बीमारी तथा सकंट के लिए जिम्मेदार है। सड़क दुर्घटना के पीछे दारू पीकर गाड़ी चलाना बहुत हद तक तक जिम्मेदार है। विभिन्न देशों द्वारा विचाराधीन चेतावनी लेवल कई प्रकार के हैं। स्वास्थ्य के लिए सामान्य नुकसान अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग के नुकसान और विशिष्ट समूह(कम उम्र वाले, गर्भवती महिलाएं आदि आधारित संदेश)। 2019 में भारत में अधिकांश तक सामान्य चेतावनी छापना अनिवार्य कर दिया था, जिसमें लिखा रहता है हॉट लिकर (शराब) का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और कम अल्कोहल वाले पेय पदार्थों पर सुरक्षित रहें। शराब पी कर गाड़ी न चलाएं। चेतावनी लेवल के अलावा भारत में शराब के विज्ञापनों पर प्रतिबंध है। समाचार पत्र रेडियो और टेलीविजन में शराब के विज्ञापन पर प्रतिबंध है। स्वास्थ्य संबंधित चेतावनी के अलावा राजमार्गों पर शराब बिक्री के नियम कम उम्र के उपभोक्ताओं को शराब की बिक्री पर अंकुश लगाना और शराब पीकर गाड़ी चलाने जैसी यांत्रिक उपायों को और अधिक शक्ति से लागू करने की आवश्यकता है। बताया जाता है कि 80 प्रतिशत से ज्यादा शराब पीने के कारण ही सड़क दुर्घटनाएं होती है। ड्राइवर द्वारा शराब का इस्तेमाल करने पर किसी प्रकार का अंकुश नहीं लगाई जाती है। गाड़ी चालक पर शराब पीने पर अंकुश लगा दी जाए तो 80% से ज्यादा दुर्घटनाएं रुक जाएगी।●